हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शुक्रवार • 13.02.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 199 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

मुख्यमंत्री से वरिष्ठ वैज्ञानिक जी.वी. के. सुब्रमण्यम ने की शिष्टाचार भेंट

राज्य में स्वास्थ्य संरचना को कर रहे मजबूत : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में वरिष्ठ वैज्ञानिक जी.वी. के. सुब्रमण्यम ने शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने स्वनिर्मित अत्याधुनिक कैंसर उपचार मशीन की विस्तृत जानकारी मुख्यमंत्री को दी। उन्होंने बताया कि यह स्वदेशी तकनीक से निर्मित कैंसर उपचार मशीन है।आज देश- विदेश में इसका इस्तेमाल हो रहा है। इस मशीन से कैंसर जैसी असाध्य बीमारी का उपचार काफी कारगर साबित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने इस मशीन को बनाने के लिए श्री सुब्रमण्यम की सराहना की। उन्होंने कहा- कैन्सर

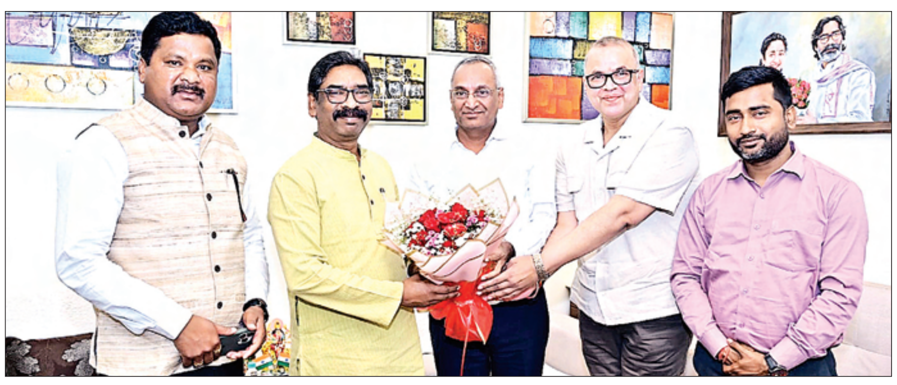

रोगियों के लिए यह मशीन किसी वरदान से कम नहीं है। इससे कैंसर जैसे असाध्य रोग का सफल इलाज संभव हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत बनाने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठाये जा रहे हैं। अस्पतालों में जांच और इलाज की की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि कैंसर मरीजों की बढ़ती संख्या काफी चिंतित करने वाला है।

इस रोग से पीड़ित लोगों को अपने ही राज्य के अस्पतालों में उपचार की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार हर आवश्यक कदम उठाने को तैयार है। इस मौके पर विधायक राजेश कच्छप भी मौजूद थे।

विदित हो कि वरिष्ठ वैज्ञानिक जी.वी. के. सुब्रमण्यम पनाशिया लिमिटेड, बेंगलुरु के प्रबंध निदेशक हैं। वे भारत के पूर्व राष्ट्रपति दिवंगत एपीजे अब्दुल कलाम के भी सहयोगी रह चुके हैं। उन्होंने उनके साथ मिलकर कई अनुसंधान एवं शोध कार्य भी किए हैं। श्री सुब्रमण्यम द्वारा निर्मित कैंसर उपचार मशीन आज देश के साथ विदेशों के बड़े अस्पतालों में कैंसर के उपचार में उपयोग हो रहा है।

रांची समाहरणालय को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस छावनी बना डीसी ऑफिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में सिविल कोर्ट को मिली धमकी के बाद अब समाहरणालय यानी डीसी ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। यह धमकी ई-मेल के जरिए भेजी गई, जिससे प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया।

ई-मेल से मिली धमकी मचा हड़कंप

जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारी सक्रिय हो गए। डीसी ऑफिस परिसर में तत्काल सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। कार्यालय में मौजूद कर्मियों और आम लोगों के बीच कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

पुलिस छावनी में तब्दील हुआ परिसर

एहतियातन पूरे समाहरणालय परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। आने-जाने वालों की सघन जांच शुरू कर दी गई है।

डॉग स्क्वॉड से ली जा रही मदद

बम की आशंका को देखते हुए डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते को भी बुलाया गया। परिसर के हर कोने की गहन तलाशी ली जा रही है। फिलहाल पुलिस ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटी है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

6 फरवरी को दी गई थी सिविल कोर्ट को उड़ाने की धमकी

इससे पहले 6 फरवरी को रांची सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। यह धमकी सिविल कोर्ट के आधिकारिक ई-मेल आईडी पर भेजी गई। मेल मिलते ही कोर्ट प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद रांची पुलिस तुरंत हरकत में आ गईं।

पटना सिविल कोर्ट को भी उड़ाने की धमकी

रांची में समाहरणालय को बम से उड़ाने की धमकी से पहले बिहार की राजधानी पटना में भी सिविल कोर्ट को उड़ाने की धमकी दी गई है। 24 घंटे में दूसरी बार कोर्ट को उड़ाने की धमकी दी गई है। यह धमकी भी ई-मेल के जरिए भेजी गई है। इससे, प्रशासनिक स्तर पर पूरे पटना में हड़कंप मचा हुआ है।

एक नजर

ब्राजील के राष्ट्रपति 18 से 22 फरवरी तक भारत की यात्रा पर

नयी दिल्ली : ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर 18 से 22 फरवरी तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को यह जानकारी देते हुए कहा, राष्ट्रपति लूला 19 से 20 फरवरी के बीच दिल्ली में आयोजित होने वाले दूसरे एआई सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय वार्ता का मुख्य दिन 21 फरवरी होगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू श्री सिल्वा की मेजबानी करेंगी और उपराष्ट्रपति तथा कुछ अन्य गणमान्य व्यक्ति उनसे मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति लूला के साथ एक मंत्रिस्तरीय और व्यापारी प्रतिनिधिमंडल भी होगा। प्रतिनिधिमंडल के साथ जुड़ने के लिये कई आयोजनों की योजना बनायी गयी है, जिससे भारत-ब्राजील के आर्थिक, तकनीकी और रणनीतिक रिश्ते और मजबूत होंगे।

झारखंड में 16 आईएएस अधिकारियों का तबादला

रांची : राज्य सरकार ने बुधवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा के 16 अधिकारियों का तबादला किया है। इनमें से दो को अपने मूल विभाग के अलावा अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अपर मुख्य सचिव मस्तराम मीणा को अगले आदेश तक राजस्व पर्षद का सदस्य नियुक्त किया गया है। इस संबंध में बुधवार देर रात कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की ओर से अधिसूचना जारी की गयी है। जारी अधिसूचना के अनुसार आपदा प्रबंधन के सचिव राजेश कुमार शर्मा को खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले का सचिव बनाया गया है। इसी प्रकार पर्यटन विभाग के सचिव मनोज कुमार को ग्रामीण विकास विभाग का सचिव, परिवहन विभाग के सचिव विप्रा भाल को आपदा प्रबंधन विभाग का सचिव, महिला, बाल विकास एवं समाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मनोज कुमार को दक्षिणी छोटानागपुर का आयुक्त, योजना एवं विकास विभाग के सचिव मुकेश कुमार को अपने कार्यों के अतिरिक्त पर्यटन विभाग का सचिव बनाया गया है।

शेख हसीना की अवामी लीग ने बांग्लादेश चुनाव को फर्जी और अवैध करार दिया, लगाए गंभीर आरोप

अवामी लीग ने अपने बयान में इन मांगों को रखा है:

- मर्डरर-फासीवादी युनुस का इस्तीफा लिया जाए।
- सभी राजनीतिक कैदियों की रिहाई, जिसमें शिक्षक, पत्रकार और बुद्धिजीवी शामिल हैं, और झूठे मामले वापस लिए जाएं।

एजेंसी

ढाका : बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग ने चुनाव को फर्जी, अवैध और असंवैधानिक करार दिया। पार्टी ने जनता के मतदान अधिकार, लोकतांत्रिक मूल्य और संविधान की भावना की अवहेलना का आरोप लगाया। अवामी लीग ने ट्वीट में कहा कि चुनाव की प्रक्रिया योजना बनाकर रची गई एक तमाशा थी, जिसमें पार्टी की भागीदारी नहीं थी। पार्टी ने जनता, माताओं, बहनों और अल्पसंख्यक समुदायों का धन्यवाद किया, जिन्होंने इस जबरदस्त फर्जी चुनाव को नकार दिया।

पार्टी ने बताया कि मतदान की पूर्व संध्या से चुनाव केंद्रों पर कब्जा, गोलीबारी, वोट खरीदी, पैसों का वितरण, बैलेट स्टाम्पिंग और एजेंटों द्वारा परिणाम पत्रक पर हस्ताक्षर जैसी घटनाएं हुईं। 12 फरवरी की सुबह तक, अधिकांश मतदान केंद्रों में मतदान नगण्य रहा और कई केंद्रों में बिल्कुल भी मतदाता नहीं आए। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, सुबह 11 बजे तक केवल 14.96% मतदाताओं ने मतदान किया, जो दर्शाता है कि अवामी लीग-रहित चुनाव जनता द्वारा पूरी तरह से खारिज किया गया।

जनता के मतदान अधिकारों की बहाली के लिए तटस्थ अस्थायी सरकार के तहत स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव कराए जाएं। अवामी लीग ने यह भी आरोप लगाया कि मतदान से पहले और दौरान समर्थकों, शुभचिंतकों और अल्पसंख्यक समुदायों पर लगातार हमले, गिरफ्तारियां, धमकियां और डर का माहौल बनाया गया। इसके बावजूद जनता ने इस जाली चुनाव को अस्वीकार कर दिया और अधिकांश मतदान केंद्र खाली रहे। साथ ही, ढाका में मतदाता सूची में असामान्य वृद्धि देखी गई, जिसे पार्टी ने गंभीर और संदिग्ध बताया।

बांग्लादेश में 299 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान समाप्त होने के बाद ढाका में मतगणना जारी है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, दोपहर 2 बजे तक करीब 48 फीसदी मतदान हुआ। बता दें कि ये चुनाव पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के 15 साल लंबे शासन के खत्म होने के करीब 18 महीने बाद हो रहे हैं। शेख हसीना को देशभर में हुए बड़े विरोध प्रदर्शनों के बाद सत्ता छोड़नी पड़ी थी।

निशिकांत दुबे ने राहुल की सदस्यता खत्म करने का प्रस्ताव पेश किया, नेता प्रतिपक्ष ने किया तीखा पलटवार

एजेंसी

नयी दिल्ली : भाजपा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने लोकसभा में एक मोशन पेश किया है, जिसमें विपक्षी नेता राहुल गांधी की सदस्यता रद्द करने और भविष्य में चुनाव लड़ने पर पाबंदी लगाने की मांग की गई। डॉ. दुबे ने कहा सोरोस फाउंडेशन और देश को टुकड़े करने वाले ताकतों के साथ मिलकर राहुल गांधी भारत का विभाजन करना चाहते हैं। इसलिए मैंने लोकसभा के नियम 352(5) और 353 के तहत उनकी सदस्यता रद्द करने और भविष्य में चुनाव नहीं लड़ने की पाबंदी का मोशन पेश किया।

लोकसभा नियम 352(5) और 353 के तहत संसद किसी सदस्य की सदस्यता रद्द करने या भविष्य के चुनावों में भाग लेने पर रोक लगाने की प्रक्रिया को अपनाती है यदि उसके कार्य संविधान और राष्ट्रीय एकता के खिलाफ हों। विशेषज्ञों के अनुसार, यह मोशन राजनीतिक रूप से संवेदनशील है और संसद में इस पर बहस और निर्णय का असर विपक्ष और राजनीतिक माहौल पर पड़ सकता है।

राहुल गांधी का बयान : एफआईआर या विशेषाधिकार प्रस्ताव, किसानों के लिए संघर्ष जारी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट कर स्पष्ट किया कि एफआईआर हो, मुकदमा दर्ज हो या विशेषाधिकार प्रस्ताव लाया जाए, वे किसानों के हितों के लिए हर मंच पर लड़ेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि जो भी ट्रेड डील किसानों की रोजी-रोटी छीने या देश की खाद्य सुरक्षा को कमजोर करे, वह पूरी तरह से किसान-विरोधी है। उन्होंने चेताया कि अन्नदाताओं के हितों के खिलाफ कोई भी कदम, चाहे मोदी सरकार का हो, उन्हें समझौता करने पर मजबूर नहीं कर पाएगा। उनका संघर्ष किसानों के अधिकारों और खाद्य सुरक्षा की रक्षा तक जारी रहेगा।

भाजपा नेता ने दी राहुल गांधी को राष्ट्रीय सुरक्षा पर राजनीति न करने की नसीहत

इसके अलावा वरिष्ठ भाजपा नेता वानाथी श्रीनिवासन ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से अपील की कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर राजनीति करना बंद करें और इसके बजाय रचनात्मक राजनीति पर ध्यान दें। वानाथी श्रीनिवासन ने लोकसभा में कथित रूप से एक पूर्व सेना प्रमुख की आत्मकथा को लेकर उत्पन्न हंगामे की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता जानबूझकर देश की सुरक्षा के साथ राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा राहुल गांधी, जिन्हें जनता ने नकार दिया है, लोकसभा में अराजकता पैदा कर रहे हैं।

औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026 लोकसभा से पारित

नयी दिल्ली : लोकसभा ने गुरुवार को औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित कर दिया, जिसका मकसद इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड, 2020 में बदलाव करना है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डा. मनसुख मांडविया ने इससे पहले सदन में आज इस विधेयक को विचार और पास करने के लिए में पेश था। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री ने लोकसभा में औद्योगिक संबंध संहिता विधेयक 2026 पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि पहले खदान में काम करने वाले या सीवरेज साफ करने वाले श्रमिकों के लिए कम से कम 10 कामगार वाले कंपनी के मजदूरों को ईएसआईसी में इलाज की सुविधा थी। डॉ. मनसुख मांडविया ने बताया कि श्रम संहिता में खतरे वाले क्षेत्र के कामगार यदि 10 से कम भी हों, तो ईएसआईसी में उपचार की सुविधा मिलेगी। डॉ. मांडविया ने औद्योगिक संबंध संहिता विधेयक 2026 पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि आज तक ऐसा होता था कि कोई 5 साल तक काम करता था, तभी उसे ग्रेच्युटी मिलती थी।

सेना की बढ़ेगी ताकत : 114 राफेल और 6 P-8I विमान खरीद को मंजूरी, 3.25 लाख करोड़ रुपये का है रक्षा सौदा

सीसीएस से अंतिम स्वीकृति मिलने के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के भारत दौरे पर डील होगी पक्की

एजेंसी

नयी दिल्ली : देश की सुरक्षा व्यवस्था को फुलप्रूफ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रक्षा अधिग्रहण परिषद यानी डीएसी ने एक ऐतिहासिक खरीद को मंजूरी दी है। परिषद ने भारतीय वायुसेना के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमानों और नौसेना के लिए 6 P-8I पोसीडॉन समुद्री निगरानी विमानों की खरीद के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। इसे भारत की अब तक की सबसे बड़ी रक्षा खरीद योजनाओं में से एक माना जा रहा है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये बताई गई है। रक्षा अधिग्रहण परिषद से गुरुवार को आवश्यकता की स्वीकृति मिलने के बाद व्यावसायिक वार्ता शुरू होगी, फिर अंतिम मंजूरी प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी देगी।

रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में गुरुवार को डीएसी की बैठक साउथ ब्लॉक में हुई, जिसमें सशस्त्र सेनाओं के लिए कई अहम फैसले हुए। केंद्र ने फ्रांस के साथ सरकार से सरकार सौदे के तहत वायु सेना के लिए 114 राफेल फाइटर जेट खरीदने को मंजूरी दे दी है। इन विमानों में 40-50 फीसदी मेक इन इंडिया हथियारों को इंटीग्रेट करने का पूरा अधिकार होगा। फ्रांस के साथ 3.25 लाख करोड़ रुपये का यह सैन्य हार्डवेयर सौदा किसी भी देश के साथ अब तक हुए अनुबंध से कम से कम पांच गुना बड़ा है। भारत के पास अभी 36 राफेल हैं और इस सौदे से 150 विमान हो जाने पर देश की हवाई ताकत कई गुना बढ़ने की उम्मीद है। वायु सेना के उप प्रमुख एयर मार्शल नागेश कपूर ने एक दिन पहले ही प्रेस कांफ्रेंस में बताया था कि ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान भारत ने पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमला किया, जिसमें राफेल एक 'हीरो' था।

अब इस सौदे के लिए मंजूरी मिलने के बाद भारत के पास कुल राफेल ऑर्डर 186 जेट्स हो जाएंगे, क्योंकि भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल-एम का 63 हजार करोड़ का पहले ही ऑर्डर दिया जा चुका है। भारत में लगभग 100 जेट्स बनाए जाएंगे, जिसमें टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, डसॉल्ट-टाटा पार्टनरशिप और मेक इन इंडिया को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता वाले डिफेंस प्रोक्योरमेंट बोर्ड ने 16 जनवरी को ही फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन से 114 राफेल फाइटर जेट खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में डीएसी की मंजूरी मिलने के बाद अंतिम मंजूरी प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी देगी। इसके बाद यह डील इसी माह फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के भारत दौरे पर पक्की हो जाएगी।

वायु सेना के अंबाला एयरबेस पर पहले से ही राफेल फ्लाइट-ट्रेनिंग और मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल सुविधा चालू है। ये जेट्स 'मेक इन इंडिया' स्कीम के तहत खरीदे जाएंगे, जिसमें राफेल बनाने वाली कंपनी डसॉल्ट एविएशन एक भारतीय फर्म के साथ साझेदारी करेगी।

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के सत्यापन के कार्य में तेजी लाएं : के रवि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि विभिन्न राज्यों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य चल रहा है। इसके क्रम में अन्य राज्यों में झारखंड राज्य से संबंधित मतदाताओं का सत्यापन के दस्तावेज भेजे जा रहें हैं। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के सत्यापन के लिए भेजे जा रहे दस्तावेजों का त्वरित रूप से निरीक्षण करते हुए, प्रतिवेदन संबंधित राज्य को ससमय भेजने का कार्य करें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी गुरुवार को निर्वाचन सदन से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने ने कहा कि राज्य में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के पूर्व तैयारियों को ससमय पूरा करें, जिससे गहन पुनरीक्षण के क्रम में आसानी हो सके। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के पैतृक मैपिंग के साथ-साथ अब्सेंट, शिफ्टेड, डिलीट एवं डुप्लीकेट मतदाता की भी सघन जांच करते हुए सूची तैयार कर लें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में मतदाताओं का एक भी ब्लर फोटो से सम्बंधित मामले लंबित न रहे। मतदाताओं का मतदाता पहचान पत्र में साफ एवं रंगीन तस्वीर के लिए सम्बंधित बीएलओ अपने बीएलओ ऐप के माध्यम से तस्वीर खींच कर अपलोड करें।

एक नजर

विधायक ने दुगोला कार्यक्रम मंच का किया उद्घाटन

बरही : प्रखंड अंतर्गत बसरिया पंचायत के करीमाटी गांव में आयोजित वैदिक श्री श्री 1008 श्री रुद्र महायज्ञ के समापन अवसर पर भव्य दुगोला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बरही विधायक मनोज कुमार यादव शामिल हुए। उन्होंने फीता काटकर दुगोला कार्यक्रम मंच का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपाध्यक्ष किशुन यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक, पंसस प्रतिनिधि कामेश्वर रविदास, समाजसेवी बासुदेव यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। आयोजन समिति के सदस्यों ने सभी अतिथियों का फूल-माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक मनोज कुमार यादव ने अपने अंदाज में भक्ति गीत गुनगुनाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। उनके गीतों पर उपस्थित लोग झूम उठे। वहीं बिहार के प्रसिद्ध कलाकार बीरेंद्र चौहान और ऊषा उड़ान ने भी रातभर भक्ति धुनों से माहौल को भक्तिमय बनाए रखा। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष उमेश प्रसाद यादव, सचिव संजय यादव, कोषाध्यक्ष विजय यादव, उपाध्यक्ष मनोज कुमार राणा, उपसचिव नागेश्वर यादव, संयोजक विजय यादव, सहसंयोजक सिकंदर कुमार, मीडिया प्रभारी रविंद्र कुमार यादव समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

बड़कागांव में खुला जमजम ट्रेडर्स टोटो शोरुम

बड़कागांव : बड़कागांव थाना रोड दाता बाबा मजार के समीप नयाटांड एवं तलसवार के कोयलंग परेवातरी संयुक्त निवासी प्रोपराइटर पिंटू उर्फ मेराज हुसैन के द्वारा जमजम ट्रेडर्स टोटो शोरुम का शुभारंभ किया गया। प्रोपराइटर पिंटू उर्फ मेराज हुसैन ने प्रेस के माध्यम से बताया कि हमारे जमजम ट्रेडर्स शोरुम में पांच प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहन उपलब्ध हैं। जिसमें स्कूल वैन, हाप डाला (छोटा पिकअप), टोटो एवं स्कूटी उपलब्ध हैं। स्कूल वैन जो युनिक मॉडल में है। छोटा पिकअप जिसकी लोड क्षमता अधिकतम 1000 किग्रा है। वहीं अनेक प्रकार की स्कूटी उपलब्ध हैं जिसकी कीमत 42,000/ बयालीस हजार से लेकर 1,25,000/ एक लाख पच्चीस हजार रूपए तक है। इसके साथ सभी वाहनों के पार्ट्स भी उपलब्ध हैं। इतना ही नहीं इस शोरुम में 24 घंटे के अंदर सर्विस की भी सुविधा है। और एक खास बात तो यह है कि अभी जमजम ट्रेडर्स शोरुम की ओर से सुनहरा ऑफर पर टोटो खरीदारी करने पर 25 प्रतिशत तक छूट मिलेगी। वहीं प्रोपराइटर पिंटू उर्फ मेराज हुसैन ने प्रखंड के लोगों से अपील की है कि एक बार जमजम ट्रेडर्स शोरुम में जरुर पधारें और अपनी पसंदीदा वाहनों की खरीदारी करें।

डीएवी परिवार के नानक चंद्र गर्ग के निधन पर विद्यालय में शोक सभा

बरही : डीएवी परिवार के नानक चंद्र गर्ग के निधन पर डीएवी पब्लिक स्कूल में शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने नानक चंद्र गर्ग की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। प्राचार्य पुष्प कुमार झा ने कहा कि नानक चंद्र गर्ग एक दूरदर्शी, कर्मठ एवं समर्पित शिक्षाविद् थे। उनके मार्गदर्शन में डीएवी शिक्षण संस्थानों ने शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया। उनका जीवन सादगी, अनुशासन और सेवा भावना से भरा था।

हजारीबाग के पेलावल से छह शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, स्कॉर्पियो जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग पुलिस द्वारा एन्टी क्राइम चेकिंग अभियान के दौरान शहरी क्षेत्र के पेलावल ओपी थाना क्षेत्र से एक अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश किया गया है। पुलिस ने बिहार-झारखंड में सक्रिय इस गिरोह के छह शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है, जो स्कॉर्पियो सहित अन्य चारपहिया वाहनों की चोरी कर उन्हें बिहार के शराब माफियाओं को बेचने का काम करते थे। बीते रात लोहसिंघना थाना प्रभारी द्वारा पेलावल ओपी की पेट्रोलिंग पार्टी को सूचना दी गई कि बिहार नंबर प्लेट लगी सफेद रंग की स्कॉर्पियो पुलिस की गश्ती गाड़ी को देखकर इंद्रपुरी चौक पर लगे बैरियर को धक्का मारते हुए पेलावल की ओर तेज गति से भाग रही है। सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर, हजारीबाग अमित आनंद (भा.पु.से.) के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। पुलिस ने पेलावल-गदोखर मोड़ के पास बैरियर लगाकर सशस्त्र बल के सहयोग से तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो को रोक लिया। वाहन की जांच में उसमें कुल छह लोग सवार पाए गए, जिन्हें पूछताछ के लिए पेलावल ओपी लाया गया। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे सभी एक संगठित वाहन चोर गिरोह के सदस्य हैं। ये लोग हजारीबाग और आसपास के जिलों से स्कॉर्पियो समेत चारपहिया वाहनों की चोरी कर बिहार में शराब तस्करी से जुड़े माफियाओं को वाहन उपलब्ध कराते थे। कई चोरी की गाड़ियों का इस्तेमाल अवैध शराब व स्पिरिट की तस्करी में किया गया। गिरफ्तार आरोपियों ने वर्ष 2025 और 2026 के दौरान हजारीबाग, रामगढ़, दारू, चरही, कटकमसांडी, कटकमदाग, मुफस्सिल सहित अन्य थाना क्षेत्रों से स्कॉर्पियो चोरी की कई घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इन मामलों में संबंधित थानों में पूर्व से कांड दर्ज हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में अशरफ अली उर्फ यशरब अली उर्फ पप्पू खान उर्फ गुरूजी पिता शेख नसीम अहमद, ग्राम कुसडीहरा, थाना रोहतास (बिहार), वर्तमान पता नवाडीह अजमेर नगर, थाना नगर, जिला औरंगाबाद (बिहार), विवेक कुमार (उम्र 25 वर्ष) पिता उमेश यादव, गांधी नगर वार्ड संख्या 33, थाना नगर, जिला औरंगाबाद, विकास कुमार पिता मदन साव, ग्राम वैधबिगहा, थाना हरिहरगंज, जिला पलामु, जितेन्द्र कुमार मेहता उर्फ छोटू पिता नरेश प्रसाद मेहता, ग्राम शेखा, थाना मुफस्सिल, जिला हजारीबाग, मो. जोनी उर्फ सोहान पिता मो. असरफ, ग्राम बुलेन टोली, थाना दिदारगंज, जिला बिहार शरीफ, शेखराज पिता शेख हबीबुल्लाह, ग्राम अकबरपुर, थाना रोहतास, जिला रोहतास (बिहार) शामिल है। जब्त सामग्री में एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 10 एएन 1191, 05 मोबाइल फोन शामिल है। इस संबंध में कटकमसांडी (पेलावल ओपी) थाना कांड संख्या 27/26, दिनांक 12.02.2026, धारा 111(2)/11(4)/116(6)/317 (2) व 3/5 बीएनएस 2023 के तहत मामला दर्ज किया गया है। सभी अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। गिरोह से जुड़े अन्य फरार आरोपियों के विरुद्ध सत्यापन कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर हजारीबाग अमित आनंद (भा.पु.से.), पुलिस निरीक्षक शाहिद रजा, पेलावल ओपी प्रभारी वेद प्रकाश पाण्डेय, लोहसिंघना थाना प्रभारी निशांत केरकेट्टा, कटकमसांडी थाना प्रभारी शिवम कुमार गुप्ता, दारू थाना प्रभारी इकबाल हुसैन, बरही थाना के राजबल्लभ यादव, कटकमदाग थाना के चितरंजन कुमार सहित तकनीकी शाखा व सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

भाजपा कार्यालय बरही में नवनिर्वाचित सांसद प्रतिनिधियों का हुआ स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : भाजपा कार्यालय बरही में पश्चिमी मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक के नेतृत्व में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल द्वारा नियुक्त नवनिर्वाचित सांसद प्रतिनिधियों का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिनिधियों को अंग वस्त्र एवं बुके देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पश्चिमी मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक ने की। उन्होंने कहा कि सांसद प्रतिनिधियों की नियुक्ति से संगठन को और मजबूती मिलेगी तथा क्षेत्र की समस्याओं के समाधान में तेजी आएगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी प्रतिनिधि जनता और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेंगे। इस मौके पर जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, कामेश्वर रविदास, इंद्रदेव ठाकुर, पिंटू कुमार, इंद्रदेव यादव, नवल किशोर सिंह, गुरुदेव कुमार गुप्ता, हरेंद्र गोप, भगवान केसरी, राजू रजक, पंकज बरनवाल, मोतीलाल चौधरी, रंजीत चंद्रवंशी, राजकुमार प्रसाद केसरी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन संगठन की मजबूती और क्षेत्र के विकास के संकल्प के साथ हुआ।

गिरफ्तार तस्कर के खुलासे से हड़कंप, चौपारण के जंगलों में चार एकड़ अफीम खेती ध्वस्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : थाना क्षेत्र अंतर्गत दैहर पंचायत के मॉर्निया एवं बर्दाग जंगल क्षेत्र में गुरुवार को हजारीबाग पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 04 एकड़ में अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती को नष्ट कर दिया। पुलिस को गुप्त सूचना मिलने के बाद यह संयुक्त अभियान चलाया गया, अभियान के दौरान दुर्गम एवं घने जंगल क्षेत्रों में ड्रोन की मदद से अफीम की खेती को चिन्हित किया गया, जिसके बाद मौके पर ही फसल को पूरी तरह विनष्ट कर दिया गया। गिरफ्तार तस्कर से हुआ बड़ा खुलासा उल्लेखनीय है कि मॉर्निया जंगल क्षेत्र में अफीम की खेती के मुख्य तस्कर को चौपारण पुलिस ने 11 फरवरी 2026 को गिरफ्तार किया था। कड़ाई से पूछताछ के दौरान तस्कर ने मॉर्निया क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर की जा रही अवैध खेती के सटीक लोकेशन की जानकारी दी, जिसके आधार पर यह बड़ी कार्रवाई संभव हो सकी। अभियान के दौरान घटनास्थल से 10 डिलीवरी पाइप बरामद किए गए, जिन्हें मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। पुलिस द्वारा अवैध रूप से अफीम की खेती में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान एवं सत्यापन किया जा रहा है। दोषियों की पहचान होते ही उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।अभियान में शामिल अधिकारी एवं बल संयुक्त अभियान में एसडीपीओ बरही अजीत कुमार बिमल, थाना प्रभारी चौपारण सरोज सिंह चौधरी, एसआई दिव्य प्रकाश, एएसआई बादल महतो, एएसआई कमरुद्दीन, सशस्त्र बल के जवान तथा वन विभाग से बनपाल सरवन कुमार एवं संटू कुमार शामिल रहे।

चौपारण में भीषण सड़क हादसा, ब्रेजा कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड अंतर्गत चतरा मोड़ मुख्य मार्ग, रानीक मोड़ के समीप गुरुवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान पाण्डेयबारा पंचायत के नारायणा गांव निवासी संजीत कुमार साव (36 वर्ष), पिता अशोक साव के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संजीत कुमार साव अपने साले को चौपारण चतरा मोड़ पर छोड़ने के बाद बाइक से बीघा बाजार की ओर जा रहे थे। इसी क्रम में रानीक मोड़ के पास सामने से आ रही ब्रेजा कार से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि संजीत कुमार के सिर में गंभीर चोट लग गई और अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चौपारण पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांचोपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया तथा पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। अस्पताल पहुंचकर पाण्डेयबारा पंचायत की मुखिया रेखा देवी, समाजसेवी गौरी साव सहित अन्य गणमान्य लोगों ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। समाजसेवी गौरी साव ने बताया कि संजीत कुमार साव परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे और उनके तीन छोटे बच्चे हैं। उनकी असामयिक मृत्यु से परिवार पर आर्थिक व मानसिक संकट का पहाड़ टूट पड़ा है। इधर, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

चौपारण में बीओआई सीएसपी संचालकों ने किया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) के सीएसपी (कस्टमर सर्विस प्वाइंट) संचालकों ने सोमवार को अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर बैंक शाखा के समक्ष शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। इस दौरान संचालकों ने बैंक प्रबंधन के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से वे कई व्यावहारिक समस्याओं से जूझ रहे हैं, लेकिन अब तक उनका समुचित समाधान नहीं हो पाया है। प्रदर्शन कर रहे संचालकों ने बताया कि तकनीकी समस्याएं, भुगतान में विलंब, कमीशन भुगतान की अनियमितता सहित अन्य मुद्दों के कारण उनका कार्य प्रभावित हो रहा है, जिससे ग्राहकों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने बैंक प्रबंधन से इन समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। संचालकों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक पहल नहीं की गई, तो वे चरणबद्ध आंदोलन को और तेज करने को मजबूर होंगे। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में संचालक उपस्थित रहे। हालांकि पूरा आंदोलन शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से संपन्न हुआ।

हजारीबाग में भाजपा समर्थित महापौर प्रत्याशी सुदेश चन्द्रवंशी का संकल्प पत्र विमोचित

योजनाबद्ध विकास की ठोस रूपरेखा से बदलेगा शहर का स्वरूप : मनोज यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : विधायक जनसेवा कार्यालय परिसर में भाजपा समर्थित महापौर प्रत्याशी सुदेश कुमार चन्द्रवंशी के समर्थन में संकल्प पत्र का विधिवत विमोचन किया गया। यह संकल्प पत्र हजारीबाग को स्वच्छ, सुरक्षित, सुव्यवस्थित और आधुनिक नगर बनाने की दिशा में एक व्यापक एवं दूरदर्शी पहल है, जिसमें नगर विकास के सभी महत्वपूर्ण आयामों को शामिल किया गया है। संकल्प पत्र में हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र के विकास हेतु निम्नलिखित प्रमुख संकल्प शामिल हैं: अत्याधुनिक गौशाला का निर्माण, जिसमें गोवंशों की देखभाल, आवास और उपचार की व्यवस्था होगी। व्यावसायिक केंद्रों में बिजली, सड़क, शौचालय और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता। डेली मार्केट का आधुनिकीकरण, पिंक टॉयलेट, स्वच्छ पेयजल और आधुनिक जलनिकासी व्यवस्था। हर घर स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने हेतु जल व्यवस्था सुदृढ़ करना, कुओं व तालाबों का संरक्षण तथा नए चापाकल की स्थापना। प्रत्येक वार्ड में सामुदायिक शौचालय, पिंक टॉयलेट, वेंडर प्वाइंट और आधुनिक बस स्टैंड का निर्माण। बढ़ते वाहनों को देखते हुए उपयुक्त स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था। आधुनिक मशीनों और तकनीक से नगर निगम क्षेत्र को कचरा मुक्त बनाना। नए पार्कों का निर्माण और पुराने पर्यटन स्थलों का जीर्णोद्धार व विकास। डंपिंग ग्राउंड का निर्माण तथा वार्डों में सीसीटीवी कैमरा और हाईमास्ट लाइट की स्थापना। पूरे नगर निगम क्षेत्र में सीसीटीवी निगरानी से सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करना। युवाओं के लिए मिनी स्टेडियम और खेल संरचना का विकास व आधुनिकीकरण। छात्रों हेतु निःशुल्क आधुनिक पुस्तकालय का निर्माण। सभी वार्डों में वार्ड कार्यालय स्थापित कर स्थानीय स्तर पर समस्या समाधान व्यवस्था। नियमित सफाई व्यवस्था, स्वास्थ्य शिविर, पशु व मानव टीकाकरण तथा स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार। फुटपाथ दुकानदारों के लिए सुव्यवस्थित स्थान और व्यवस्था। आधुनिक मांस मछली मंडी केंद्र का निर्माण। सभी वार्डों में सड़क, नाली और नल-जल सहित मूलभूत सुविधाओं का विस्तार। प्रत्येक वार्ड के गणमान्य नागरिकों की समिति बनाकर विकास योजना तैयार करना। आधुनिक डंप यार्ड के माध्यम से वैज्ञानिक कचरा निष्पादन व्यवस्था। प्रमुख चौक-चौराहों का चौड़ीकरण, सौंदर्यीकरण और ट्रैफिक सिस्टम का आधुनिकीकरण। जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र और कर वसूली हेतु सिंगल विंडो सिस्टम लागू करना।

संक्षिप्त खबरें

बीडीओ पर धमकी देने का आरोप, सीसीटीवी फुटेज की मांग

चलकुशा : प्रखंड की बीडीओ अमृता सिंह इन दिनों अपने कार्यों को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच एक नया विवाद सामने आया है। आरोप है कि बीडीओ ने दैनिक भास्कर के अंचल(संवाददाता विक्रम सिंह के पिता भोला सिंह को 11 फरवरी 2026 को दोपहर 12:40 से 1:20 बजे के बीच अपने कार्यालय में बुलाया और कथित रूप से उन्हें धमकी दी।भोला सिंह का आरोप है कि बीडीओ ने उनसे कहा कि वे अपने बेटे को समझा लें, अन्यथा उसके खिलाफ केस दर्ज कर दिया जाएगा। साथ ही यह भी कहा गया कि दुकान चलाना भी मुश्किल कर दिया जाएगा। इस घटना के बाद पत्रकार विक्रम सिंह ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत बीडीओ कार्यालय में उक्त समयावधि का सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सार्वजनिक हो सके। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में क्या रुख अपनाता है और क्या संबंधित समय का सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराया जाता है या नहीं। मामले ने स्थानीय स्तर पर चर्चा को तेज कर दिया है।

चलकुशा में आम हड़ताल एवं प्रतिवाद मार्च सफल, मजदूरों ने लेबर कोड को नकारा

चलकुशा : में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित 4 लेबर कोड (श्रम संहिताओं) को मजदूर विरोधी फरमान करार देते हुए। भाकपा माले के बैनर तले आम हड़ताल एवं प्रतिवाद मार्च प्रखंड सचिव अशोक चौधरी के नेतृत्व में किया। चार लेबर कोड रद करो, मजदूरों का शोषण बंद करो, मनरेगा कानून की गारंटी करो, बिजली तथा बीज बिल 2025 वापस लो, भारत अमेरिका कृषि व्यापार समझौता रद करो, श्रम कानून वापस लो, आंगनबाड़ी रसोईया सहिया जलसहिया को न्यूनतम मजदूरी और सरकारी कर्मी का दर्जा दो। आदि मांगों के साथ राष्ट्रीय आम हड़ताल एवं प्रतिवाद मार्च किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से एपवा प्रदेश अध्यक्ष सह चलकुशा जिला परिषद सदस्या सविता सिंह प्रखंड कमेटी सदस्य नईम अंसारी रामप्रसाद राम हिदायत अंसारी बाबू जान मियां सुलेमान अंसारी शरीफ अंसारी लक्ष्मण दास हिदायत अंसारी कौशल्या देवी गीता देवी मोहनी खातून समेत किसान मजदूर एवं महिलाएं शामिल थे।

एनडीपीएस मामले में बड़ी कार्रवाई : लंबे समय से फरार दुलार सिंह गिरफ्तार

चौपारण : चौपारण थाना कांड संख्या 48/25 (दिनांक 19 फरवरी 2025) अंतर्गत धारा 17(सी)/18(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले में नामजद अभियुक्त दुलार सिंह (पिता स्व. चिंतामन सिंह, ग्रामझमॉर्निया) को चौपारण पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी दुलार सिंह अवैध रूप से अफीम की खेती करने एवं करवाने के नेटवर्क में सक्रिय रूप से संलिप्त रहा है। वह चौपारण थाना क्षेत्र के अन्य मामलों में भी वांछित था और लंबे समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी को पुलिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। गिरफ्तारी के पश्चात आरोपी से आवश्यक पूछताछ कर कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई, जिसके बाद उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले से जुड़े अन्य आरोपियों और नेटवर्क की कड़ियों की तलाश तेज कर दी गई है। जल्द ही और भी गिरफ्तारियां संभव हैं।

महाशिवरात्रि पर बरही में भव्य झांकी व शोभायात्रा ब्रह्मा कुमारियों ने दिया आत्म-जागृति का संदेश

बरही : तिलैया रोड केशरी धर्मशाला स्थित स्थानीय सेवाकेंद्र प्रजापिता ब्रह्मकुमारीज संस्थान की ओर से महाशिवरात्रि के अवसर पर बरही में भव्य झांकी एवं शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा मुख्य मार्ग तिलैया रोड, धनबाद रोड, हजारीबाग रोड और गया रोड से होकर निकली, वहीं भगवान शिव, देवी पार्वती और गणेश जी की मनमोहक झांकी, आध्यात्मिक संदेशों से सुसज्जित रथ आकर्षण का केंद्र रही।इस अवसर पर केंद्र संचालिका ब्रह्म कुमारी वीणा बहन ने बताया कि महाशिवरात्रि का पर्व इसलिए मनाते हैं क्योंकि इसी दिन निराकार परमात्मा शिव का अवतरण हुआ था, जो आत्माओं को ज्ञान, शांति और पवित्रता का मार्ग दिखाते हैं। इस अवसर पर राजयोग ध्यान का अभ्यास भी कराया गया। मौके पर राजदेव यादव, किरण देवी, स्नेह देवी, ज्योति देवी, गीता देवी, दीपा माता, शिला माता, एवं अन्य सभी शामिल हुए लोगो को आंतरिक शांति, सकारात्मक सोच और आध्यात्मिक जागरूकता का संदेश दिया गया। महाशिवरात्रि केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आत्म-जागृति का पर्व है।

मॉरीशस के पूर्व उप प्रधानमंत्री की बेटी दामाद अपने पैतृक गांव सिमरातरी पहुंचे, भव्य स्वागत

बड़कागांव : मॉरीशस के पूर्व उप प्रधानमंत्री डॉ हरीश बुद्धू के बेटी 50 वर्षीय सचिता बुद्धू अपने पति 55 वर्षीय अजय बंधु के साथ स्वदेश अपने पैतृक गांव बड़कागांव प्रखंड के सिमरातरी गांव पहुंची। रांची एयरपोर्ट पहुंचने पर उनके पैतृक गांव एवं झारखंड वासियों ने भव्य स्वागत किया। अजय पेसे से ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र चलाते हैं वहीं सचीता अधिकारी हैं वहीं हरीश बुद्धू इन दिनों लेखन का कार्य कर रहे हैं कई किताबें भी लिख चुके हैं। मॉरीशस के तत्कालीन उप प्रधानमंत्री हरीश बुद्धू ने भारत सरकार राजीव गांधी से अपील की और अपनी पूर्वजों को ढूंढ निकालने के लिए उनकी मदद मांगी। मदद मिलने के पश्चात उन्होंने बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव से भी मदद मांगी और हरीश बुद्धू को उनका 200 वर्ष पुराना परिवार मिल गया जिसे खुशी का ठिकाना नहीं था। और हरीश बुद्धू ने अपने गांव की मिट्टी की महत्व को समझा ललाट से लगा गौरवान्वित हुआ था। 35 वर्षों के बाद हरीश बुद्धू के बेटी दामाद सिमरातरी गांव में आगमन होने से गांव में उत्साह का माहौल देखा गया। लोगों के आगमन के लिए सिमरातरी गांव निवासी वंशज राम लखन महतो एवं उनके पुत्र दिलीप कुमार का सराहनीय प्रयास रहा। मौके पर सचिता बुद्धू ने कहा कि जितना सम्मान मुझे गांव वालों ने दिया है इस सामान को मैं कभी भी भूल नहीं सकती हूं, मैं आप लोगों से मॉरीशस आने का नेवता देती हूं। आप लोग मॉरीशस आइए हमें अच्छा लगेगा। कुशवाहा समाज अध्यक्ष सोहनलाल मेहता ने कहा कि हरीश जी जब 1991 में आए थे ,तब गांव के विकास के लिए एक ट्रस्ट बना कर गए थे। और बेटियों को शिक्षा के प्रति जागरुक कर गए।इसके बाद बड़कागांव पूर्व प्रमुख गुरुदयाल महतो ने डॉ हरीश बुद्धू की प्रेरणा से बालिका उच्च विद्यालय की स्थापना की थी। सचिता एवं अजय का 5 दिन प्रवास में दोनों अपने पैतृक गांव आए हैं झारखंड के कई धार्मिक स्थान एवं पर्यटन स्थल का भ्रमण करेंगे।

एक नजर

हड़ताल से एचईसी में उत्पादन पर पड़ा असर : भवन सिंह

रांची : देशव्यापी हड़ताल के तहत हटिया मजदूर यूनियन (सीटू) की ओर से हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचईसी) मुख्यालय के समक्ष गुरूवार को जमकर धरना प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने कहा कि एचईसी में आंशिक हड़ताल होने के बावजूद कामकाज प्रभावित हुआ। उत्पादन पर भी इसका असर पडा है। उन्होंने कहा कि बार-बार कहने के बाद भी एचईसी प्रबंधन अपनी मनमानी पर उतर आया है। लंबे समय से वेतन भुगतान देने सहित अन्य मांगों को अबतक पूरा नहीं किया गया है। मजदूर कर्मियों की आर्थिक स्थिति बद से बदत्तर हो चुकी है। उन्होंने एचईसी प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रबंधन ने पूरे समय गेट खुला रखकर सिर्फ हाजिरी बनाओ की नीति अपनाई है। जिससे हड़ताल की एकजुटता प्रभावित हुई। बावजूद इसके बड़ी संख्या में एचईसी मजदूर कर्मियों ने कर्मियों के हित में फिक्स्ड टर्म नियुक्ति समाप्त करने, सार्वजनिक क्षेत्र को पैकेज देने, उद्योगों की बिक्री पर रोक लगाने, एचईसी को बैंक गारंटी देने और आधुनिकीकरण की मांग उठाई । भवन सिंह ने कहा कि इंटक और हटिया कामगार यूनियन एटक में प्रचार किया गया, जिससे एचईसी में हड़ताल आंशिक रह गई। उन्होंने कहा कि यदि तीनों राष्ट्रीय श्रमिक संगठनों ने संयुक्त रूप से प्रचार-प्रसार किया होता तो हड़ताल पूरी तरह सफल होती। बावजूद इसके उत्पादन पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा। प्रर्दशन करने के दौरान मुख्य रूप से भवन सिंह के अलावे यूनियन के सदस्य पदाधिकारी सहित बडी संख्या में एचईसी मजदूर कर्मी मौजूद थे।

झारखंड के कई जिलों में बढा दो डिग्री अधिकतम तापमान, न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज

रांची : राज्य के कई जिलों में अधिकतम तापमान में 01 से 02 डिग्री तक तापमान में वृद्धि हुई है। इन दिनों राज्य में दिन में हल्की गर्मी, जबकि रात में ठंड का अनुभव हो रहा है। य?ह जानकारी मौसम विभाग ने गुरुवार को दी। विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण निम्न दबाव की स्थिति पंजाब और इससे सटे उत्तरी पाकिस्तान में बना है। साथ ही एक अन्य निम्न दबाव का क्षेत्र दक्षिणी-पश्चिमी राजस्थान और आसपास के इलाकों में बना हुआ है। आनेवाले दिनों में इसका असर झारखंड सहित अन्य राज?यों पर दिखाई देगा। विभाग के अनुसार रांची और जमशेदपुर में मंगलवार की तुलना में गुरुवार को दो डिग्री, बोकारो में दो डिग्री और चाईबासा में एक डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई। यह सामान्य से एक से पांच डिग्री अधिक है। वहीं इस दौरान न्यूनतम तापमान सामान्य से एक से दो डिग्री कम रिकॉर्ड किया गया। विभाग के अनुसार राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 32 डिग्री और सबसे कम तापमान गुमला 5 .5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहा और मध्यम दर्जे की हवा चली। इससे गर्मी का एहसास नहीं हुआ। वहीं, गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 25 .4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 .8 डिग्री, जमशेदपुर में 29 .4 और न्यूनतम तापमान 13 .6 डिग्री, डालटेनगंज में अधिकतम 29 .8 डिग्री और 7 .7 डिग्री, बोकारो में 29 .2 और 9 .6 डिग्री, चाईबासा में 32 डिग्री और 111.4 डिग्री, खूंटी में अधिकतम 26 .8 और न्यूनतम 7 .1 डिग्री, लोहरदगा में 24 .5 और न्यूनतम 7 .4 डिग्री, लातेहार में अधिकतम 22 .1 और न्यूनतम 11 डिग्री और सरायकेला में अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 .3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

एनएसएस स्वयंसेवकों की उपलब्धियां राज्य के लिए गौरव : राज्यपाल गंगवार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज लोक भवन, रांची में आयोजित एनएसएस के उत्कृष्ट स्वयंसेवकों से संवाद स्थापित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों की उपलब्धियाँ पूरे राज्य के लिए गौरव का विषय हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि कुछ स्वयंसेवकों को भारत की राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित होने का अवसर प्राप्त हुआ है, कुछ ने नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2026 में झारखण्ड का प्रतिनिधित्व किया तथा कुछ गणतंत्र दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह में अतिथि के रूप में सहभागी रहे। यह उनकी प्रतिबद्धता, अनुशासन और सेवा-भाव का प्रमाण है।

राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि झारखण्ड के स्वयंसेवकों को 'विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग-2026' में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त हुआ। यह न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि राज्य के लिए भी सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल मंत्र "स्वयं से पहले समाज", युवाओं को सेवा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से जोड़ता है। स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, पर्यावरण संरक्षण, ग्राम विकास, आपदा राहत एवं सामाजिक जागरूकता जैसे क्षेत्रों में एनएसएस स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका सराहनीय है। उन्होंने लोक भवन में स्वामी विवेकानन्द जी की जयंती पर आयोजित रक्तदान शिविर में स्वयंसेवकों की सहभागिता की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि गणतंत्र दिवस परेड शिविर में चयन अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने इस अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय बैंड प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले झारखण्ड के विद्यार्थियों को भी बधाई दी। विदित हो कि पाइप बैंड प्रतियोगिता (बालिका वर्ग) में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कांके तथा (बालक वर्ग) में कैराली स्कूल, सेक्टर-2 के विजेता बनने एवं ब्रास बैंड (बालक वर्ग) में संत जेवियर हाई स्कूल, लुपुंगुटू, चाईबासा द्वारा तृतीय स्थान प्राप्त करने को राज्य के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

राज्यपाल महोदय ने स्वयंसेवकों से अपेक्षा की कि यह सम्मान उनके भीतर और अधिक जिम्मेदारी की भावना उत्पन्न करे तथा वे समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाते रहें। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द जी के प्रेरक वाक्य- उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए, का उल्लेख करते हुए युवाओं को निरंतर प्रयास और उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहने का संदेश दिया।

अवैध खनन से खाली हो रहा सरकारी खजाना : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य में नदियों से अवैध रूप से बालू निकासी का मामला एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गया है। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया है कि दुमका जिले के जामा क्षेत्र में खुलेआम बालू की अवैध निकासी हो रही है और इसे ट्रकों के जरिए पश्चिम बंगाल तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की आंखों के सामने यह खेल जारी है, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बालू की चोरी पर प्रभावी रोक लगाने का सबसे सरल और पारदर्शी उपाय यह है कि बालू घाटों को मुक्त कर उनका संचालन ग्राम सभा को सौंप दिया जाए। उनका तर्क है कि यदि स्थानीय समुदाय को सीधे अधिकार दिए जाएं, तो पारदर्शिता बढ़ेगी, स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और अवैध खनन पर नियंत्रण संभव हो सकेगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी और राजस्व का लाभ गांवों तक पहुंचेगा।

नेता प्रतिपक्ष ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि बालू घाटों की नियमित नीलामी की जाए तो उससे प्राप्त राजस्व सीधे सरकारी खाते में जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अवैध तरीके से बालू की बिक्री से होने वाला लाभ सरकारी खजाने तक नहीं पहुंच रहा है। मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार की नीतियों के कारण बालू का दाम आम लोगों की पहुंच से बाहर हो गया है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए घर बनाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील करते हुए कहा कि गरीब जनता पर तरस खाएं और बालू की उपलब्धता सस्ती दरों पर सुनिश्चित करें।

आम हड़ताल के समर्थन में रांची में जोरदार प्रदर्शन, अल्बर्ट एक्का चौक जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : संयुक्त ट्रेड यूनियनों द्वारा आहूत एक दिवसीय आम हड़ताल के समर्थन में आज गुरुवार को रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर जोरदार प्रदर्शन किया गया। इसके बाद अल्बर्ट एक्का चौक से कचहरी चौक तक मार्च निकाला गया।

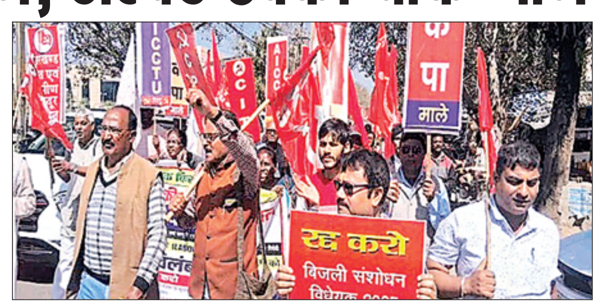

वाम, धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के संयुक्त आह्वान पर आयोजित व्यापक प्रतिवाद कार्यक्रम में प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार की मजदूर-किसान विरोधी नीतियों और भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों ने चार लेबर कोड वापस लो, अमेरिका परस्त नीति बंद करो, काला कानून वापस लो और मजदूर-किसान एकता जिंदाबाद जैसे नारे लगाए। आम लोगों के बीच करीब 5000 पर्चे वितरित कर केंद्र की नीतियों के दुष्प्रभावों को बताया गया।

प्रदर्शन में भाकपा (माले) के राज्य सचिव कॉमरेड मनोज भक्त, माकपा के कॉमरेड प्रकाश बिप्लव, भाकपा के महेंद्र पाठक के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं के साथ झारखंड जन अधिकार मंच, आदिवासी संघर्ष मोर्चा, आइसा, ऐपवा तथा एक्टू, सीटू और एटक के सैकड़ों मजदूर-किसान और युवा भी मौजूद रहे।

सभा को संबोधित करते हुए नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार श्रम कानूनों को कमजोर कर कॉरपोरेट हितों को बढ़ावा दे रही है। संयुक्त मोर्चा ने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

मत्स्य उत्पादन में झारखंड को आत्मनिर्भर बनाएं : अमरेंद्र कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आईसीएआर-केन्द्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई द्वारा मछुआरों के लिए तीन दिवसीय क्षमता संवर्धन विषयक कार्यशाला का समापन गुरुवार को हुआ। 10-12 फरवरी तक आईसीएआर-सीआइएफटी के वैज्ञानिकों द्वारा मछुआरों के क्षमता संवर्धन कार्यक्रम में मछली पालन और मत्स्य उत्पादन के लिए आधुनिकतम तकनीकों की जानकारी दी गई। आई.सी.ए.आर-केन्द्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिकों एवं तकनीकी सहयोगियों द्वारा अंर्तस्थलीय एवं जलाशय मत्स्य विकास हेतु सतत एवं जलवायु सहनशील प्रौद्योगिकियों पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य मत्स्य उत्पादन बढ़ाने, परिचालन लागत कम करने तथा पर्यावरणीय

प्रभावों को न्यूनतम करने के लिए अनुसंधान आधारित प्रयोगों पर विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुति दी गई।

गहरे जलाशयों के लिए फिश एग्रीगेटिंग डिवाइस (एफ एडी) के बारे में बताया गया, जिसमें इनके वैज्ञानिक डिजाइन, स्थापना रणनीतियों तथा गहरे और विस्तृत जल क्षेत्रों में मछलियों को एकत्रित कर प्रति इकाई प्रयास पर पकड़ बढ़ाने में उनकी भूमिका की जानकारी दी गई। सौर ऊर्जा से संचालित मत्स्य नौकाएं, विद्युत चालित मत्स्य नौकाएं, एलपीजी रेट्रोफिटेड नौकाएं तथा हाइब्रिड इलेक्ट्रिक मत्स्य नौकाओं पर प्रस्तुतियों में ईंधन दक्षता, उत्सर्जन में कमी, लागत प्रभावशीलता तथा कार्बन न्यूनीकरण के लाभों पर विशेष प्रकाश डाला गया। सत्र में पर्यावरण अनुकूल विधाओं के विकास पर चर्चा की गई। जिससे घोस्ट फिशिंग (अनियमित शिकारमाही) तथा दीर्घकालिक प्लास्टिक प्रदूषण को कम किया जा सके।

आदिवासियों की सहमति से बने घरों पर बुलडोजर चलाना अमानवीय : रानी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : घर बचाओ संघर्ष समिति की संयोजक एवं पूर्व जैक पार्षद रानी कुमारी ने राजधानी रांची के खादगढ़ा क्षेत्र में 12 घरों को तोड़े जाने की घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इसे जिला प्रशासन का अमानवीय कृत्य बताया। रानी कुमारी ने कहा कि चार-पांच दशक से रह रहे लोगों के आशियाने को अचानक ध्वस्त कर देना हिटलरशाही की याद दिलाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसएआर कोर्ट और सीएनटी एक्ट को ढाल बनाकर गैर-आदिवासी समुदाय को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने राज्य सरकार और जिला प्रशासन पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि एक ओर सादे पट्टे पर आदिवासी जमीन की खरीद-बिक्री को बढ़ावा दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर आदिवासी समुदाय की सहमति से जमीन खरीदकर घर बनाने वाले गैर-आदिवासियों पर प्रशासन का बुलडोजर चलाया जा रहा है। रानी

कुमारी ने कहा कि इस मामले में लोकपाल और मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय में लंबित अवमानना मामले की आड़ में पुश्तैनी घरों को अकस्मात ध्वस्त कर देना उचित नहीं है। उन्होंने राज्य सरकार और न्यायपालिका से संयुक्त रूप से समाधान निकालने की अपील करते हुए कहा कि रांची शहर में आदिवासियों की सहमति से जमीन खरीदकर बड़ी संख्या में गैर-आदिवासी परिवारों ने जीवनभर की कमाई लगाकर अपने घर बनाए हैं।

फिल्में समाज को दिशा देने का सशक्त माध्यम : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज ऑड्रे हाउस, राँची में आयोजित "CMS VATAVARAN रांची ट्रैवलिंग फिल्म फेस्टिवल" का उद्घाटन समारोह के अवसर पर कहा कि "Roots & Renewal: Indigenous Knowledge, Youth Voices, Planetary Stewardship" विषय अत्यंत सार्थक एवं समयानुकूल है। उन्होंने कहा कि अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए ही हम पृथ्वी के भविष्य को सुरक्षित रख सकते हैं तथा पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप देना समय की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने कहा कि फिल्में केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का सशक्त साधन हैं। दृश्य-श्रव्य माध्यम का प्रभाव अत्यंत गहरा होता है। जब पर्यावरण जैसे गंभीर विषयों को संवेदनशीलता और रचनात्मकता के साथ प्रस्तुत किया जाता है, तो वे समाज के मन-मस्तिष्क पर स्थायी प्रभाव छोड़ते हैं। उन्होंने झारखण्ड की जनजातीय परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यहाँ की जीवन-पद्धति प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है। जैव-विविधता के संरक्षण की भावना हमारी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा रही है। इन परंपरागत ज्ञान प्रणालियों का संरक्षण एवं प्रलेखन आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी उनसे प्रेरणा ले सकें।

राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। राज्य का बड़ा भू-भाग वनाच्छादित है, जो पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही खनिज संपदा भी राज्य की अर्थव्यवस्था का एक आधार है। ऐसे में विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। सतत विकास की अवधारणा इसी संतुलन पर आधारित है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा "Mission LiFE – Lifestyle for Environment" के माध्यम से प्रत्येक नागरिक को पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया है। "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" का मंत्र सतत विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनें। उन्होंने इस आयोजन से जुड़े सभी आयोजकों, सहयोगी संस्थानों एवं प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह फिल्म फेस्टिवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जन-जागरूकता का प्रभावी मंच सिद्ध होगा।

संक्षिप्त खबरें

सीयूजे के गर्ल्स हॉस्टल का औचक निरीक्षण मेस प्रबंधन को कुलपति ने दी चेतावनी

रांची : झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रो. सारंग मेढेकर ने गुरुवार को गर्ल्स हॉस्टल का औचक निरीक्षण कर मेस और छात्रावास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पिछले कई दिनों से छात्र-छात्राएं मेस प्रबंधन, भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई को लेकर शिकायत कर रहे थे। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कुलपति ने बिना पूर्व सूचना के निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान कुलपति प्रो. मेढेकर और कुलसचिव के.के. राव सीधे मेस परिसर पहुंचे। उन्होंने लाइन में खड़े छात्रों के बीच जाकर दोपहर के भोजन का स्वाद लिया और भोजन की गुणवत्ता, परोसने की व्यवस्था और स्वच्छता की जांच की। छात्राओं से बातचीत में यह सामने आया कि कई बार निर्धारित मेन्यू के अनुरूप भोजन उपलब्ध नहीं कराया जाता और गुणवत्ता में भी कमी देखी जाती है। मामले को गंभीर मानते हुए कुलपति ने मेस प्रबंधक को कड़ी चेतावनी देते हुए मेन्यू का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि भोजन की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। साथ ही निगरानी समिति को नियमित निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, ताकि भविष्य में शिकायतों की पुनरावृत्ति न हो। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों के स्वास्थ्य और हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। छात्रों के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने वार्डन और मेस प्रबंधन को जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

सुखदेव नगर पुलिस ने किया ब्राउन शुगर के साथ दो युवकों को गिरफ्तार

रांची : सुखदेव नगर थाना की पुलिस ने दो युवकों को को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवकों का नाम सोनू यादव और अजय यादव है। पुलिस को गुप्त जानकारी मिली थी कि दोनों सासाराम से ब्राउन शुगर लेकर बस में रांची आ रहे हैं। फिर कांटाटोली से न्यू मार्केट ऑटो स्टैंड के पास आने वाले हैं। मामले की जानकारी मिलने के बाद छापेमारी की गई। गिरफ्तार युवकों के पास से पुलिस ने 17 .34 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया। पुलिस की पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे एक दिन पहले ट्रेन से सासाराम गये थे और सासाराम से बबन साह और सूरज साह से ब्राउन शुगर खरीद कर बस से रांची लौट हैं। फिर ऑटो से आनंदपुरी चौक, छठ घाट, हरमू नदी, विद्यानगर (सुखदेवनगर) स्थित घर जा रहे थे।

हज यात्रियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रांची : राजधानी रांची स्थित हज हाउस में हज यात्रियों आजमीन-ए-हज के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें आगामी हज यात्रा की तैयारियों को लेकर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य यात्रियों को यात्रा से पूर्व आवश्यक प्रक्रियाओं, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों, आवागमन, आवास व्यवस्था तथा मक्का और मदीना में इबादत के तौर-तरीकों की समुचित जानकारी उपलब्ध कराना था, ताकि वे पूरी तैयारी और समझ के साथ पवित्र यात्रा पर प्रस्थान कर सकें। विशेषज्ञ टीम ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से हज यात्रा के विभिन्न चरणों को क्रमवार समझाया। इसमें एहराम की प्रक्रिया, तवाफ, सई, अराफात में वुकूफ, मुजदलिफा और मिना में रुकने की व्यवस्थाओं सहित सऊदी अरब में निर्धारित नियमों और अनुशासन का पालन करने पर विशेष बल दिया गया। यात्रियों को आवश्यक दिशा-निर्देश और संपर्क संबंधी जानकारी भी उपलब्ध कराई गई, ताकि किसी भी आपात स्थिति में वे संबंधित अधिकारियों से तुरंत संपर्क कर सकें। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री सह हज कमेटी के चेयरमैन डॉ अंसारी ने उपस्थित हज यात्रियों को संबोधित करते हुए राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि हज एक पवित्र और आध्यात्मिक यात्रा है, जिसे सुगम, सुरक्षित और सम्मानजनक बनाना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि झारखंड से जाने वाले सभी हाजियों को बेहतर सुविधाएं मिलें और उन्हें किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार के कार्यकाल में हज यात्रियों की सुविधाओं में कमी आई है तथा अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखाई दे रही है। उन्होंने बताया कि पूर्व में कांग्रेस सरकार के प्रयासों से रांची से जद्दा के लिए सीधी उड़ान की व्यवस्था थी, जिससे राज्य के हाजियों को बड़ी राहत मिलती थी, लेकिन बाद में यह सेवा बंद कर दी गई। इसके कारण अब झारखंड के हज यात्रियों को कोलकाता से यात्रा करनी पड़ रही है, जिससे समय, धन और श्रम तीनों की अतिरिक्त लागत वहन करनी पड़ती है। डॉ अंसारी ने नए नियमों के तहत अनिवार्य की गई 11 महंगी चिकित्सीय जांचों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने सभी सिविल सर्जनों को निर्देश जारी कर दिया है कि हज पर जाने वाले सभी यात्रियों की स्वास्थ्य जांच नि:शुल्क सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी हाजी से चिकित्सा परीक्षण के नाम पर अनावश्यक शुल्क नहीं लिया जाएगा और यदि ऐसी शिकायत मिलती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी करना नहीं, बल्कि हज यात्रियों की सेवा और उनकी सेहत की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने हाजियों से अपील की कि वे पवित्र यात्रा के दौरान अपने साथ-साथ झारखंड और पूरे देश में अमन, चैन और शांति के लिए दुआ करें। कार्यक्रम के अंत में यात्रियों ने विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों और अधिकारियों ने विस्तार से उत्तर दिया।

एक नजर

कोनजोबा पंचायत में युवा सभा का आयोजन योजनाओं और स्वरोजगार पर हुई चर्चा

केरसई : प्रखण्ड अंतर्गत कोनजोबा पंचायत में दिनांक 12/02/2026 को युवा सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के स्वागत एवं परिचय के साथ हुई। सभा में कोनजोबा पंचायत के मुखिया मुनस खेस, पंचायत सचिव, पेन आईआईटी के जिला कॉर्डिनेटर, वार्ड सदस्य असरानी जी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मंच संचालन कुरडेग के हब मैनेजर निशि जी ने किया। मंच संचालन के दौरान निशि जी ने युवा सभा, महिला सभा और बाल सभा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की सक्रिय भागीदारी बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए अलग से युवा सभा का आयोजन होना चाहिए, ताकि वे खुले मंच पर अपनी समस्याएं, सुझाव और योजनाएं रख सकें। सभा के दौरान छह युवाओं ने मंच पर आकर अपने विचार भी व्यक्त किए। केरसई हब मैनेजर रश्मि केरकेट्टा ने ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया फाउंडेशन की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि संस्था सोलर ग्रिड, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वरोजगार, कृषि तथा वाह हब के माध्यम से युवाओं को विभिन्न प्रकार के कौशल विकास, स्किलिंग, उद्यमिता प्रशिक्षण और जागरूकता प्रदान कर रही है। साथ ही युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित और सहयोग भी किया जा रहा है।

डीवीसी केटीपीएस बॉझेडीह पावर प्लांट सुबह 6 बजे से ठप, मजदूरों ने किया जोरदार प्रदर्शन

कोडरमा : जयनगर प्रखंड अंतर्गत डीवीसी केटीपीएस बॉझेडीह कोडरमा पावर प्लांट में देशव्यापी आम हड़ताल के समर्थन में मजदूरों ने बुधवार सुबह 6 बजे से ही कामकाज पूरी तरह ठप कर दिया। इंटक के नेतृत्व में मजदूरों ने डीवीसी के मुख्य गेट पर धरना-प्रदर्शन करते हुए सरकार विरोधी नारे लगाए। मजदूरों ने चार लेबर कोड कानून वापस लेने, इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड, काम, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य कोड तथा सोशल सिक्योरिटी कोड को रद्द करने की मांग की। साथ ही मजदूरों पर हमला करना बंद करो और डीवीसी व ठिकेदारों की मनमानी नहीं चलेगी जैसे नारों से प्रदर्शन स्थल गूंज उठा। प्रदर्शन का नेतृत्व जिला सचिव विजय पासवान एवं एटक जिला अध्यक्ष विनोद पासवान ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऐक्टू जिला सचिव विजय पासवान ने की, जबकि संचालन एटक कोषाध्यक्ष दशरथ पासवान ने किया। सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक ने कहा कि देशव्यापी आम हड़ताल के समर्थन में डीवीसी केटीपीएस के मजदूर सुबह 6 बजे से ही काम बंद कर अपनी लड़ाई को मजबूत कर रहे हैं।

देशव्यापी हड़ताल से सतगावां ठप

कोडरमा : सतगावां प्रखंड में देशव्यापी हड़ताल और ह्यभारत बंदह्न का असर गुरुवार को स्पष्ट रूप से देखने को मिला। केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में 10 से अधिक केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा बुलाए गए बंद के समर्थन में बैंकिंग सेवाएं और स्थानीय व्यापार पूरी तरह प्रभावित रहे। प्रखंड स्थित बैंक ऑफ इंडिया की सतगावां एवं बासोडीह शाखाएं पूरे दिन बंद रहीं। हड़ताल में केवल बैंक कर्मियों ने ही नहीं, बल्कि बैंक बीसी (बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट) यूनियन ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। प्रखंड के सभी बीसी केंद्रों पर ताले लटके रहे, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में लेन-देन और अन्य वित्तीय सेवाएं पूरी तरह ठप हो गईं। इससे आम लोगों को नकद निकासी, जमा और अन्य बैंकिंग कार्यों में भारी परेशानी उठानी पड़ी। आंदोलनकारी संगठनों का कहना है कि यह लड़ाई कामगारों और किसानों के अस्तित्व से जुड़ी है।

कोलेबिरा में 8.85 लाख की चोरी का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : यह काण्ड वादी विभूती प्रसाद पे० स्व० कृष्ण देव केवट साकिन+थाना- कोलेबिरा, जिला- सिमडेगा के लिखित आवेदन के आधार पर विरुद्ध अज्ञात अपराधकर्मियों के द्वारा उनके घर का ताला तोड़कर घर के अन्दर रखे अलमीरा का ताला तोड़कर 1,85,000 रू0 नगद एवं करीब 07 (सात) लाख रूपया का जेवरात चोरी कर लेने के आरोप में प्रतिवेदित हुआ है। काण्ड का सारांश यह है कि, वादी अपने भाई के साथ सपरिवार दिनांक 18.01.2026 को रात्रि- 08.00 बजे घर पर ताला लगाकर बाढ़ (बिहार) गये थे। दिनांक- 20.01.2026 को सुबह 03.00 बजे जब अपने घर को लौटे तो देखे कि मकान के ग्रील का ताला टूटा हुआ है। मकान में अन्दर सभी रूम का ताला भी टूटा एवं सामान बिखरा पड़ा है। अलमारी में रखा नगद 1,85,000/- रूपया एवं करीब 07 (सात लाख) का जेवरात (एक सोना का हार, एक सोना का चौन, एक जोड़ा कान का झुमका एवं मांगटिका, एक बजरंगबली का लॉकेट, चार सोने का चाँनद, छः चाँदी का पायल) की चोरी अज्ञात अपराधकर्मियों के द्वारा कर ली गई है। काण्ड का उद्वेदन हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय, सिमडेगा के निर्देशन में अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, महोदय, सिमडेगा के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक महोदय, बानो अंचल, थाना प्रभारी कोलेबिरा पु0अ0नि0 हर्ष कुमार साह, पु0अ0नि0 बनबिहारी कुमार एवं सशस्त्र बल के साथ एक टीम गठित किया गया। पुलिस अधीक्षक महोदय सिमडेगा के तकनिकी शाखा के सहयोग से घटनास्थल का कॉल डम्प एवं सीसीटीवी फुटेज प्राप्त कर काण्ड में संलिप्त अज्ञात अपराधकर्मी के विरूद्ध छापामारी किया गया। गठित टीम द्वारा इस घटना में संलिप्त एक अप्राथमिकी अभियुक्त झल्लू राय पे० सुरेश राय साकिन मल्लीपुर, थाना राघोपुर, जिला वैशाली (बिहार) को दिनांक - 11.02.2026 को चोरी किये गये कुछ सामानों के साथ गिरफ्तार किया गया। बरामद समान की अनुमानित कीमत करीब 5,00,000 (पाँच लाख) रूपया होगी। इस घटना में संलिप्त अन्य अन्तराजीय अपराधकमीयों के विरूद्ध छापामारी की जा रही है एवं सूचना एकत्रित कर पूर्ण उद्वेदन हेतु कार्रवाई जारी है। छापामारी दल में शामिल पदाधिकारी बैजू उराँव (अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, सिमडेगा), ई०जी० बागे (पुलिस निरीक्षक, बानो अंचल), हर्ष कुमार साह थाना प्रभारी कोलेबिरा, बनबिहारी कुमार (पु0अ0नि0 कोलेबिरा थाना),सशस्त्र बल के जवान (कोलेबिरा थाना), पुलिस अधीक्षक महोदय कार्यालय तकनीकी शाखा में प्रतिनियुक्त पुलिसकर्मी शामिल थे।

चलती ट्रेन में 55 लीटर महुआ शराब जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा ; कोडरमा के निर्देशन में गठित टास्क टीम ने 13553 अप आसनसोलझ्वाराणसी पैसेंजर ट्रेन में बड़ी कार्रवाई करते हुए 55 लीटर प्रतिबंधित देशी महुआ शराब जब्त की है। कार्रवाई गझंडीझ्गुरपा स्टेशन के मध्य, नाथगंज ब्लॉक हाल्ट के समीप की गई ।उप निरीक्षक जितेन्द्र कुमार के नेतृत्व में टीम प्रतिबंधित सामानों की जांच कर रही थी। इसी दौरान दो व्यक्ति बोरे के साथ संदिग्ध अवस्था में पाए गए। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम (1) राजेश पासवान (32 वर्ष), थाना- टनकुप्पा, जिला- गया (बिहार) तथा (2) राकेश कुमार (28 वर्ष), थाना- फतेहपुर, जिला- गया (बिहार) बताया ।जांच के दौरान दोनों के कब्जे से कुल 55 लीटर देशी महुआ शराब बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 5,500 रुपये बताई गई है। आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे बेरोजगारी के कारण शराब को बिहार ले जाकर अधिक कीमत पर बेचने की योजना बना रहे थे ।मौके पर ही जप्ती सूची तैयार कर शराब को जब्त किया गया तथा दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट, कोडरमा लाया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बाद गिरफ्तार व्यक्तियों एवं जब्त शराब को उत्पाद विभाग, कोडरमा को सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

कोडरमा में नकली शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ दो गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : अवैध शराब निर्माण एवं तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत कोडरमा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चंदवारा थाना क्षेत्र के भुईंया टोली स्थित एक बंद पड़े मुर्गी फार्म में संचालित नकली शराब फैक्ट्री का पदार्फाश किया है। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में तैयार नकली शराब, स्प्रिट, विभिन्न ब्रांड के रैपर, लेबल, ढक्कन, बारकोड स्टीकर एवं रासायनिक पदार्थ बरामद किए गए। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य सरगना सहित अन्य आरोपी फरार हो गए। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह के निर्देश पर थाना प्रभारी शशिभूषण कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की। पुलिस को देखकर कुछ लोग भागने लगे, जिनमें से दो को खदेड़कर पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कन्हैया कुमार (30 वर्ष, पटना) एवं गोपाल सिंह (50 वर्ष, गया) के रूप में हुई है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि पियुष कुमार पाण्डेय एवं उसके भाई आयुष कुमार पाण्डेय इस अवैध शराब फैक्ट्री का संचालन कर रहे थे। गिरोह में कई अन्य स्थानीय लोग भी शामिल हैं। पुलिस ने घटनास्थल से 191.2 लीटर नकली शराब (कुल अनुमानित मूल्य 1,30,016 रुपये), 120 लीटर स्प्रिट, 455 खाली बोतलें, 4590 ढक्कन, 11 रोल लेबल, 82 इम्पीरियल ब्लू स्टीकर शीट, 432 बारकोड स्टीकर, रासायनिक पदार्थ, 6 पानी के गैलन, एक स्विफ्ट डिजायर कार (BR01FL6469) एवं दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं। इस संबंध में चंदवारा थाना कांड संख्या 13/26, दिनांक 11.02.2026 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है तथा पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पहचान की जा रही है। कोडरमा पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

मरकच्चो में डीसी और डीडीसी ने मैराथन का किया निरीक्षण, स्वास्थ्य-कृषि योजनाओं की समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : मरकच्चो प्रखंड अंतर्गत स्वास्थ्य, कृषि, आंगनवाड़ी, एवं जेएसएल पी एस का निरीक्षण उपायुक्त कोडरमा ऋतुराज एवं उप विकास आयुक्त कोडरमा रवि जैन के द्वारा संयुक्त रूप से गुरुवार को किया गया। जानकारी हो मरकच्चो प्रखंड में आकांक्षी संपूर्णता 2-0 का कार्य प्रारंभ किया जाना है। इसे लेकर उपायुक्त महोदय एवं उप विकास आयुक्त कोडरमा के द्वारा मरकचो प्रखंड के उप स्वास्थ्य केंद्र दशरो, सिमरिया, कोसडीहरा , सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मरकच्चो, बी आर सी मरकच्चो ,पचखेरो डैम एवं पंचायत भवन तेलोडीह, आंगनबाड़ी केंद्र तेलोडीह, का निरीक्षण किया गया। वहीं निरीक्षण के दौरान उप स्वास्थ्य केंद्र दशरों में ओपीडी, दवा वितरण ,इत्यादि को सुचारू रूप से चलाने को लेकर सी एच ओ और ए एन एम को कई निर्देश दिए। ग्राम सिमरिया में मुख्यमंत्री उद्योग योजना के तहत आजीविका हेतु दिए गए ऋण और सामग्री का निरीक्षण कर जानकारी लेकर बोर्ड लगाने का निर्देश दिए । वहीं ग्राम कोसडीहरा में कृषि विभाग द्वारा दिए गए गेहूं, सरसों का बीज की खेती का निरीक्षण किया गया ।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरकच्चो में बन रहे भवन को डेढ़ माह में पूर्ण करने का निर्देश दिए , साथ ही साथ विवाह भवन में रखे दवा को नए भवन पूर्ण होने पर उसे खाली करने की बात कही गई ।घरेलू हिंसा के क्षेत्र में कार्य कर रहे जीआर सी केंद्र में महिलाओं को अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करने की बात कही गई एवं जी आर सी दीदी को गाली गलौज करने वाले पर तुरंत एफ आई आर करने का निर्देश दिए ।वहीं पंचखेरो जलाशय योजना में बन रहे पीसीसी सड़क का निरीक्षण किए एवं पीसीसी रोड को पश्चिम की ओर से शुरू करते हुए कार्य प्रारंभ करने का निर्देश दिए। विवादित स्थल पर स्थल तक पहुंच कर विवाद की समस्या समाधान होने के बाद आगे बढ़ाने की बात कही गई।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं, त्वरित कार्रवाई के निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह ने समाहरणालय परिसर में आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे ग्रामीणों की समस्याएं गंभीरतापूर्वक सुनीं। उन्होंने एक-एक आवेदक को बुलाकर उनकी शिकायतों का संज्ञान लिया तथा संबंधित मामलों के त्वरित निष्पादन हेतु विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए आवेदन अग्रसारित किए। जनता दरबार में पंजी-2 में सुधार कर ऑनलाइन लगान रसीद निर्गत करने, भूमि पर अवैध कब्जा हटवाने, अंत्योदय एवं नए राशन कार्ड निर्गत करने, मैट्रिक पंजीयन पत्र, अंक प्रमाण पत्र एवं प्रवेश पत्र में संशोधन कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने तथा अबुआ आवास योजना की तृतीय किस्त जारी करने से जुड़े मामले सामने आए। इसके अतिरिक्त अवैध निर्माण पर रोक लगाने, रोजगार उपलब्ध कराने तथा भू-धारण एवं उत्तराधिकारी दाखिल-खारिज से संबंधित शिकायतें भी प्राप्त हुईं। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को मामलों की जांच कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि आमजनों को त्वरित राहत मिल सके। इस अवसर पर अपर समाहर्ता ज्ञानेन्द्र तथा जिला भू-अर्जन पदाधिकारी रवि किशोर राम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शहर की बेहतरी के लिए सेराफिनुस कुल्लू जैसे एक अनुभवी और विजनरी नेतृत्व की जरूरी है : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : टाउन थाना के ठीक सामने नगर परिषद अध्यक्ष पद के कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी सेराफिनुस कुल्लू के चुनावी कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यालय का शुभारंभ कांग्रेस जिला अध्यक्ष सह विधायक भूषण बाड़ा और महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सह जिप सदस्य जोसिमा खाखा एवं प्रत्याशी सेराफिनुस कुल्लू ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकताओं का हुजूम उमड़ पड़ा। मौके पर विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि आज इस कार्यालय का खुलना केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं, जनता की सेवा के संकल्प का नया अध्याय है। हमने हमेशा सिमडेगा की प्रगति और आपसी भाईचारे को प्राथमिकता दी है। हमारे प्रत्याशी सेराफिनुस कुल्लू एक जमीन से जुड़े व्यक्ति हैं। आप सभी कार्यकर्ता शालीनता और अनुशासन के साथ जनता के बीच जाएं और उन्हें बताएं कि नगर परिषद की बेहतरी के लिए एक अनुभवी और विजनरी नेतृत्व क्यों जरूरी है। जीत हमारी नीतियों और जनता के विश्वास की होगी। मौके पर जिप सदस्य सह सेवा दल अध्यक्ष सामरोम पौल तोपनो, जिला प्रवक्ता रणधीर रंजन, विधायक प्रतिनिधि एजाज अहमद, नगर अध्यक्ष अरशद हुसैन, विधायक प्रतिनिधि शमी आलम, शकील अहमद, रावेल लकड़ा, शीतल एक्का, सलमान खान, 20 सूत्री उपाध्यक्ष मनोज जायसवाल, उप प्रमुख सिलबेस्टर बघवार, 20 सूत्री अध्यक्ष वाल्टर टोप्पो, डा. इम्तियाज हुसैन, कौशल रोहिला, अरविंद लुगुन, साबिर खान, बिनीता आइंद, संगीता देवी, तैरस एक्का, संजय तिर्की, रतन प्रसाद, सजदा खातून, प्रतिमा कुजूर, वारिस राजा समेत सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। जिप सदस्य सह महिला जिला अध्यक्ष जोसिमा खाखा ने कहा कि नगर के विकास में महिलाओं की भूमिका सबसे अहम है। सेराफिनुस कुल्लू के रूप में हमारे पास एक ऐसा चेहरा है जो हर वर्ग की समस्याओं को समझता है। हमारी मातृशक्ति घर-घर जाकर इस बात का संदेश देगी कि शहर की साफ-सफाई, सुरक्षा और सुविधाओं के लिए कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार ही सबसे उपयुक्त हैं। हमें मर्यादित रहकर अपना पक्ष जनता के सामने मजबूती से रखना है।

संक्षिप्त खबरें

बैंक ऑफ इंडिया की अनूठी पहल, बच्चों के सपनों को मिला सीएसआर का सहारा

जलडेगा : प्रखंड के राजकीय कृत प्राथमिक विद्यालय टंगिया में बैंक ऑफ इंडिया शाखा द्वारा ग्रामीण तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अपनी समाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए विद्यालय के छोटे-छोटे सभी दो दर्जन से भी अधिक सकूली बच्चों के बीच निशुल्क स्कूल बैग तथा टॉपी प्रदान किया गया। इस दौरान शाखा प्रबंधक ने कहा कि शिक्षा एक उज्जवल भविष्य की नींव है। बैंक ऑफ इंडिया न केवल बैंकिंग सम्बंधों में विश्वास रखता है बल्कि समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा उन्होंने बच्चों को कड़ी मेहनत करने तथा देश का नाम रौशन करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान स्कूली बच्चों के बीच एक नयी उत्साह देखा गया ।इस दौरान शाखा प्रबंधक विकास कुमार,पंकज मिंज,पुनीत टोप्पो,मिनी लुगुन,धाधु बड़ाइक, संतोष मांझी, विद्यालय के प्रधानाध्यापक नवल किशोर सिंह,जोन बागे, स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष फाबियन तोपनो सहित शिक्षक शिक्षिकाए मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि महोत्सव को लेकर केतुंगा धाम न्यास समिति की बैठक संपन्न

सिमडेगा : केतुंगा धाम परिसर में आगामी महाशिवरात्रि महोत्सव की तैयारियों को लेकर केतुंगा धाम न्यास समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में महोत्सव को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं भव्य रूप से संपन्न कराने हेतु विभिन्न तकनीकी एवं व्यवस्थागत पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष सूकरा केरकेट्टा ने की, जबकि संचालन सचिव ओमप्रकाश साहू द्वारा किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर की विद्युत व्यवस्था, प्रकाश सज्जा, ध्वनि विस्तारक यंत्र, सीसीटीवी निगरानी, पेयजल आपूर्ति, यातायात नियंत्रण तथा पार्किंग व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने का निर्णय लिया गया। श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने तथा प्रशासन से समन्वय स्थापित करने पर भी सहमति बनी। समिति के सदस्यों ने बताया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर रात्रि जागरण, भजन-कीर्तन, रुद्राभिषेक एवं विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए मंच निर्माण, बैरिकेडिंग तथा आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही है। अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता और स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। वहीं श्रद्धालुओं को बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई। अंत में समिति ने सभी श्रद्धालुओं से महाशिवरात्रि महोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लेने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की। समिति ने विश्वास जताया कि आपसी सहयोग और समन्वय से इस वर्ष का महोत्सव पूर्व वर्षों की अपेक्षा अधिक भव्य और अनुशासित रूप से संपन्न होगा। मौके पर न्यास समिति के अध्यक्ष सुकरा केरकेट्टा, महासचिव ओमप्रकाश साहू तथा कोषाध्यक्ष अजित साहू के अतिरिक्त मानव धर्म रक्षक संघ के बिलखु महतो, दिलमोहन साहू, राजेंद्र बराइक, उमेश साहू, रोहित साहू, करमबीर साहू, अयोध्या सोनार, रामचंद्र साहू, प्रमोद सोनार, दिलीप पांडा, मुकेश साहू एवं पियून सिंह उपस्थित थे, उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी रविकांत मिश्रा ने दी।

पपलो गांव में 10 दिवसीय रुद्र महायज्ञ व शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा का भव्य समापन

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र के पपलो गांव में 3 फरवरी से लेकर 12 फरवरी तक चल रहे श्री श्री 1008 श्री रुद्र महायज्ञ सह शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का समापन 12 फरवरी को भव्य भंडारे के साथ किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। यज्ञ समिति के अध्यक्ष उपेंद्र यादव उपाध्यक्ष ब्रह्मदेव यादव सचिव सुधीर यादव उपसचिव व्यास कामेश्वर यादव कोषाध्यक्ष मंगल महतो सन्योयक इंद्रदेव यादव ने बताया कि दिनांक 13 फरवरी की रात्रि को बिहार के प्रसिद्ध व्यास सुदर्शन यादव एवं झारखंड के लोकप्रिय व्यास शिव शंकर यादव के बीच दुगोला कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। महायज्ञ समिति द्वारा कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। समिति के सदस्यों ने क्षेत्र वासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर दुगोला कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। कार्यक्रम को सफल बनाने में पपलो पंचायत की मुखिया चिंता देवी, दशरथ यादव उर्फ संजू यादव, हीरालाल पासवान, डॉ प्रयाग यादव, मुरारी पासवान, रामदेव पासवान, विकास यादव, दशरथ यादव, बाबूलाल महतो, भुनेश्वर यादव, महेश यादव, कन्हाई यादव, विजय यादव समेत सभी समिति के सदस्य व ग्रामीण लगे हुवे हैं।

नगर परिषद चुनावः पंकज बर्णवाल के समर्थन में वार्ड 1 व 19 में सघन जनसंपर्क

झुमरी तिलैया : झुमरी तिलैया नगर परिषद अध्यक्ष पद के प्रत्याशी एवं भारतीय जनता पार्टी समर्थित उम्मीदवार पंकज बर्णवाल के पक्ष में को वार्ड संख्या 1 और 19 में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क साधा और चुनाव चिह्न क्रम संख्या 4 बैटरी टॉर्च पर मोहर लगाकर पंकज बर्णवाल को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। जनसंपर्क के दौरान स्थानीय लोगों से नगर की मूलभूत समस्याओं—सफाई व्यवस्था, पेयजल, सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट एवं बाजार क्षेत्र की यातायात व्यवस्था—पर चर्चा की गई। मतदाताओं ने विभिन्न मुद्दों को सामने रखते हुए समाधान की अपेक्षा जताई। कई स्थानों पर लोगों ने प्रत्याशी के प्रति सकारात्मक रुख दिखाया और समर्थन का आश्वासन दिया। भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि पंकज बर्णवाल एक कर्मठ, ईमानदार और विकासोन्मुखी सोच वाले प्रत्याशी हैं। उनके नेतृत्व में नगर परिषद पारदर्शी कार्यप्रणाली अपनाते हुए बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में ठोस कदम उठाएगी। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे नगर के समग्र विकास के लिए बैटरी टॉर्च चुनाव चिह्न पर मतदान करें। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नितेश चंद्रवंशी ने भी वार्ड वासियों से संवाद करते हुए कहा कि नगर को मजबूत और जवाबदेह नेतृत्व की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा समर्थित प्रत्याशी की जीत से विकास कार्यों को गति मिलेगी तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा। अभियान में देवनारायण मोदी, चन्द्रशेखर जोशी, इन्द्र देव मोदी, उपेन्द्र दुबे, हद्वयान्नद मिश्रा, अनिल सिंह,महादेव दास, गौतम मोदी, श्रीकांत गुप्ता, विजय राम, संजय मोदी, हरि पंडित, विकास जैन,सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे।

एक नजर

कंचन देवी को बसपा का समर्थन, लोजपा उम्मीदवार ने भरी चुनावी हुंकार

सरिया : सरिया में नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए लोजपा (रामविलास) की मजबूत उम्मीदवार कंचन देवी (लोजपा नेता दामोदर पासवान की पत्नी) की चुनावी हुंकार तेज हो गई है। बागोडीह मोड़ स्थित उनके उत्साह से भरे चुनाव कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में जिला बहुजन समाज पार्टी के जिला उपाध्यक्ष दिनेश दास ने पहुंचकर उन्हें खुला समर्थन घोषित कर दिया। यह गठजोड़ स्थानीय स्तर पर काफी चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि दोनों दल मिलकर विकास, सामाजिक न्याय और क्षेत्र की समस्याओं के समाधान का मजबूत संदेश दे रहे हैं। दिनेश दास ने कहा कि कंचन देवी एक कर्मठ, शिक्षित और जन-कल्याण के प्रति समर्पित महिला हैं, जो बड़की सरिया को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी। कंचन देवी ने कार्यकताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए भरोसा दिलाया कि वह जन-जन के सम्मान और समग्र विकास के लिए दिन-रात मेहनत करेंगी। ३वादा नहीं, विकास करूंगी३ झ उनका यह नारा अब क्षेत्र में गूंज रहा है। चुनावी मैदान में कंचन देवी को मिल रहा यह बड़ा राजनीतिक समर्थन उन्हें और मजबूत स्थिति में ला खड़ा कर रहा है। बड़की सरिया के मतदाता अब तय करेंगे कि नई दिशा और मजबूत नेतृत्व के लिए कौन सही विकल्प है।

पलामू से 80 लाख की शराब बरामद तीन तस्कर गिरफ्तार

पलामू : पोटाश की आड़ में पंजाब से लाई गई 80 लाख रुपये की शराब बरामद की गयी है। शराब की बोलतें 800 पेटियों में भरी हुई थी। इस मामले में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। एक पेटी की कीमत 10 हजार रूपए आंकी गयी है। इस प्रकार बरामद शराब की बाजार कीमत 80 लाख रूपए बतायी गयी है। शराब की सभी बोतलें पलामू जिले में ही खपाने की तैयारी थी। निकाय चुनाव में इस्तेमाल करना था। मामले की पुष्टि थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ज्योति लाल रजवार ने गुरूवार को की। घटना के अनुसार शहर थाना क्षेत्र के सद्दीक चौक के पास बुधवार देर रात में पुलिस ने एक ट्रक (बीआर 11 जीसी 3084) को रोका और तलाशी ली तो लाखों रुपये की अवैध शराब की बड़ी खेप बरामद हुई। यह कार्रवाई बिहार सीआईडी से प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर की गई। सूचना मिली थी कि पंजाब से एक ट्रक में अवैध शराब लादकर लायी जा रही है। शराब की खेप को छिपाने के लिए ट्रक में ऊपर और नीचे खेती में उपयोग होने वाले पोटाश लोड किया गया था, जबकि बीच में शराब की पेटियां रखी गई थीं, ताकि पुलिस की नजर से बचा जा सके। पुलिस ने मौके से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो ट्रक चालक और एक सह चालक शामिल हैं।

विविधताओं में एकता ही भारत की असली ताकत : संतोष कुमार गंगवार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को लोक भवन, राँची में आयोजित कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम 2025-26 के अंतर्गत वतन को जानो कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग, कुपवाड़ा, बारामुल्ला, बडगाम, श्रीनगर एवं पुलवामा जिलों से आए प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत विविधताओं का देश है, परंतु हमारी आत्मा एक है। भाषा, वेशभूषा और परंपराओं की भिन्नता के बावजूद राष्ट्रीय एकता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। ऐसे कार्यक्रम आपसी संवाद, विश्वास और समझ को प्रगाढ़ करते हैं तथा भावनात्मक एकता को सुदृढ़ बनाते हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के शब्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि कश्मीर भारत का किरीट है और उसकी सांस्कृतिक समृद्धि, प्राकृतिक भव्यता एवं आध्यात्मिक चेतना राष्ट्र की पहचान है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर अपनी अनुपम प्राकृतिक सुंदरता एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के कारण पृथ्वी का स्वर्ग कहलाता है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारत ने सदैव शांति, संयम और संवाद का मार्ग अपनाया है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना हमारी संस्कृति का मूल है। उन्होंने कहा कि यह भी सत्य है कि समय-समय पर हमारे पड़ोसी राष्ट्र ने नापाक इरादों से इस क्षेत्र में अशांति फैलाने का भी प्रयास किया है। लेकिन जब भी राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता को चुनौती दी गई एवं हमला हुआ, हमने उसका मुंहतोड़ जवाब भी दिया है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में विकास और समान अवसरों का नया अध्याय प्रारंभ हुआ है। अनुच्छेद 370 हटने के पश्चात वहाँ विकास की नई संभावनाएँ सृजित हुई हैं। राज्यपाल महोदय ने युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा, कौशल, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति को अपने जीवन का आधार बनाएं तथा ह्यविकसित भारत@2047 के संकल्प को साकार करने में सक्रिय भूमिका निभाएँ। उन्होंने झारखण्ड की समृद्ध जनजातीय परंपराओं, सरहुल, करमा और सोहराय जैसे प्रकृति-आधारित पर्वों का उल्लेख करते हुए कहा कि झारखण्ड अपनी सांस्कृतिक विविधता और युवा ऊर्जा के कारण विशेष पहचान रखते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रवास युवाओं के दृष्टिकोण को व्यापक बनाएगा तथा वे यहाँ से सौहार्द, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता का सकारात्मक संदेश लेकर लौटेंगे।राज्यपाल महोदय ने लोक भवन, राँची उद्यान का भी उल्लेख करते हुए कहा कि यहाँ 100 से अधिक प्रजातियों के गुलाब सहित अनेक दुर्लभ वृक्ष एवं पौधे हैं, जो आकर्षण का केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि लोक भवन उद्यान को आम नागरिकों के भ्रमण हेतु खोला गया है तथा अब तक पाँच लाख से अधिक लोग उद्यान का भ्रमण कर चुके हैं। उन्होंने युवाओं से लोक भवन उद्यान का भी अवलोकन करने हेतु कहा।

संक्षिप्त खबरें

बड़की सरिया में शालिनी कुमारी के चुनावी कार्यालय का हुआ उद्घाटन

सरिया : बड़की सरिया नगर पंचायत चुनाव की सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। कांग्रेस पार्टी ने यहां अपनी उम्मीदवार शालिनी कुमारी के लिए भव्य चुनावी कार्यालय खोलकर जोरदार शुरूआत की है। सरिया थाना रोड स्थित शानदार माल के ठीक बगल में बने इस आकर्षक चुनाव कार्यालय का उद्घाटन कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सतीश केडिया, पूर्व जिला अध्यक्ष नरेश वर्मा और अध्यक्ष पद की मजबूत दावेदार शालिनी कुमारी ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया।कार्यक्रम में मौजूद कांग्रेस जिला अध्यक्ष सतीश केडिया ने जोशीले अंदाज में कहा कि शालिनी कुमारी विकास, महिला सशक्तिकरण और सरिया के हर नागरिक की समस्याओं का समाधान करने वाली सच्ची उम्मीदवार हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों से अपील की कि वे कांग्रेस के इस मजबूत प्रत्याशी को भारी मतों से जिताकर बड़की सरिया को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं।इस अवसर पर कांग्रेस के प्रमुख नेता मोहम्मद इकबाल, मुरली मनोहर मंडल, मनीष मंडल, नरेश मंडल, विजय मंडल, मो. नसीम, मो. सफीक, मोहम्मद जलील, सुरेंद्र रविदास सहित दर्जनों उत्साही कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरा माहौल उत्साह और जोश से भरपूर था।शालिनी कुमारी के इस चुनावी अभियान से कांग्रेस समर्थकों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। अब सबकी नजरें हैं कि क्या शालिनी कुमारी बड़की सरिया नगर पंचायत को नई दिशा देने में सफल होंगी।

श्रम संहिता को रद्द करने की मांग पर राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल के तहत हुआ रैली व सभा

ईचागढ़ : गुरुवार को मजदूर संगठन ऑल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर कि ओर से दस केंद्रीय ट्रेड यूनियनों एवं स्वतंत्र फेडरेशनों के आह्वान पर देशव्यापी एक दिवसीय आम हड़ताल चांडिल बाजार में व्यापक रूप से आयोजित की गई। यह हड़ताल केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए मजदूर विरोधी चार श्रम संहिताओं के खिलाफ तथा श्रमिकों के संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से की गई।कार्यक्रम की शुरूआत चांडिल बस स्टैंड से हुए सैकड़ो की संख्या में मजदूर अपनी मांगों को उठाकर रैली के माध्यम से चांडिल चौक बाजार होते हुए स्टेशन रोड डाक बंगला पहुंची जो सभा में तब्दील हो गई। रैली के माध्यम से अपनी मांगों को उठाने के साथ-साथ चांडिल वासियों को इस एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल को सफल करने का अपील भी किया गया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से श्रमिकों, कर्मचारियों, युवाओं एवं आम नागरिकों का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ । सभा को संबोधित करते हुए मजदूर संगठन ए.आई.यू.टी.यू.सी के राज्य उपाध्यक्षा सह कार्यक्रम की मुख्य वक्ता लिली दास ने कहा कि देश की उत्पादन व्यवस्था श्रमिक वर्ग के श्रम पर आधारित है, अत: उन्हें जीवन निर्वाह योग्य मजदूरी, 8 घंटे कार्यदिवस, सामाजिक सुरक्षा, स्थायी रोजगार तथा ट्रेड यूनियन अधिकारों की गारंटी मिलनी चाहिए। चारों श्रम संहिताएं इन अधिकारों को कमजोर करती हैं और पूंजीपतियों को अधिकतम मुनाफा सुनिश्चित करने की दिशा में बनाई गई हैं। हम सरकार से मांग करते हैं कि श्रमिक वर्ग की न्यायोचित मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाए और चारों श्रम संहिताओं को वापस लेकर श्रमिक हितों की रक्षा सुनिश्चित की जाए। सभा को मजदूर नेता बुद्धेश्वर माझी, मदन हँसदा, भूषण हेम्ब्रम, माधव तंतुबाई ने भी संबोधित किया। व सभा का संचालन आशुदेव महतो ने किया।

मतों की गिनती के लिए मतगणनाकर्मियों को मिला प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : नगर निकाय चुनाव को लेकर 27 फरवरी को डालटेनगंज के गणेश लाल अग्रवाल कॉलेज स्थित स्ट्रांग रूम में मतगणना कार्य संपन्न कराया जाएगा। मतगणना में प्रतिनियुक्त कर्मियों को गुरुवार को विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मतगणना पर्यवेक्षक और मतगणना सहायकों सहित सैकडों कर्मियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन गणेश लाल अग्रवाल कॉलेज परिसर के ब्लॉक ए के 10 अलग-अलग कमरों में किया गया, जहां 26 मास्टर ट्रेनरों ने कर्मियों को चरणबद्ध तरीके से मतगणना की प्रक्रिया समझाई। बैलेट पेपर के माध्यम से मतों की गिनती, मतों की वैधता-अवैधता की जांच, राउंडवार गणना, प्रपत्रों की पूर्ति और रिपोर्टिंग से संबंधित सभी बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गयी। मास्टर ट्रेनरों ने बताया कि मतगणना कार्य अत्यंत संवेदनशील और जिम्मेदारी भरा होता है। इसमें छोटी सी त्रुटि भी विवाद की स्थिति उत्पन्न कर सकती है। इसलिए सभी कर्मियों को निर्देश दिया गया कि वे प्रशिक्षण के दौरान बताए गए नियमों और प्रक्रियाओं का अक्षरशः पालन करें और शून्य त्रुटि के साथ कार्य संपादित करें। मतगणना कक्ष की व्यवस्था, टेबलवार जिम्मेदारियां, बैलेट बंडल की सील जांच, राउंड की घोषणा, अभ्यर्थियों के एजेंटों की उपस्थिति और अंतिम परिणाम तैयार करने की प्रक्रिया पर भी विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया।

हत्याकांड के विरोध में छह घंटे बाद हटा जाम, दो आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : गोलमुरी के फल कारोबारी कन्हैया यादव की हत्या के विरोध में आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों की ओर से किया गया सड़क जाम गुरुवार को छह घंटे बाद समाप्त हो गया। सुबह से टिनप्लेट गोलचक्कर पर बैठे प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मुख्य मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया। इससे यातायात प्रभावित रहा और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। दोपहर में ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग के मौके पर पहुंचने और ठोस कार्रवाई का आश्वासन देने के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। अधिकारियों के समझाने और भरोसा दिलाने के बाद परिजन जाम हटाने पर सहमत हुए। इसके बाद पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली। ग्रामीण एसपी ने परिजनों को बताया कि हत्याकांड में अब तक दो आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। साथ ही अन्य फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस की कई टीमें शहर के अलग-अलग इलाकों में दबिश दे रही हैं, जबकि कुछ टीमें जमशेदपुर से बाहर भी संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि बुधवार को गोलमुरी थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े कन्हैया यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद से परिजन आरोपित की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है और जल्द ही शेष आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

चुनावी हलचल तेज, उम्मीदवार पहुंच रहे डोर टू डोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : झारखंड के पलामू जिले में सबसे अधिक पांच निकायों मेदिनीनगर नगर निगम, विश्रामपुर नगर परिषद, हुसैनाबाद, छतरपुर एवं हरिहरगंज नगर पंचायत में चुनावी हलचल तेज है। डोर टू डोर जनसंपर्क तेज है। मतदाताओं को अपने पक्ष में गोलबंद करने के लिए लोक लुभावन वायदे किए जा रहे हैं। पूर्व मेयर के कार्यकाल की कमियों को उछाला जा रहा है, जबकि निवर्तमान महापौर एक मौका और देकर अधूरे कार्यो को पूरा करने एवं कार्यकाल की उपलब्धियां गिना रही है। पेयजल, सड़क, नाली, सफाई, बिजली, होल्डिंग टैक्स, बस पड़ाव, सड़क जाम, पार्किंग, नागरिक सुरक्षा, भ्रष्टाचार मुक्त शासन और बेहतर बुनियादी ढांचा सहित अन्य मामले छाए हुए हैं। हालांकि मतदाता अभी खामोश हैं। खुलकर बोल नहीं रहे हैं। इस चुनाव में कुल 231970 मतदाता हिस्सा लेंगे, जिनमें महिलाओं की संख्या 113699 है। मतदान केन्द्रों की संख्या 246 है। मेयर, अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद मिलाकर उम्मीदवारों की संख्या 718 है। मेयर एवं अध्यक्ष पद मिलाकर 73 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं जबकि वार्ड पार्षद के 645 प्रत्याशी शामिल हैं। वार्ड पार्षद पद के चार उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। इनमें तीन मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र के हैं, जबकि एक हुसैनाबाद नगर पंचायत से शामिल है। मेदिनीनगर नगर निगम में महापौर पद के लिए 11 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। वर्तमान में यह सीट महिला के लिए अनारक्षित है। इससे पहले भी यह सीट महिला के लिए ही अनारक्षित थी। विश्रामपुर नगर परिषद अनारक्षित महिला, हुसैनाबाद नगर पंचायत अनुसूचित जाति अन्य, हरिहरगंज नगर पंचायत अनुसूचित जाति महिला एवं छतरपुर नगर पंचायत अनारक्षित अन्य के लिए है। मेदिनीनगर नगर निगम में मेयर पद के लिए भाजपा समर्थित उम्मीदवार निवर्तमान महापौर अरूणा शंकर, झामुमो की पूनम सिंह, कांग्रेस की नम्रता त्रिपाठी एवं भाजपा की बागी रिंकू सिंह मुख्य मुकाबले में हैं, लेकिन यहां त्रिकोणीय चुनाव के आसार लगते हैं। विश्रामपुर नगर परिषद क्षेत्र में निवर्तमान अध्यक्ष हलीमा बीवी, भाजपा समर्थित उम्मीदवार चंपा शुक्ला एवं सुलेखा प्रिया के बीच मुकाबला है। यहां अध्यक्ष पद के लिए 21 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। छतरपुर में अरविंद गुप्ता उर्फ चुनमुन, भरत प्रसाद, अली अंसारी एवं भाजपा समर्थित उम्मीदवार कैलाश सिंह मुख्य मुकाबले में हैं। यहां इस पद के लिए सबसे अधिक 24 उम्मीदवार मैदान में हैं। हुसैनाबाद नगर पंचायत में निवर्तमान अध्यक्ष शशि कुमार, प्रथम अध्यक्ष उषा देवी, एवं द्वितीय अध्यक्ष रहे रामेश्वर राम उर्फ छठन के बीच मुख्य मुकाबला है। रामेश्वर राम भाजपा समर्थित उम्मीदवार हैं, जबकि शशि कुमार को राजद ने समर्थन दिया है। यहां इस पद के लिए सात उम्मीदवार हैं।

डीसी ने सहयोग विलेज का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : खूंटी प्रखंड अंतर्गत डुगडुगिया स्थित सहयोग विलेज का गुरुवार को उपायुक्त आर रॉनिटा ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बाल गृह में रह रहे बच्चों की देखभाल, भोजन, सुरक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया एवं संबंधित पदाधिकारियों तथा कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उपायुक्त ने बाल गृह परिसर के विभिन्न कक्षों, जिनमें रसोई घर, भंडार गृह, भोजनालय, बच्चों का मनोरंजन कक्ष और स्पेशल केयर कक्ष शामिल हैं, का निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं की गुणवत्ता और स्वच्छता की जांच की। उन्होंने निर्देश दिया कि बच्चों को समय पर पौष्टिक और संतुलित भोजन उपलब्ध कराया जाए एवं खाद्य सामग्री का भंडारण निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए।

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION NO. – 1, RANCHI
(Behind State Guest House Morhabadi) ,Dindayal Nagar Booty Road Ranchi-834008

VERY SHORT-TERM E-QUOTATION INVITATION NOTICE
FOR RATE PURPOSE ONLY
Quotation Reference No: BCD/Bld. Div. No.- 1 --- 28/2025-26

Sealed Quotations are invited for the work **Supply and Installation of Roller Blinds in State Hanger at Hinoo, Ranchi** for all Materials from Reputed Shop Keepers/ Manufacturers / Suppliers / Retailers / Distributors and Registered B.C.D. Contractors for following items. They should quote their rates for unit mentioned in the table. If they do not deals all of the below mentioned items then they are allowed to quote their rate for part of the items which ever they deals. The rates should be exclusive of all types of Taxes, GST, Contractor's Profit and overhead charges etc. but inclusive of Royalty. All Rates should be exclusive of Labour Cess.

Terms and Condition
1. The quotationer shall furnish Pan, GST registration no.
2. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
3. The undersigned reserves the right to accept or reject/cancel any or all quotations without assigning any reason thereof.

नोट :–
(1) वेबसाईट में ई–कोटेशन अपलोड की अंतिम तिथि : 16-02-2026 के अपराह्न 1:00 बजे तक।
(2) ई–कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय 17-02-2026 अपराह्न 1:30 बजे।
(3) ई–कोटेशन आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची।
(4) ई–कोटेशन प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० : 8527519262
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

Nodal Officer,
e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer
Building Construction Department,
Building Division No.-1, Ranchi

PR 372853 Building(25-26).D

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, हजारीबाग।
द्वारा आयोजित

राष्ट्रीय लोक अदालत
(दिनांक 14 मार्च 2026, शनिवार, पूर्वाह्न 11.00 बजे से कार्य समाप्ति तक)

माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार, झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, राँची के तत्वाधान में, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, हजारीबाग के द्वारा दिनांक 14.03.2026 को 11.00 बजे पूर्वाह्न से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है।

अतः, आप सभी पक्षकारों से निवेदन है कि आप सभी अपने–अपने वादों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से करायें एवं इस अवसर का लाभ उठायें।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि दिनांक 14 मार्च, 2026 के पूर्व किसी भी कार्य दिवस में न्यायालय एवं स्थाई लोक अदालत के समक्ष समझौता पूर्व बैठक के लिए स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपने मामले को सूचीबद्ध करा सकते है।

उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण योग्य वाद निम्नवत है:–
A. प्री.लिटिगेशन मामले– सभी प्रकार के सिविल एवं आपराधिक सुलहनीय मामले,
B. न्यायालय में लंबित मामले–

1	सुलहनीय प्रकृति के आपराधिक मामले
2	धारा 138, N.I.Act के अंतर्गत मामले
3	धन वसुली से संबंधित मामले
4	मोटर वाहन दुर्घटना मुआवजा के मामले
5	श्रम एवं रोजगार विवाद से संबंधित मामले
6	विद्युत, जल बिल एवं अन्य बिल भुगतान (सुलहनीय) से संबधित मामले
7	पारिवारिक विवाद के मामले
8	भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामले
9	सेवा एवं पेंशन से संबंधित मामले
10	राजस्व से संबंधित मामले
11	अन्य सिविल वाद

इस संबंध में अधिक जानकारी हेतु मो0 सं0– 9939201624 पर संपर्क कर सकते हैं एवं विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, व्यवहार न्यायालय, हजारीबाग से संपर्क करें।

पुलिस अधीक्षक सह सदस्य, जिला विधिक सेवा प्राधिकार हजारीबाग
उपायुक्त सह उपाध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार हजारीबाग
प्रधान जिला न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, हजारीबाग

PR 372904 (Law) 25-26 (D)

चार श्रम संहिताओं के विरोध में एआईटीयूसी और बीएसएसआर सहित कई संगठनों ने किया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में 12 फरवरी 2026 को आयोजित राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल का असर जमशेदपुर में व्यापक रूप से देखने को मिला। अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एआईटीयूसी) के नेतृत्व में साकची स्थित आलमबाग मैदान से एक विशाल जुलूस निकाला गया, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए जुबली पार्क स्थित उपायुक्त कार्यालय गेट तक पहुंचा। जुलूस और धरना कार्यक्रम में बिहार झारखंड सेल्स प्रतिनिधि यूनियन, भारतीय चिकित्सा एवं विक्रय प्रतिनिधि महासंघ, अखिल भारतीय लोकतांत्रिक छात्र संगठन तथा संयुक्त किसान मोर्चा समर्थित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बिहार झारखंड सेल्स प्रतिनिधि यूनियन के आह्वान पर जिले के लगभग 800 चिकित्सा एवं विक्रय प्रतिनिधियों ने एक दिवसीय हड़ताल रखी और धरना में शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने चारों श्रम संहिताओं को अविलंब रद्द करने, कॉरपोरेट समर्थक नीतियों को वापस लेने तथा मजदूर-किसान एकता के समर्थन में जोरदार नारे लगाए। एआईटीयूसी के सचिव राजकुमार ने कहा कि 29 पुराने श्रम कानूनों को समाप्त कर चार नई श्रम संहिताएं लागू करना श्रमिक हितों के खिलाफ है और इससे मजदूरों की नौकरी की सुरक्षा कमजोर होगी। धरना सभा को यूनियन के जिला अध्यक्ष यशवंत देश मौली, राज्य सचिव पीयूष गुप्ता तथा जिला सचिव विनय कुमार ने संबोधित किया। वक्ताओं ने वर्ष 1976 के सेल्स प्रमोशन कर्मचारी (सेवा शर्त) अधिनियम को समाप्त किए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की और इसे पुनः बहाल करने की मांग की। उन्होंने न्यूनतम मजदूरी की स्पष्ट परिभाषा तय करने, आठ घंटे कार्यदिवस सुनिश्चित करने तथा निश्चित अवधि रोजगार व्यवस्था पर पुनर्विचार की भी मांग उठाई। कार्यक्रम के अंत में उपायुक्त के माध्यम से केंद्र सरकार को ज्ञापन सौंपा गया और श्रम संहिताओं की प्रतियां प्रतीकात्मक रूप से जलाकर विरोध दर्ज कराया गया। पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

कायम है आवाज की दुनिया का जादू

आज विश्व रेडियो दिवस है। आज से करीब एक सौ बीस साल पहले रेडियो का आविष्कार हुआ था। रेडियो के आविष्कार ने वैश्विक संचार में अभूतपूर्व क्रांति ला दी थी। भारत में आवाज की इस अनोखी दुनिया को एक सौ तीन वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। पिछली करीब एक सदी की शानदार यात्रा में रेडियो, भारत के जन-जन के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। नई संचार तकनीकी के अभ्युदय से पहले रेडियो ने भरोसेमंद जनसंचार के एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। एक स्थान से दूसरे स्थान तक बे-तार आवाज पहुँचाने और इस क्रम में रेडियो जैसे बोलते उपकरण के आविष्कार की कहानी बेहद दिलचस्प है। तरंगों के द्वारा आवाज को एक स्थान से दूसरे स्थान तक संप्रेषित करने वाले रेडियो नाम के उपकरण को मूर्त रूप लेने में करीब चार दशक लगे। इस कालखंड में अनेक भौतिकविदों एवं अभियंताओं ने रेडियो के क्रमिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साल 1864 में एक अंग्रेज गणितीय भौतिकविद जेम्स क्लर्क मैक्सवेल ने पहली बार रेडियो तरंगों के अस्तित्व की भविष्यवाणी की थी। साल 1888 में एक जर्मन भौतिकविद हेनरिश हट्र्ज ने रेडियो तरंगों के अस्तित्व को तो स्वीकारा लेकिन उन्होंने रेडियो तरंगों का दूरसंचार में उपयोग की संभावनाओं को नकार दिया था। इसी दरम्यान एक अंग्रेज भौतिकविद रदरफोर्ड ने तीन चौथाई मील दूरी तक रेडियो संकेत भेजकर हट्र्ज की अवधारणा को गलत सिद्ध कर दिया। 12 दिसंबर, 1881 में इटली के विद्युत अभियंता मारकोनी ने एक स्थान से भेजी गई आवाज को सुनने और पुनः अपनी आवाज दूसरे स्थान पहुँचाने में सफलता प्राप्त कर ली, लेकिन तब रेडियो का वर्तमान स्वरूप अस्तित्व में नहीं आ पाया था। साल 1904 में विद्युत अभियंता जॉन एम्ब्रोज फ्लेमिंग और साल 1906 में अमेरिका के डी. फारेस्टर ने रेडियो के आविष्कार को आगे बढ़ाया। प्रारंभिक चरण में रेडियो का सबसे अधिक उपयोग समुद्री जहाजों द्वारा किया गया। समुद्री जहाज खतरे या दुर्घटना की स्थिति में एक-दूसरे जहाज या तट से सहायता प्राप्त करने के लिए रेडियो का उपयोग करते थे। 25 दिसंबर, 1906 की रात को अचानक जहाजियों ने तारयंत्र से पहले एक पुरूष की आवाज सुनी फिर उन्हें एक महिला का गीत और वायलिन की धुन सुनाई दी, इसी के साथ रेडियो को अपना अस्तित्व मिल गया। शुरूआती दौर में इंग्लैंड में रेडियो को वायरलेस कहा जाता था। अमेरिका में इसे रेडियो टेलीग्राफ कहते थे। बाद में अमेरिकी लोगों ने इसमें से टेलीग्राफ शब्द को छोड़ कर सिर्फ रेडियो कहना शुरू कर दिया। साल 1920 में वेस्टिंग हाउस कंपनी के एक इंजीनियर ने अमरीकी सरकार से रेडियो प्रसारण का लाइसेंस प्राप्त कर पिट्सबर्ग में दुनिया का पहला रेडियो प्रसारण केंद्र स्थापित किया। डॉ. फ्रैंक कॉनराड ने रेडियो में सांध्य कार्यक्रमों की एक श्रृंखला प्रारंभ की। 23 फरवरी, 1920 को मारकोनी कंपनी ने चेम्सफोर्ड से रेडियो प्रसारण शुरू किया था। नवंबर, 1922 में जॉन रीथ के निर्देशन में ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कंपनी की स्थापना हुई। इसके साथ ही इंग्लैंड में रेडियो का नियमित प्रसारण शुरू हो गया। साल 1923 में रेडियो क्लब, मुंबई ने भारत में रेडियो का पहला प्रसारण शुरू किया। इसी वर्ष कोलकाता समेत अन्य महानगरों में भी रेडियो प्रसारण शुरू हुए। इसके बाद भारत में इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी का गठन हुआ। कंपनी ने भारत सरकार से रेडियो प्रसारण का अनुज्ञा-पत्र प्राप्त कर 23 जुलाई, 1927 को मुंबई से रेडियो प्रसारण प्रारंभ कर दिया। इस प्रसारण केंद्र का उद्घाटन भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इरविन ने किया था। साल 1936 में दिल्ली में रेडियो के केंद्रीय स्टेशन की स्थापना हुई। इसी वर्ष इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन वजूद में आई। साल 1936 में इसका नाम ऑल इंडिया रेडियो कर दिया गया था। साल 1957 में आकाशवाणी किया गया। रेडियो एक सशक्त श्रव्य माध्यम है। ध्वनि की अजूबी दुनिया है। वेदों के अनुसार सृष्टि की रचना का आधार ध्वनि को माना जाता है। कहा गया है कि ध्वनि से सृष्टि की रचना हुई। ध्वनि से ब्रह्मांड का विस्तार होता है। ध्वनि से ही वाणी उत्पन्न हुई। वाणी को मन का यथार्थ चित्र माना गया है।

सूडोकु नवताल- 7704

★☆☆☆☆ सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7703 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

डीपफेक का धोखा और डिजिटल सख्त नियमों की अनिवार्यता

ललित गर्ग

डिजिटल युग में सूचना की गति जितनी तीव्र हुई है, उतनी ही तेजी से भ्रम, छल और दुष्प्रचार की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपफेक तकनीक ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अब केवल शब्दों से नहीं, बल्कि चेहरों, आवाजों और भाव-भंगिमाओं से भी झूठ को सच की तरह प्रस्तुत किया जा सकता है। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने डीपफेक और एआई जनित सामग्री के नियमन के लिए आईटी नियमों को सख्त करने का निर्णय लिया है। बीस फरवरी से लागू होने जा रहे नए प्रावधानों के अनुसार एआई द्वारा निर्मित सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा और किसी भी अवैध या भ्रामक सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना या ब्लॉक करना होगा। पहले यह समयसीमा 36 घंटे थी। यह बदलाव केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि डिजिटल नैतिकता और लोकतांत्रिक जवाबदेही की दिशा में एक गंभीर हस्तक्षेप है।

पिछले कुछ वर्षों में डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग भयावह रूप से सामने आया है। राजनीतिक नेताओं के फर्जी वीडियो, अभिनेत्रियों की अश्लील रूप से परिवर्तित तस्वीरें, सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाले ऑडियो क्लिप और आर्थिक धोखाधड़ी के लिए बनाए गए कृत्रिम संदेश-ये सब इस बात के प्रमाण हैं कि तकनीक तटस्थ नहीं रहती, उसका उपयोग और दुरुपयोग दोनों संभव हैं। जब सत्य को जूता जा रहा हो और झूठ को परिष्कृत तकनीक के सहारे प्रमाणिकता का आवरण पहनाकर प्रस्तुत किया जा रहा हो, तब समाज में अविश्वास का वातावरण बनना स्वाभाविक है। ऐसी स्थिति में सरकार द्वारा नियंत्रण की पहल आवश्यक प्रतीत होती है, क्योंकि यह केवल अभिव्यक्ति का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों की प्रतिष्ठा से जुड़ा विषय है।

नए नियमों के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से बढ़ाई गई है। अब उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उपयोगकर्ता को यह जानकारी मिले कि साझा की जा रही सामग्री एआई से निर्मित है या नहीं। इससे पारदर्शिता का एक न्यूनतम मानक स्थापित होगा। साथ ही, तीन घंटे की समयसीमा यह संकेत देती है कि सरकार डिजिटल अपराधों की गंभीरता को समझ रही है। डीपफेक वीडियो के वायरल होने के बाद उसका खंडन अक्सर प्रभावहीन हो जाता है, इसलिए त्वरित कार्रवाई ही नुकसान को सीमित कर सकती है। परंतु यह भी सच है कि इतनी कम समय सीमा में सामग्री की सत्यता की जांच करना तकनीकी और प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत जटिल कार्य है। इससे प्लेटफॉर्मों पर निगरानी तंत्र को अत्यधिक सुदृढ़ करना पड़ेगा, जो लागत और संचालन दोनों के स्तर पर चुनौतीपूर्ण होगा।

यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि 'आपत्तिजनक' या 'भ्रामक' सामग्री की परिभाषा कौन और किस आधार पर तय करेगा। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मूलाधिकार है। यदि नियमन की प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायसंगत नहीं होगी, तो इसके दुरुपयोग की आशंकाएँ जन्म लेंगी। अतीत में भी यह देखा गया है कि जब-जब सोशल मीडिया पर नियंत्रण के प्रयास हुए, तब कुछ वर्गों ने इसे सरकारी अतिक्रमण के रूप में प्रस्तुत किया। इसलिए नियमन और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना अत्यंत आवश्यक है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि नियमों का प्रयोग असहमति को दबाने के लिए नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से दुष्प्रचार और अपराध को रोकने के लिए हो। इस दिशा में स्वतंत्र निगरानी तंत्र, न्यायिक समीक्षा और पारदर्शी शिकायत निवारण प्रणाली अनिवार्य घटक हो सकते हैं।

वैश्विक परिदृश्य भी इसी संकट की ओर संकेत करता है। ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस जैसे देशों ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग की न्यूनतम आयु निर्धारित करने जैसे कदम उठाए हैं। अमेरिका में इंस्टाग्राम और यूट्यूब के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभावों की जांच के लिए ऐतिहासिक मुकदमे चल रहे हैं। वहाँ की बड़ी तकनीकी कंपनियों पर युवाओं को लत लगाने वाली संरचनाएँ विकसित करने के आरोप लगे हैं। विशेषज्ञों का मत है कि कई युवा जब अपने फोन से दूर किए जाते हैं तो वे मनोवैज्ञानिक ही नहीं, शारीरिक असहजता भी अनुभव करते हैं। यह स्थिति केवल विकसित देशों तक सीमित नहीं, भारत सहित विकासशील देशों में भी सोशल मीडिया का अनियंत्रित विस्तार सामाजिक और मानसिक संकट का कारण बन रहा है।

एआई उद्योग स्वयं भी एक नैतिक दुविधा के दौर से गुजर रहा है। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में कंपनियाँ तकनीकी श्रेष्ठता की दौड़ में लगी हैं। इस दौड़ में सुरक्षा और नैतिकता के प्रश्न अक्सर पीछे छूट जाते हैं। हाल ही में एक प्रमुख कंपनी के सुरक्षा शोधकर्ता द्वारा विवादास्पद परियोजनाओं की अनियंत्रित गति पर असहमति जताते हुए त्यागपत्र देना इस तनाव का संकेत है। तकनीक की प्रगति जितनी तेज होगी, नियामक ढाँचे उतनी ही तेजी से अप्रासंगिक होते जाएँगे, यदि उन्हें समयानुकूल अद्यतन न किया जाए। इसलिए नियमन को केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी और सहभागी होना चाहिए।

भारत के संदर्भ में यह विषय और भी संवेदनशील है। यहाँ डिजिटल क्रांति ने अभूतपूर्व विस्तार पाया है। करोड़ों नए उपयोगकर्ता प्रतिवर्ष ऑनलाइन आ रहे हैं। ऐसे में यदि असली और नकली के बीच का फर्क स्पष्ट न रहे तो लोकतांत्रिक विमर्श ही संदिग्ध हो जाएगा। चुनावी प्रक्रिया, सामाजिक सद्भाव, आर्थिक लेन-देन और व्यक्तिगत प्रतिष्ठा-सभी पर डीपफेक का खतरा मंडरा सकता है। इसलिए एआई जनित सामग्री पर लेबलिंग का प्रावधान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि सूचना साक्षरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। परंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि लेबलिंग तभी प्रभावी होगी जब आम उपयोगकर्ता डिजिटल साक्षर हो। अन्यथा वह लेबल को समझे बिना ही सामग्री साझा करता रहेगा। आगामी ई-समिट और भारत के 'इंडिया एआई मिशन' के संदर्भ में यह और भी प्रासंगिक हो जाता है कि तकनीक का विकास पारदर्शिता, शुद्धता और प्रमाणिकता के मूल्यों के साथ हो। यदि भारत वैश्विक एआई नेतृत्व का दावा करना चाहता है, तो उसे नैतिक मानकों की स्थापना में भी अग्रणी भूमिका निभानी होगी। केवल स्टार्टअप्स और नवाचार की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि एआई मानव गरिमा, गोपनीयता और लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान करे। नियमन का उद्देश्य तकनीकी प्रगति को रोकना नहीं, बल्कि उसे उत्तरदायी बनाना होना चाहिए।

अंततः यह समझना होगा कि डीपफेक और एआई का संकट केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक भी है। कानून आवश्यक है, परंतु पर्याप्त नहीं। डिजिटल कंपनियों की जवाबदेही, सरकार की पारदर्शिता, न्यायपालिका की सतर्कता और नागरिकों की जागरूकता-इन सबका समन्वय ही इस चुनौती का स्थायी समाधान दे सकता है। यदि नियमन संतुलित और निष्पक्ष होगा तो वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने के बजाय उसे सुरक्षित करेगा, क्योंकि स्वतंत्रता तभी सार्थक है जब वह सत्य और जिम्मेदारी के साथ जुड़ी हो। झूठ को सच में बदलने की तकनीकी क्षमता जितनी बढ़ रही है, उतनी ही दृढ़ता से सत्य की रक्षा के लिए सामूहिक संकल्प भी आवश्यक है। यही डिजिटल युग की सबसे बड़ी नैतिक परीक्षा है, और यही लोकतांत्रिक समाज की अगली कसौटी भी।

महाकाल देवता ही नहीं वैज्ञानिक तथ्य भी

राजशेखर व्यास

भारतीय कथा-साहित्य में उज्जैन का राजा विक्रमादित्य बड़ा लोकप्रिय रहा है। उसके प्रसंग को लेकर हजारों कहानियाँ देश की विविध भाषाओं में प्रचलित हैं। उसके नवरत्नों की कथा भी सर्वविदित है, परंतु आश्चर्य की बात है कि ऐसे लोक प्रसिद्ध राजा के विषय में कथा-कहानियों के अतिरिक्त कोई जानकारी नहीं मिल पायी है। विदेशी इतिहासकार उसे केवल कल्पित राजा मानते हैं। भारतीय इतिहासकारों के मन में अवश्य उसे ऐतिहासिक महापुरुष मानने का मोह बना हुआ है। उन्होंने इसकी वास्तविकता को सिद्ध करने के लिए अनेक प्रकार के अन्वेषण अनुसंधान भी किए, फिर भी निश्चित रूप से उसके अस्तित्व को सिद्ध नहीं कर पाए हैं। विक्रम की नगरी उज्जैन में महाकाल का सुप्रसिद्ध मन्दिर है। देश के अन्य किसी भाग में महाकाल का कोई मंदिर नहीं है। अतः निश्चय ही यह प्रश्न उपस्थित होता है कि यह 'महाकाल' कौन देवता हैं, जिसका केवल देशभर में एक मंदिर है। सामान्यतया 'महाकाल' शिव का पर्याय मान लिया गया है और उज्जैन के 'महाकाल' के मंदिर को शिव का मंदिर माना जाता है। परंतु प्रश्न यह है कि शिव के अन्य मंदिर 'महाकाल' के मंदिर क्यों नहीं कहलाते? हमारे विचार से विक्रमादित्य, उज्जयिनी, नव-रत्न और महाकाल इन चारों शब्दों के निर्वचन से इसके वास्तविक अर्थ पर कुछ प्रकाश पड़ सकता है और सुप्रसिद्ध कथा की गुत्थी सुलझ सकती है।

भारतीय ज्योतिष विद्वान यह जानते हैं कि उज्जैन का सूर्योदय काल देशभर के पंचांगों के लिए प्रामाणिक उदयकाल माना जाता रहा है। भारतीय ज्योतिषियों के अनुसार दक्षिण में लंका, भारत के मध्य में उज्जैन और (संभवतः वर्तमान) रोहतक नगरों के मध्य से जाने वाली देशांतर रेखा का सूर्योदय काल प्रामाणिक सूर्योदय काल हैं, परिवर्तित ज्योतिष ग्रंथों में उसका नाम 'लंकोदय' काल रहा है। लंकोदय की देशांतर रेखा से पूर्व में तथा पिश्चम में स्थित स्थानों के सूर्योदय का काल ज्ञात करने की विधियाँ निर्धारित की हुई हैं। इस प्रकार उज्जयिनी का सूर्योदय काल देशभर के लिए प्रामाणिक सूर्योदय काल था और आधुनिक भाषा में उसे भारत का 'स्टैण्डर्ड टाइम' कहा जा सकता है।

ईसा पूर्व के ज्योतिषी संभवतया इसी को महाकाल कहते थे। विविध शास्त्रीय तथ्यों को देव रूप में स्वीकार करने की हमारे यहां परम्परा रही है। इसी परम्परा के अंतर्गत महाकाल (स्टैण्डर्ड टाइम) को देव रूप में दिया गया और उसके मंदिर की स्थापना उज्जयिनी में की गयी। उज्जयिनी को क्यों चुना गया, यह भी एक ज्वलंत प्रश्न है। जब एक ही देशांतर रेखा देश के इतने लंबे-चौड़े भाग से निकलती है, तो उज्जैन ही को क्यों महत्त्व दिया जाए, उत्तर यह है कि उज्जैन कर्क रेखा पर स्थित है, जहां तक उत्तरायण सूर्य आता है और पुनः लौटकर मकर रेखा तक दक्षिणगामी होता है। कर्क रेखा पर स्थित होने के कारण भारतीय ज्योतिर्विदों ने उज्जयिनी को महाकाल की नगरी माना।

विक्रमादित्य शब्द में दो खंड हैं विक्रम-आदित्य। आजकल विक्रम का अर्थ सामान्यतया 'पराक्रम' समझा जाता है ओर आदित्य का 'सूर्य'। इस प्रकार विक्रमादित्य का अर्थ शक्ति का सूर्य किया जाता है। परंतु विक्रम शब्द में क्रम धातु है, जिसका अर्थ है चलना। इसी से बना हुआ दूसरा शब्द 'संक्रम' है, जो सूर्य की गति के विषय में सर्वविदित है। सूर्य का संक्रम, संक्रमण और संस्कृति आधुनिक ज्योतिषियों के लिए अपरिचित शब्द नहीं है।

उज्जैन की व्युत्पत्ति इस समय उज्जयिनी में मानी जाती है। उज्जैन के प्राकृत नाम 'उज्जैणी' या 'उज्जैन नगरी' थे, जो स्पष्टतः संस्कृत 'उदयिनी' एवं 'उदयन नगरी' से व्युत्पन्न प्रतीत होते हैं। पुनः संस्कृतिकरण की यह प्रक्रिया 'कथा कथा सरित्सागर' आदि में बहुत अधिक पायी जाती है। उज्जैन वास्तव में विक्रमादित्य के उदय की नगरी थी। भारतीय कथा साहित्य का सुप्रसिद्ध उदयन भी सूर्य का ही अन्य नाम है, जिसका विवेचन आगे किया जायेगा।

इस प्रकार विक्रमादित्य महाकाल तथा उज्जयिनी की व्युत्पत्ति पर विचार करने से यही ज्ञात होता है कि विक्रमादित्य नाम का वास्तविक राजा नहीं था। वह दक्षिणगामी सूर्य का ही कल्पित नाम है और उसे राजा का स्वरूप दे दिया गया है। उसे राजा मानने पर उसकी राजधानी उयिनी अथवा उजैणी (बाद में उज्जयिनी) कल्पित की गयी और उसी नगरी का समय संपूर्ण देश के लिए प्रमाणिक समय होने के कारण 'महाकाल' कहलाया। इतने विवेचन के बाद नवरत्नों की कल्पना भी स्पष्ट हो जाती है जो निःसंदेह नव ग्रह हैं।

एक नियत स्थान तक आगे बढ़कर वापस मूल स्थान तक पहुंचना सिंह विक्रांत कहलाता है। सिंह का स्वभाव शिकार करने के लिए कुछ दूर तक वन में आगे बढ़कर पुनः लौटने की क्रिया के लिये 'सिंह विक्रांत' या 'सिंह विक्रमण' शब्द प्रसिद्ध हुआ। कर्क राशि तक उत्तर दिशा में चलकर पुनः दक्षिण की ओर विक्रमण करने वाला सूर्य 'सिंह विक्रमी' हुआ। यही 'सिंह' राशि व्युत्पत्ति है। सूर्य 31 दिन तक कर्क राशि पर रहकर 32 वें दिन सिंह राशि पर पहुंचता है। यही सिंहासन बत्तीसी का रहस्य है। सूर्य सिंह राशि का स्वामी माना जाता है। कर्क तक आगे बढ़कर वह वापस लौटता है और अपने घर की राशि तक आकर वहां आसीन होता है। सूर्य की उत्तर दक्षिण यात्राएं नीचे स्पष्ट की जा रही हैं:-

सिंह के बाद सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करता है (संभवतः प्राचीन भारतीय राशि विभाजन खगोल का नहीं भूमंडल का था। भूमि के जिस भाग पर सूर्य राशियाँ सीधी पड़ती थीं, वही राशि विशेष खंड का था। 'राशि' शुद्ध संभवतः 'रश्मि' के प्राकृत रूप 'रस्सियां', 'रशि' का पुनः संस्कृत रूप है। सतरंगी किरणों के कारण 'सप्ताश्व' सूर्य का रूपक भी इस 'रश्मि' शब्द से स्पष्ट होता है।)

उत्तर भारत के ईसा पूर्व कालीन आयों की दृष्टि से वह प्रदेश कुमारी कन्याओं का प्रदेश था। भारत का यह दक्षिण भू-भाग (अर्थात 16 अक्षांश से 8 अक्षांश का भू-भाग) कुमारी कन्याओं का प्रदेश माना जाता था। उस प्रदेश पर सीधी किरणें फेंकने वाला सूर्य कन्यार्क कहलाता था। कन्याओं के उस देश की स्मृति के रूप में आज भी कुमारी अन्नीप का दर्शनीय कन्याकुमारी का मन्दिर जगत प्रसिद्ध है।

वहां से दक्षिण की ओर बढ़ता हुआ सूर्य जब विषुवत रेखा पर पहुंच जाता है और वहां उसकी किरणें सीधी पड़ती हैं, वह तुला राशि पर पहुंचा हुआ माना जाता है। 'तुला' नाम बहुत सार्थक है। विषुवत रेखा पर जब सूर्य पहुंच जाता है और तो भूमंडल का उत्तर और दक्षिण का भाग बिल्कुल बराबर तुला हुआ होता है। यही तुला शब्द की सार्थकता है, उसके बाद आगे बढ़कर सूर्य जब वृश्चिक राशि पर पहुंचता है, तो उज्जयिनी पर पड़ने वाली सूर्य की किरणें उतनी ही वक्र होती हैं, जितना बिच्छू का डंक होता है। उससे आगे बढ़ने पर उज्जैन पर पड़ने वाली किरणें और भी अधिक वक्र हो जाती हैं और धनुष के समान दिखायी पड़ती हैं। यह 'धनु' का अर्थ है। उसके बाद समुद्र के मध्यगत मकर राशि तक पहुंच कर सूर्य का पुनः उत्तरायण प्रारंभ होता है। मकर का स्वभाव अगाध जल में पहुंच कर पुनः स्थल की और लौटने का है, यही 'मकर' राशि की सार्थकता है। वहां से संक्रमण करता हुआ सूर्व सर्वप्रथम जिस स्थल भाग के निकट आता है, वह स्थल भाग किसी समय सम्भवतः घड़े को घोण जैसा था और इसलिए 'कुम्भघोण' नाम से प्रसिद्ध है, जहां का स्थल भाग घड़े के घोण जैसा है। कुम्भ राशि का 'कुम्भघोण' संभवतः कोई द्वीप था, जो अगाध समुद्र में लुप्त हो गया है।

उससे उत्तर में बढ़ने पर अगाध समुद्र है, जिसमें प्राणी के नाम पर केवल मीनों का निवास है। अतः वह मीन राशि का प्रदेश कहलाया। वहां से आगे संक्रमण करके सूर्य लंकोदय की प्रसिद्ध नगरी लंका तक पहुंचता है और उससे वह 'वृशस्थ' कहलाया। वहीं, भारतीय कथाओं में 'वत्सराज (वृष) उदय' नाम से चित्रित हुआ है। वत्सराज ने नागवन में अपनी प्रेयसी को प्राप्त किया था। यह नागवन वर्तमान मैसूर के पास का प्रदेश है, जहां के वनों में हाथियों की बहुलता है। यही सूर्य मिथुन राशि का स्वामी बनता है। उदय के नागवन में पत्नी से मिलन (मिथुन) की कथा सूर्य के मिथुन राशि पर आने की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है। मिथुन के बाद सूर्य उदयिनी पति बन जाता है और अपनी प्रेयसी के नगर उज्ययिनी पहुंच कर 'कर्कस्थ' होता है। कर्क का स्वभाव स्थल से जल की ओर जाने का होने के कारण वह वापस जल की ओर दक्षिणगामी होता है। सूर्य के अयन से संबंधित ज्योतिष शास्त्र की यह घटना भारतीय साहित्य में एक रोचक कथा का रूप धारण कर चुकी थी और वृद्धजनों के मुख से यत्र-तत्र सुनी जाती थी, जिसका संकेत कालिदास ने किया हैः- 'प्राप्यावन्तीमुदुयन कथा को विदग्रामवृान।' विदेशी दूत मेगस्थनीज ने भी सूर्य की इस कथा का श्रवण भारत के वृद्ध नागरिकों से किया था और उसका वर्णन उद्धरण इस प्रकार है :-

'हरकुले (स) सौरसेन लोगों का इष्टदेव है। उसके दो प्रसिद्ध नगर हैं, एक मथुरा और दूसरा क्लिसबुरा जिसके पास ऐबोन्नी नदी बहती है। हरकुले (स) की पुत्री पांड्या का राज्य दक्षिण में पाण्डय प्रदेश में है। हरकुले दायोनीस (स) से 15 पीढ़ी बाद हुआ।

वन्दे मातरम : राष्ट्र चेतना का सनातन गीत और आधुनिक भारत का पुनर्जागरण

कैलाश चंद

वन्दे मातरम' ये दो शब्द सिर्फ एक नारा नहीं, भारत की आत्मा का गूढ़ और दिव्य उद्गार हैं। यह केवल एक गीत नहीं बल्कि भारतीय राष्ट्रवाद की आध्यात्मिक जड़ है, जो भूमि, संस्कृति, शक्ति और ज्ञान इन चारों को मातृभाव में एक सूत्र में पिरोता है। जब कोई भारतीय 'वन्दे मातरम' कहता है तो वह केवल मातृभूमि को प्रणाम नहीं करता बल्कि उस चेतना, परंपरा और जीवन दर्शन को नमन करता है जिसने इस देश को हजारों वर्षों से जीवित और गतिशील बनाए रखा है। आज, जब इस गीत की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारत सरकार के 2026 के नए दिशा-निर्देश और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राष्ट्रीय अपील सामने आई है, तब यह गीत एक बार फिर राष्ट्रीय चेतना के केंद्र में स्थापित होता दिखाई दे रहा है।

भारतीय सभ्यता में भूमि को केवल भौगोलिक सीमा या प्राकृतिक संसाधनों का समूह नहीं माना गया है। यहां धरती को 'माता' कहा गया है, एक ऐसी माता जो जीवन देती है, पोषण करती है और संस्कार प्रदान करती है। अथर्ववेद का प्रसिद्ध वाक्य 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' भारतीय चिंतन की इसी भावना को प्रकट करता है। यह वाक्य बताता है कि मनुष्य और भूमि का संबंध केवल उपयोग का नहीं बल्कि आत्मीयता और मातृत्व का है। यही वैदिक आधार 'वन्दे मातरम' की आत्मा में समाहित है। जब बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय ने 'वन्दे मातरम' की रचना की, तब उन्होंने केवल एक राजनीतिक नारा नहीं दिया। उन्होंने भारत की प्राचीन आत्मा को आधुनिक युग में पुनर्जीवित करने का प्रयास किया। उनके लिए भारत केवल एक देश नहीं था बल्कि एक जीवित मातृशक्ति थी, जो लक्ष्मी के रूप में समृद्धि देती है, सरस्वती के रूप में ज्ञान प्रदान करती है और दुर्गा के रूप में शक्ति का संचार करती है। इसीलिए इस गीत की हर पंक्ति में प्रकृति, शक्ति, ज्ञान और मातृत्व का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

सन 1875 का वह काल भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। ब्रिटिश शासन का दमन, सांस्कृतिक अपमान और आत्मगौरव का संकट समाज में गहराई तक समा चुका था। भारतीयों के भीतर अपनी पहचान और आत्मसम्मान को बचाने की तीव्र आकांक्षा जन्म ले रही थी। इसी समय बंकिमचन्द्र ने 'वन्दे मातरम' की रचना की। यह गीत केवल शब्दों का समूह नहीं था बल्कि एक जागरण का मंत्र बनकर उभरा। 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में जब रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इसे स्वर दिया, तब यह गीत पूरे देश में फैल गया और एक राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक बन गया।

धीरे-धीरे यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन का प्राण मंत्र बन गया। साल 1905 के बंग भंग आंदोलन के समय 'वन्दे मातरम' हर गली, हर सभा और हर आंदोलन की धड़कन बन गया। विद्यार्थी जुलूसों में यह गूंजता था, महिलाओं की सभाओं में यह प्रेरणा देता था, क्रांतिकारियों के शपथ पत्रों में यह आत्मबल जगाता था और राष्ट्रीय आंदोलनों में यह एकजुटता का स्वर बन जाता था। यह केवल गीत नहीं रहा, यह आत्मगौरव और स्वतंत्रता की आकांक्षा का घोष बन गया।

श्री अरविन्द ने इसे राष्ट्र आत्मा का मंत्र कहा। लाला लाजपत राय, सुब्रमण्य भारती, लाला हरदयाल और भीकाजी कामा जैसे अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी पत्रिकाओं और पत्रों के शीर्षक में 'वन्दे मातरम' को स्थान दिया। महात्मा गांधी भी अपने कई पत्रों का समापन इसी मंत्र के साथ करते थे। ब्रिटिश सरकार ने इस गीत के प्रभाव को समझा और इसे रोकने के लिए प्रतिबंध लगाए, लोगों को गिरफ्तार किया लेकिन जितना दमन हुआ, उतनी ही इसकी शक्ति और बढ़ती गई। यह जनता के हृदय में बस चुका था और वहां से इसे कोई नहीं हटा सकता था।

समय के साथ यह गीत केवल स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृति बनकर नहीं रह गया बल्कि भारतीय पहचान का स्थायी प्रतीक बन गया। 30 से 31 अक्टूबर तथा 1 नवम्बर 2025 को जबलपुर में आयोजित अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने इसे राष्ट्र चेतना का मूल स्वरबद्ध गीत बताया। उन्होंने कहा कि 'वन्दे मातरम' एक दिव्य गीत है, जो राष्ट्र चेतना को जागृत करता है और समाज को जोड़ने वाली अद्भुत डोर है। उनके अनुसार यह गीत सभी प्रांतों, भाषाओं और समुदायों के बीच समान रूप से स्वीकार्य है और यह सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रीय एकता और आत्मस्वत्व का आधार है। संघ ने समाज से आह्वान किया कि इस 150 वर्ष के पावन काल में 'वन्दे मातरम' की ज्योति हर हृदय में प्रज्ज्वलित हो और इसी भाव से राष्ट्र निर्माण का संकल्प लिया जाए। इसी संदर्भ में 10 फरवरी 2026 को भारत सरकार द्वारा घोषित नए दिशा-निर्देश भी महत्वपूर्ण हैं। इन निदेशों के अनुसार राष्ट्रीय आयोजनों में राष्ट्रगान से पहले 'वन्दे मातरम' के सभी छह अंतरों का गायन किया जाएगा, जिसकी अवधि लगभग तीन मिनट दस सेकंड होगी। राष्ट्रपति के आगमन और प्रस्थान, राष्ट्रीय ध्वज समारोह, पद्म पुरस्कार और अन्य सरकारी कार्यक्रमों में इसे गाना अनिवार्य किया गया है। विद्यालयों में भी प्रार्थना की शुरूआत 'वन्दे मातरम' से करने का सुझाव दिया गया है। हालांकि इस संबंध में किसी प्रकार की कानूनी सजा का प्रावधान नहीं रखा गया है। यह एक दंडात्मक आदेश नहीं बल्कि सांस्कृतिक पुनर्स्थापन का प्रयास है, एक ऐसा प्रयास जो समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने की दिशा में है। आज के समय में 'वन्दे मातरम' अक्सर केवल दो शब्दों तक सीमित होकर रह जाता है। लोग इसे एक नारे के रूप में बोलते हैं किंतु इसकी वास्तविक महत्ता पूरे गीत में निहित है। ये दो शब्द भावना जगाते हैं, लेकिन पूरा गीत चेतना जगाता है।

दैनिक पंचांग

13 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	06.37 बजे से
चंद्र	धनु में	मीन	08.10 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	09.41 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.21 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.19 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.32 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	17.48 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.00 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22.11 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	00.26 ब.से
10.30 से		धनु	02.42 बजे से
12.00 बजे तक		मकर	04.47 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 44 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण
तिथि एकादशी 14.26 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 16.13 बजे को समाप्त।
योग वज्र 03.24 बजे रात्र को समाप्त।
करण बालव 14.26 बजे तदनन्तर कौलव 03.18 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 13° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872619
जूलियन दिन 2461084.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान **तारीख** 24
विशेष विजया एकादशी व्रत।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

पतरातू में कोयला कारोबारियों पर ताबड़तोड़ फायरिंग, 17 खोखे बरामद, दहशत में व्यवसायी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पतरातू : जिले में बढ़ती गोलीबारी की घटनाओं ने व्यवसायिक वर्ग की नींद उड़ा दी है। ताजा मामला पतरातू थाना क्षेत्र के सरैया टोला का है, जहां बुधवार रात करीब 8:45 बजे बाइक सवार अपराधियों ने रेलवे रैक कोयला व्यवसायी गजानंद प्रसाद उर्फ गज्जू साव और सयाल लोकल सेल संचालक नीतीश कुमार के घर पर अंधाधुंध फायरिंग कर दहशत फैला दी। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर फरार हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में भय का माहौल है और कारोबारी वर्ग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावर अत्याधुनिक हथियार से लैस थे।

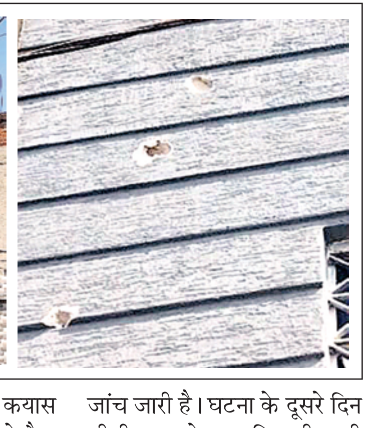

पुलिस ने घटनास्थल से 17 खोखे बरामद किए हैं, जबकि घर की दीवारों पर दर्जनों गोलियों के निशान साफ दिखाई दे रहे हैं। दो दिन बीतने के बाद भी पुलिस को ठोस सुराग नहीं मिल सका है, जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद होने की चर्चा तेज है। स्थानीय स्तर पर यह कयास लगाया जा रहा है कि रेलवे रैक और लोकल सेल से जुड़े कारोबार में रंगदारी को लेकर घटना को अंजाम दिया गया हो सकता है। हालांकि पुलिस ने आधिकारिक रूप से किसी कारण की पुष्टि नहीं की है और सभी पहलुओं पर जांच जारी है। घटना के दूसरे दिन सीसीएल के अधिकारी भी प्रभावित व्यवसायी के घर पहुंचे और स्थिति की जानकारी ली। गौरतलब है कि इससे पूर्व 23 जनवरी 2003 को भी भुरकुंडा बाजार के मुख्य मार्ग पर गजानंद प्रसाद पर जानलेवा हमला हुआ था। उस समय कार पर चलाई गई गोली गेट को भेदते हुए निकल गई थी, जबकि एक गोली साइड मिरर पर लगी थी। चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया था। इस बार की घटना में बड़े आधुनिक हथियार के इस्तेमाल की चर्चा है। सीसीटीवी फुटेज में एक युवक को बाइक से उतरकर झोले से बड़ा हथियार निकालते और कई राउंड फायरिंग करते देखा गया है। इससे अंतरराज्यीय गिरोह की संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने पुलिस के समक्ष कानून-व्यवस्था बनाए रखने की बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। व्यवसायियों ने सुरक्षा बढ़ाने और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की।

एक नजर

अज्ञात चोरों ने की नगदी समेत जेवरात की चोरी, छानबीन में जुटी पुलिस

साहिबगंज: राधानगर थाना क्षेत्र के पश्चिमी उधवा दियारा पंचायत के यार मोहम्मद टोला गांव में बुधवार की देर रात्रि को अज्ञात चोरों ने बंद घर को निशाना बनाकर जेवरात सहित नगदी में हाथ साफ कर फरार हो गया। इस संबंध में गृह मालिक संजीदा खातून ने बताया कि उसके पति कोलकाता गए हुए थे। वे अपने बच्चों के साथ ससुराल के एक पुराने घर पर थे। उन्होंने आगे बताया कि बुधवार की देर रात्रि को बंद घर में अज्ञात चोर ने ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किया। घर में रखे नगदी सहित कीमती गहने जेवरात चोरी कर लिया। घर में रखे अन्य सामानों को भी इधर उधर बिखरा दिया गया। वही चोरी होने की सूचना पड़ोस के लोगों के द्वारा दिए जाने पर वहां पहुंचकर देखी तो घर में रखे सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ मिल। उधर घटना की सूचना मिलते ही राधानगर थाना के सहायक अवर निरीक्षक शिशिर कुमार यादव पुलिस दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गए। वही पुलिस ने पीड़ित परिवार से घटना की जानकारी ली।

घरेलू विवाद में हुए मारपीट में महिला घायल

साहिबगंज: राधानगर थाना क्षेत्र के दरगाह डंगा गांव में गुरुवार को घरेलू विवाद में हुए मारपीट में एक महिला घायल हो गई। अस्पताल में भर्ती घायल रुकसाना बीबी (45) ने बताया कि पारिवारिक विवाद में सास ससुर के द्वारा मारपीट कर घायल कर दिया है। जिसे परिजनों के द्वारा इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया। जहां ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर सादिक अंसारी ने घायल महिला का प्राथमिक इलाज किया। वही मामले को लेकर राधानगर थाना पुलिस छानबीन में जुट गई है।

रामगढ़ दौरे पर डीआईजी की सख्ती : संगठित अपराध के खिलाफ तेज कार्रवाई के निर्देश

पतरातु : उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र, हजारीबाग के पुलिस उप-महानिरीक्षक अंजनी कुमार झा ने 12 फरवरी 2026 को रामगढ़ का दौरा कर कानून-व्यवस्था की स्थिति की व्यापक समीक्षा की। उनके आगमन पर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने स्वागत किया, जबकि पुलिस केंद्र, रामगढ़ में औपचारिक रूप से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। दौरे के दौरान डीआईजी ने पतरातू अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में कार्यालय परिसर की साफ-सफाई, भवन व्यवस्था तथा किट परेड की जांच की गई। इसके बाद अपराध अनुक्रमणी, अपराध मानचित्र, लंबित कांडों की सूची, आगत-निर्गत पंजी, गुंडा पंजी, गैंग पंजी, लूट एवं डकैती पंजी, त्रुटि पंजी और नक्सल पंजी सहित विभिन्न अभिलेखों की विस्तार से समीक्षा की गई। डीआईजी ने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन, अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार तथा रिकॉर्ड संधारण को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान पिछले छह माह में संगठित आपराधिक तत्वों द्वारा अंजाम दी गई हत्या, आगजनी, गोलीबारी, पोस्टरबाजी और धमकी भरे कॉल जैसी घटनाओं की भी समीक्षा की गई। इस समीक्षा में संबंधित अनुसंधानकर्ता, थाना प्रभारी, पुलिस निरीक्षक और पर्यवेक्षी पदाधिकारी मौजूद रहे। डीआईजी ने स्पष्ट किया कि संगठित अपराध पर प्रभावी नियंत्रण पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

दवाओं के नाम पर जहर, रामगढ़ में अवैध बिक्री के आरोपों से मचा हड़कंप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़: जिले में दवाओं की बिक्री को लेकर एक बड़ा और चिंताजनक मामला सामने आ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रामगढ़ में खुलेआम गलत, एक्सपायरी और मानकविहीन दवाओं की बिक्री हो रही है, और इसमें ड्रग प्रशासन कार्यालय के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, जिले के कई मेडिकल स्टोर्स पर बिना वैध बिल, बिना डॉक्टर की पर्ची तथा संदिग्ध कंपनियों की दवाएं बेची जा रही हैं।

इतना ही नहीं, कुछ दवाओं के पैकेट पर निर्माण तिथि और एक्सपायरी तिथि में भी गड़बड़ी पाए जाने की चर्चा है। इसके बावजूद संबंधित विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि समय-समय पर औपचारिक जांच की जाती है, लेकिन वह केवल खानापूर्ति बनकर रह जाती है। आरोप है कि निरीक्षण की पूर्व सूचना लीक कर दी जाती है, जिससे संबंधित दुकानदार पहले से ही तैयारी कर लेते हैं और जांच के दौरान सब कुछ सामान्य दिखाया जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि गलत या नकली दवाओं का सेवन सीधे तौर पर लोगों की जान के साथ खिलवाड़ है। इससे मरीजों की स्थिति बिगड़ सकती है और गंभीर दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं। खासकर ग्रामीण इलाकों में जागरूकता की कमी के कारण लोग आसानी से ऐसी दवाओं का शिकार बन जाते हैं। जिले के सामाजिक संगठनों ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही दवा दुकानों की नियमित और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि आम जनता को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण दवाएं मिल सकें। इस संबंध में जब संबंधित विभाग से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि यदि लिखित शिकायत प्राप्त होती है तो मामले की जांच की जाएगी। अब देखने वाली बात यह है कि प्रशासन इन गंभीर आरोपों को कितनी गंभीरता से लेता है। क्योंकि यह मामला केवल नियमों के उल्लंघन का नहीं, बल्कि सीधे तौर पर आम जनता के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ा हुआ।

बैंकों के निजीकरण रोकने सहित अन्य मांगों को लेकर हड़ताल पर रही कर्मी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर अखिल भारतीय आम हड़ताल के तहत गुरुवार को साहिबगंज में कई बैंकों के कर्मियों ने भी प्रदर्शन किया। ऑल इंडिया बैंक ऑफ इंडिया एम्प्लॉइज एसोसिएशन के जिला सदस्य शशिकांत ने बताया कि बैंकों, एलआईसी व जीआईसी में निजीकरण व विनिवेश रोकने, आईडीबीआई बैंक को बेचने का निर्णय वापस लेने, मजदूर विरोधी श्रम संहिताएं वापस लेने, मजदूर व युवाओं के रोजगार पर हमला बंद करने, बीमा क्षेत्र में 100% एफडीआई वृद्धि वापस लेने, सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों को एक इकाई में विलय करने, पर्याप्त भर्ती सुनिश्चित करने, युवाओं को स्थायी रोजगार देने, आउटसोर्सिंग व ठेका प्रथा बंद कर मजदूरों का शोषण रोकने, एनपीएस खत्म कर ओपीएस बहाल कर युवाओं का भविष्य सुनिश्चित करने, एफटीए योजना बंद करने, कार्पोरेट्स से बकाया व डूबा कर्ज की वसूली के लिए कड़े कदम उठाने, आम ग्राहकों के लिए बैंकों में सेवा शुल्क कम करने सहित कई मांग शामिल हैं। बताया कि इस हड़ताल में एसबीआई को छोड़ कर सभी बैंक शामिल थे।

बाल विवाह मुक्त एवं मिशन शक्ति पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज: जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे प्रशासनिक अभियान के तहत गुरुवार को बरहरवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कोटालपोखर पंचायत भवन में बाल विवाह मुक्त एवं मिशन शक्ति विषयक प्रशिक्षणझसहझकार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला पर्यवेक्षिका अरुणा मिंज ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में कोटालपोखर पंचायत की मुखिया सेरोफिना हेंब्रम उपस्थित रहीं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ा सोनाकर पंचायत, कोटालपोखर पंचायत एवं पथरिया पंचायत से सहिया, वार्ड सदस्य तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। इस दौरान बाल विवाह के दुष्परिणामों, संबंधित कानूनी प्रावधानों एवं मिशन शक्ति के उद्देश्यों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा को समाप्त करने के लिए पंचायत स्तर पर व्यापक जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहिया एवं वार्ड सदस्यों की सक्रिय सहभागिता से ही इस अभियान को सफल बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों को बाल विवाह रोकने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का सामूहिक संकल्प दिलाया गया।

ग्लोबल विस्डम इंग्लिश पब्लिक स्कूल में वार्षिक उत्सव का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के महेशपुर प्रखंड अंतर्गत ग्राम बड़कियारी स्थित ग्लोबल विस्डम इंग्लिश पब्लिक स्कूल में बुधवार को वार्षिक उत्सव (एनुअल डे) का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व उप प्रमुख राम चन्द्र साहा के द्वारा दीप प्रज्वलन एवं बच्चों के सरस्वती वंदना के साथ हुआ। विद्यालय परिवार की ओर से मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का स्वागत माला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, लघु नाटक एवं आकर्षक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य उपासना मरांडी शामिल हुईं। उनके साथ झारखण्ड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के महासचिव रामरंजन कुमार सिंह, प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी आकाश भगत, पूर्व जिला अध्यक्ष जय दत्ता, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल वदूद, सांसद प्रतिनिधि कुणाल अल्फ्रेड हेंब्रम तथा महेशपुर थाना प्रभारी रवि शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि उपासना मरांडी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा समाज को नई दिशा देने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन और मेहनत के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी तथा विद्यालय प्रबंधन की सराहना की। वहीं झारखण्ड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के महासचिव रामरंजन कुमार सिंह ने अपने संबोधन में उपस्थित अभिवावकों से अनुरोध किया कि अपने व्यस्त समय में से कुछ समय अपने बच्चों को जरूर दें और विद्यालय के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। आगे उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करते हैं।

हाई कोर्ट के आदेश पर पीटीपीएस जनता नगर में अवैध कब्जों पर चला बुलडोजर, 10 दिन की राहत की चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पतरातू : उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुपालन में गुरुवार सुबह से पीटीपीएस जनता नगर आवासीय कॉलोनी में अवैध रूप से रह रहे लोगों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। प्रशासनिक सख्ती के बीच बड़ी संख्या में पुलिस बल और दंडाधिकारियों की मौजूदगी से पूरे क्षेत्र में हलचल मच गई। अधिकारियों के पहुंचते ही कई लोग स्वयं ही अपने-अपने क्वार्टर खाली कर सामान हटाने लगे। प्रशासन की ओर से जनता नगर कॉलोनी में अवैध रूप से बने झोपड़ी, गैरेज

और अन्य अस्थायी ढांचों को जेसीबी मशीन से ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के लिए दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। इससे एक दिन पूर्व ही आम सूचना जारी कर अवैध कब्जाधारियों को निर्धारित समय तक आवास खाली करने का निर्देश दिया गया था। पतरातू अंचल अधिकारी मनोज कुमार चौरसिया ने बताया कि हेसला, उचरिंगा और कटिया क्षेत्र में स्थित वे सभी क्वार्टर, जो झारखंड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार (जियाडा) रांची को हस्तांतरित 222 एकड़ 29 डिसमिल भूमि पर बने हैं, उन्हें खाली कराने की प्रक्रिया न्यायालय के आदेश के तहत की जा रही है। सूचना में स्पष्ट कहा गया था कि 12 फरवरी की सुबह 9 बजे से भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई शुरू होगी। प्रशासनिक अभियान में एसडीओ अनुराग तिवारी, एसडीपीओ गौरव गोस्वामी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रंजीता टोप्पो, कार्यपालक दंडाधिकारी अंबिका कुमारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता दीप्ति प्रियंका कुजूर, पुलिस इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह, बीडीओ मनोज कुमार गुप्ता, चितरपुर अंचल अधिकारी दीपक मिंज, अंचल अधिकारी तृप्ति विजया कुजूर, पुअनि शिवलाल कुमार गुप्ता सहित भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहे। कार्रवाई के दौरान विधायक रोशन लाल चौधरी भी अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ मौके पर पहुंचे और एसडीओ से बातचीत की। इसके बाद वे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले। चर्चा है कि पहल के बाद प्रभावित परिवारों को क्वार्टर खाली करने के लिए 10 दिन की अतिरिक्त मोहलत दिलाने का प्रयास किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

नगर निकाय चुनाव 2026 हेतु कर्मियों का द्वितीय यादृच्छिकीकरण संपन्न

साहिबगंज: नगर निकाय आम निर्वाचन-2026 के सफल एवं निष्पक्ष संचालन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-डीसी हेमंत सती एवं सामान्य प्रेक्षक की अध्यक्षता में एनआईसी कार्यालय में कर्मियों का द्वितीय यादृच्छिकीकरण किया गया। इस दौरान निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं कर्मियों का कंप्यूटराइज्ड प्रणाली के माध्यम से पारदर्शी ढंग से द्वितीय चरण का रैंडमाइजेशन संपन्न कराया गया। डीसी ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए यादृच्छिकीकरण की प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्वाचन से जुड़े सभी कार्य समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न किए जाएं। द्वितीय यादृच्छिकीकरण के माध्यम से मतदान दलों का गठन कर उन्हें संबंधित मतदान केंद्रों के लिए आवंटित किया गया। पूरी प्रक्रिया सामान्य प्रेक्षक की उपस्थिति में संपन्न हुई, जिससे पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सके। मौके पर निवार्ची पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुनीता किस्कु सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुफ्फसिल पुलिस ने पुराने मामले में तीन अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: मुफ्फसिल थाना पुलिस ने तीन अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार मुफ्फसिल थाना कांड संख्या-44/25, दिनांक 03 मई 25, धारा 303(2) बीएनएस के अप्राथमिकी अभियुक्त सौरभ कुमार पिता संजय मंडल साकिन लैलख ममलखा, थाना सबौर जिला भागलपुर (बिहार), एवं मुफस्सिल थाना कांड संख्या 43/25, दिनांक 03 मई 25, धारा- 51(2)/352/303(2)/323/3(5) बीएनएस के प्राथमिकी अभियुक्त, देव कुमार ओझा उर्फ काला ओझा, पवन कुमार ओझा दोनों पिता स्वर्गीय नंदकिशोर ओझा साकिन पुरानी साहिबगंज, थाना नगर, जिला साहिबगंज को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

आंगनबाड़ी केन्द्र लोहंडा पड़ड़ा में जनकल्याण योजनाओं हेतु विशेष शिविर का सफल आयोजन

साहिबगंज: बोरियो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत आंगनवाड़ी केन्द्र लोहंडा पड़ड़ा में जनकल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं लाभुकों को त्वरित लाभ उपलब्ध कराने हेतु विशेष शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में मुख्यमंत्री जन-कल्याण योजना, पोषण अभियान, बाल विकास परियोजना एवं अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को दी गई। पात्र लाभुकों का आधार से मोबाइल लिंक, तथा विभिन्न योजनाओं हेतु ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण किया गया। कार्यक्रम में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों, पर्यवेक्षकों एवं आंगनवाड़ी सेविकाओं की सक्रिय भागीदारी रही। शिविर के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की एवं आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कराया। कई लाभुकों का आधार से मोबाइल नंबर सफलतापूर्वक जोड़ा गया तथा योग्य लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। जिला प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे सरकार की जनहितकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएं तथा आवश्यक दस्तावेजों को अद्यतन रखें, ताकि किसी भी योजना से वंचित न रहें। यह शिविर ग्रामीण क्षेत्र में सेवा-सुविधाओं को सुलभ एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान चलाया गया

साहिबगंज: तालझारी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान 30 जनवरी से 14 फरवरी 2026 तक चल रहे कार्यक्रम में तालझारी हाट बाजार में हटिया में आए हुए ग्रामीण को हैंड वितरण किया गया। कुष्ठ रोग के बारे में बताया गया कि अगर किसी भी व्यक्ति को शरीर में किसी भी प्रकार का दाग हो जो आपके आस पास या पड़ोस में रहते हो तो उसे इलाज कराने के लिए प्रेरित करेंगे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालझारी अस्पताल में भेजेंगे झारखंड सरकार द्वारा मिलने वाली कुष्ठ रोगी को मोबिलिटी राशि एवं विकलांगता संबंधी सुविधाएं कि पूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही कुष्ठ रोग क्या है,, यह अन्य बीमारियों की तरह ये भी रोग जो दवा बारह महीने खाने पर पूर्णत: स्वस्थ हो जाता है। इसका इलाज और दवा अस्पताल में मुफ्त है। स्पर्श जागरूकता अभियान में एक नया रोगी मो. एडल्ट मिला जिसे दवा और मिलने वाली मोबिलिटी का फॉर्म में पूरी प्रकिया कर ली गई।

प्री प्रेरेट्री सेन्टर में फाइलेरिया की दवा खिलाई गई

अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड के प्री प्रेरेट्री सेन्टर (हाई स्कूल रोड) में गुरुवार को स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा फाइलेरिया की दवा खिलाई गई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक हरिहर प्रसाद भगत की उपस्थिति में आंगनबाड़ी सेविका प्रभावती देवी, सहिया धनेश्वरी देवी और जियामुनि देवी के द्वारा बच्चों और सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को फाइलेरिया और कृमि की खुराक खिलाई गई। बता दें कि सरकार द्वारा फाइलेरिया को लेकर अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें लोगों के घर-घर व स्कूल जाकर बच्चों को दवा खिलायी जा रही है, ताकि उन्हें फाइलेरिया होने से रोका जा सके। इस अभियान के तहत, दो साल से अधिक उम्र के सभी बच्चों को फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कराना मुख्य लक्ष्य है। मौके पर प्राचार्य हरिहर प्रसाद भगत ने बच्चों को मच्छरों के पनपने के स्रोतों को नष्ट करने पर जोर देते हुए, मच्छरदानी के उपयोग की सलाह दी। इसके अतिरिक्त, घरों और आसपास के इलाकों में पानी का जमाव न होने देने तथा साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की महत्वपूर्ण सलाह दी।

इंडिया इम्पैक्ट समिटः एआई महाशक्ति बनने की ओर भारत का बड़ा कदम

- 70-100 अरब डॉलर निवेश की संभावना, 100 से अधिक देशों के दिग्गज दिल्ली में जुटेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)।

नई दिल्ली में आयोजित होने जा रहे इंडिया इम्पैक्ट समिट में दुनिया भर के 100 से अधिक देशों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षेत्र के प्रमुख विशेषज्ञ, शीर्ष कंपनियों के मुख्य कार्याधिकारी और राष्ट्र प्रमुख भाग लेंगे। दो दिवसीय इस सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। आयोजन में 35,000 से अधिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति की संभावना है और 70 से 100 अरब डॉलर तक के निवेश की घोषणाएं हो सकती हैं। भारत इस मंच के माध्यम से स्वयं को अमेरिका और चीन के बीच एआई क्षेत्र में एक वैकल्पिक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करना चाहता है। इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'संप्रभु एआई' को राष्ट्रीय लक्ष्य बताते हुए कहा कि भारत को एआई के पांच प्रमुख स्तरों-एप्लीकेशंस, मॉडल, चिपसेट, अधोसंरचना और ऊर्जा-में प्रतिस्पर्धी बनना होगा। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल डिजिटल बाजार है। चैटजीपीटी के डाउनलोड के मामले में भारत अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। सेंसरटॉवर के अनुसार 2025 में वैश्विक जनरेटिव एआई ऐप डाउनलोड का 16 प्रतिशत भारत से हुआ। विश्व आर्थिक मंच में प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार 86 प्रतिशत भारतीय कंपनियां एआई का उपयोग कर रही हैं या इसकी संभावनाएं तलाश रही हैं। हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। अभी तक कोई भारतीय एआई कंपनी 1,000 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व के स्तर तक नहीं पहुंची है। सेमीकंडक्टर, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग और ऊर्जा अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में बड़े निवेश की आवश्यकता है।

साथ ही पारंपरिक आईटी सेवा कंपनियों के लिए एआई युग में प्रतिस्पर्धा बनाए रखना भी बड़ी परीक्षा होगी। इंडिया इम्पैक्ट समिट भारत की एआई महत्वाकांक्षा को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है।

सिएरा का 1.5 लीटर टीजीडीआई हायपेरियन इंजन है सबसे तेजः सर्वे

नई दिल्ली ।

टाटा सिएरा के इंजनों की परफॉर्मेंस सामने आई है, जिससे आप अपनी ड्राइविंग स्टाइल के मुताबिक सही वेरिएंट चुन सकते हैं। ऑटोकार इंडिया के डेटा के आधार पर सिएरा का 1.5 लीटर टीजीडीआई हायपेरियन इंजन सबसे तेज है, जबकि नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन अपेक्षाकृत स्लो परफॉर्मेंस देता है। 1.5 लीटर टीजीडीआई टर्बो-पेट्रोल इंजन ने परफॉर्मेंस के मामले में खुद को सबसे आगे साबित किया है। यह इंजन मात्र 10.09 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेता है, जो इसे अपने सेगमेंट की सबसे फास्ट कारों में शामिल करता है। टेस्ट ट्रैक नटराक्स पर कंपनी ने इस इंजन के साथ 222 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड भी हासिल की थी, हालांकि प्रोडक्शन मॉडल में इसकी टॉप स्पीड 190 किमी प्रति घंटे तक सीमित रखी गई है।

इतना ही नहीं, यह इंजन शक्तिशाली होने के साथ रिफाइंड और फ्यूल-एफिशिएंट भी है। यह वेरिएंट फिलहाल सिर्फ ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में उपलब्ध है। दूसरी ओर, 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल (रेवोट्रॉन) इंजन थोड़ा धीमा है और 0 से 100 की स्पीड पकड़ने में 17.34 सेकंड लेता है।

इसका टॉर्क डिलीवरी कम आरपीएम पर अच्छी है, जिससे यह शहर की ड्राइविंग के लिए बेहतर है। स्मूथ और रिफाइंड ड्राइविंग अनुभव होने के बावजूद ओवरटेकिंग के दौरान थोड़ी प्लानिंग की जरूरत पड़ती है। यह इंजन मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध है, जिसका गियरशिफ्टिंग अनुभव काफी अच्छा है। सबसे धीमा परफॉर्मेंस 7-स्पीड ड्यूल-क्लच ऑटोमैटिक के साथ आता है, जिसे 0-100 किमी/घंटा रफ्तार पकड़ने में 21.16 सेकंड लगते हैं। गियर शिफ्टिंग के समय हल्का पॉज महसूस होता है, जिससे इसका एक्सेलेरेशन थोड़ा रिलैक्स्ड लगता है। अगर आप एक बैलेंस्ड और बेहतर एक्सेलरेशन वाले विकल्प की तलाश में हैं, तो 1.5 लीटर डीजल इंजन अच्छा विकल्प बनता है। यह इंजन मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों गियरबॉक्स के साथ आता है और 12.87 सेकंड में 0-100 की स्पीड पकड़ सकता है।

17.15 लाख करोड़ के पूंजीगत व्यय से विकसित भारत को मिली रफ्तारः वित्त मंत्री

बुनियादी ढांचा, बायोफार्मा, सेमीकंडक्टर और एमएसएमई पर जोर

नई दिल्ली ।

लोकसभा में बजट पर सामान्य चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार द्वारा किया गया 17.15 लाख करोड़ रुपये का प्रभावी पूंजीगत व्यय विकसित भारत के लक्ष्य को तेजी से हासिल करने में सहायक होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वित्त वर्ष 2027 के लिए प्रत्यक्ष पूंजीगत व्यय 12.22 लाख करोड़ रुपये निर्धारित है, लेकिन राज्यों और केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों को पूंजी हस्तांतरण सहित कुल प्रभावी व्यय 17.15 लाख करोड़ रुपये है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 प्रतिशत है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का जोर केवल राष्ट्रीय राजमार्गों तक सीमित नहीं है, बल्कि जलमार्गों के विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत कम करना और दूरदराज़ राज्यों को सस्ती एवं तेज परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है। इससे उन राज्यों को विशेष लाभ मिलेगा जो समुद्री बंदरगाहों से सीधे नहीं जुड़े हैं। सीतारमण ने कहा कि यह बजट 21वीं सदी के इस चरण का पहला बजट है और इसमें भविष्य को ध्यान में रखते हुए निवेश किया गया है। बायो-फार्मा क्षेत्र में बायोसिमिलर दवाओं के अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि गंभीर और दीर्घकालिक बीमारियों के इलाज में भारत अग्रणी बन सके। इसके साथ ही इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 की शुरुआत की गई है, जिससे देश तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा। कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण तकनीक में निवेश को 2070 तक नेट-जीरो लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया। श्रम-आधारित और विरासत उद्योगों के पुनरुद्धार के साथ एमएसएमई और मध्यम उद्योगों को वित्तीय सहयोग देने की भी घोषणा की गई है। मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पांच क्षेत्रीय केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जिनके चयन में पीएम गति शक्ति के मानदंड लागू होंगे। वित्त मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि ऋण-जीडीपी अनुपात को लक्ष्य बनाना नया कदम नहीं है, बल्कि इसे 2018 में एफआरबीएम संशोधन में शामिल किया जा चुका है।

मिस-सेलिंग रोकने के लिए आरबीआई का सख्त रुख

- बैंक स्टाफ के लिए नई गाइडलाइन जारी

नई दिल्ली ।

वित्तीय उत्पादों की भ्रामक बिक्री (मिस-सेलिंग) करने के मामले पर रोक लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सख्त रुख अपनाया है। बैंकिंग नियामक ने बीमा कंपनियों या म्युचुअल फंडों जैसे तीसरे पक्ष के उत्पादों और सेवाओं को बेचने के लिए बैंक कर्मचारियों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि पर रोक लगाने का प्रस्ताव किया है। आरबीआई ने कहा कि बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए यूजर इंटरफेस में कोई डार्क पैटर्न इस्तेमाल न हो। बीते सोमवार को जारी विनियमित इकाइयों द्वारा वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के विज्ञापन, मार्केटिंग और बिक्री के लिए संशोधित दिशानिर्देश के मसौदे में यह प्रस्ताव किया गया है कि कोई बैंक किसी भी तीसरे पक्ष के उत्पाद की बिक्री को अपने किसी उत्पाद के साथ जोड़कर नहीं करेगा। अगर बैंक अपने उत्पाद को बेचने के लिए तीसरे पक्ष के उत्पाद की खरीद पर निर्भर है तो ग्राहक को किसी दूसरी कंपनी से वही उत्पाद खरीदने का विकल्प दिया जाना चाहिए। अगर भ्रामक तरीके से बिक्री की बात साबित होती है तो बैंकों को पूरी रकम वापस करनी होगी और ऐसे उत्पादों की बिक्री से होने वाले किसी भी नुकसान के लिए बैंक ग्राहकों को हर्जाना भी देंगे। नियामक ने कहा कि बैंक यह सुनिश्चित करेगा कि उत्पादों और सेवाओं की बिक्री के लिए व्यावसायिक इकाइयों के बीच प्रतिस्पर्धा की नीतियां और कार्य न तो गलत बिक्री के लिए प्रोत्साहित करेंगे और न ही कर्मचारियों/प्रत्यक्ष बिक्री एजेंटों को उत्पाद/सेवाओं की बिक्री पर जोर देने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। प्रस्तावित नियम बैंकों और बीमा कंपनियों/म्युचुअल फंडों दोनों के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है क्योंकि वे अपने उत्पादों के वितरण के लिए बैंकों पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। दूसरी ओर बैंकों को ऐसे उत्पादों के वितरण के लिए फीस मिलती है।

पिछले साल नवंबर में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश के बैंकिंग तंत्र में लोगों का भरोसा बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया था

और ऋणदाताओं से उत्पादों की भ्रामक बिक्री पर रोक लगाने की अपील की थी। बैंकिंग नियामक ने भी कहा था कि बैंकों को अपनी मुख्य कारोबारी गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए।

सोना-चांदी निवेश में तेजी, बदल रहा है निवेशकों का रुझानः रिपोर्ट

- निवेशकों को संतुलित और चरणबद्ध रणनीति अपनाने की सलाह

मुंबई ।

दुनिया भर में आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच सोना और चांदी निवेशकों के लिए फिर से आकर्षक विकल्प बन गए हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हालिया तेजी केवल अल्पकालिक उछाल नहीं, बल्कि दीर्घकालिक मजबूत ट्रेंड की शुरुआत हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार बड़े वैश्विक निवेशक अब सोने को अपने पोर्टफोलियो में स्थायी रूप से शामिल कर रहे हैं। पहले इसे केवल संकट के समय सुरक्षित निवेश माना जाता था, लेकिन अब यह लंबी अवधि की रणनीति का हिस्सा बन रहा है। केंद्रीय बैंकों की लगातार सोने की खरीद और ब्याज दरों में संभावित कटौती की उम्मीदें भी सोने की कीमतों को मजबूत आधार दे रही हैं। अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती और डॉलर की कमजोरी विशेष रूप से सोने के लिए सकारात्मक हैं। भारतीय निवेशकों के लिए रुपये की कमजोरी अतिरिक्त रिटर्न का अवसर देती है। चांदी की कीमतों में तेजी सिर्फ निवेश से

नहीं बल्कि औद्योगिक मांग से भी प्रभावित है। सोलर पैनल, रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिक व्हीकल जैसे क्षेत्रों में बढ़ती खपत चांदी की दीर्घकालिक कीमतों को समर्थन देती है। रिपोर्ट के मुतो बिक नए निवेशकों को कुल पोर्टफोलियो का 5-10 फीसदी हिस्सा सोना और चांदी में रखने और निवेश चरणबद्ध करने की सलाह दी गई है। जिन निवेशकों की हिस्सेदारी 25-30 फीसदी से अधिक है, उन्हें पोर्टफोलियो की समीक्षा कर आंशिक मुनाफा वसूलने की सलाह दी गई है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 19 पैसे की तेजी के साथ ही 90.59 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 38 पैसे उछलकर 90.40 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी निवेश प्रवाह और केंद्रीय बैंक के संभावित हस्तक्षेप से इसे समर्थन मिला है। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ये सुनिश्चित किया कि बैंकों में पर्याप्त नकदी बनी रहे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.55 पर खुला। फिर इसने गति पकड़ी और 90.40 तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 38 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया प्रारंभिक कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 90.56 तक भी पहुंचा। रुपया बुधवार को 22 पैसे की गिरावट के साथ 90.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ 96.78 पर रहा था।

भारतीय स्टेट बैंक बनी देश की चौथी सबसे बड़ी लिस्टेड कंपनी

- मार्केट कैप में टीसीएस को पछाड़ कर हासिल किया मुकाम

मुंबई । देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने हाल ही में शेयर बाजार में शानदार प्रदर्शन करते हुए टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को पीछे छोड़ दिया है। बुधवार को बाजार बंद होने तक एसबीआई का मार्केट कैप 10.92 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया, जबकि टीएसीएस का मार्केट कैप 10.52 लाख करोड़ रुपए था। इस वृद्धि के कारण एसबीआई अब देश की चौथी सबसे बड़ी लिस्टेड कंपनी बन गई है। मार्केट कैप के आधार पर देश की शीर्ष पांच लिस्टेड कंपनियां इस प्रकार हैं-रिलायंस इंडस्ट्रीज- 19.87 लाख करोड़, एचडीएफसी बैंक-14.16 लाख करोड़, भारती एयरटेल- 11.47 लाख करोड़, एसबीआई- 10.92 लाख करोड़ और टीसीएस का मार्केट कैप-10.52 लाख करोड़ रपए था। एसबीआई के शेयरों में पिछले तीन कारोबारी सत्रों में लगभग 11 फीसदी की तेजी आई। निवेशकों का सरकारी बैंकों में बढ़ता भरोसा और मजबूत तिमाही नतीजे इस तेजी के मुख्य कारण हैं। एसबीआई ने तीसरी तिमाही में *21,030 करोड़ रुपए का लाभ दर्ज किया, जो बाजार अनुमानों से करीब 18 फीसदी अधिक है। बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम 9 फीसदी बढ़कर 45,190 करोड़ रुपए हो गई। घरेलू मार्जिन बढ़कर 3.12 फीसदी पर पहुंच गया, जबकि कुल मार्जिन 2.99 फीसदी स्थिर रहा। लोन पोर्टफोलियो में 15.6 फीसदी वृद्धि और जमा में 9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। क्रेडिट कॉस्ट केवल 0.29 फीसदी रही, जो बैंक की मजबूत वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। वहीं आईटी सेक्टर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण टीसीएस के शेयरों में पिछले पांच दिनों में लगभग 4 फीसदी की गिरावट** आई, जिससे रैंकिंग में बदलाव हुआ।

सेल का बिक्री लक्ष्य 2 करोड़ टन, ऋण घटाने और दक्षता बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली । स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने वित्त वर्ष 2025-26 में दो करोड़ टन स्टील बेचने का लक्ष्य रखा है। पिछले वर्ष इसकी बिक्री 1.79 करोड़ टन थी। अप्रैल-दिसंबर 2025 की नौ महीने की अवधि में कंपनी ने 1.66 करोड़ टन की बिक्री दर्ज की, जो 16.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। सेल ने अप्रैल-दिसंबर 2025 में 5,000 करोड़ रुपए का ऋण चुकाया। 31 दिसंबर तक कुल ऋण 24,852 करोड़ रुपए था, जबकि जनवरी 2026 में इसमें 2,000 करोड़ रुपए और कटौती हुई। कंपनी परिचालन दक्षता, लागत अनुकूलन और मजबूत कोष प्रबंधन पर जोर दे रही है। कंपनी के एक अे धिकारी के अनुसार ये कदम वित्तीय स्थिति सुधारने और विकास निवेशों के अवसर बनाने में मदद कर रहे हैं। सेल केंद्रित विपणन पहलों और बेहतर प्रबंधन के जरिये अपनी नींव मजबूत कर रही है। इस मजबूत आधार के साथ कंपनी वित्त वर्ष 2025-26 में दो करोड़ टन बिक्री हासिल करने की उम्मीद कर रही है।

पतंजलि फूड्स ने 9 महीनों में तोड़ा रिकॉर्ड, राजस्व 29,000 करोड़ के पार

- कंपनी ने तीसरी तिमाही में 594 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया

नई दिल्ली । बाजार की अनिश्चितता और वैश्विक मंदी के बीच बाबा रामदेव की अगुवाई वाली पतंजलि फूड्स ने वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में अभूतपूर्व सफलता दर्ज की। कंपनी का कुल राजस्व 29,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। हालिया तीसरी तिमाही में भी कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा, जिसमें राजस्व 10,500 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही से 16 फीसदी अधिक है। कंपनी ने तीसरी तिमाही में लगभग 594 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया। हालांकि ऐ बिटा 500 करोड़ रुपये के नीचे दर्ज किया गया, लेकिन कुल ग्रोथ ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया है। पतंजलि की सफलता के पीछे उसके एफएमसीजी सेगमेंट का अहम योगदान है। इस विभाग ने साल-दर-साल 39 फीसदी की वृद्धि दिखाई और कुल मुनाफे में महत्वपूर्ण हिस्सा रखा। खाद्य तेल का सेक्टर भी कंपनी के लिए रेवेन्यू का बड़ा स्तंभ बना। फूड ऑयल सेगमेंट ने 7,335 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न किया, जिसमें कुल तेल बिक्री का 85 फीसदी ब्रांडेड उत्पादों से हुआ। कंपनी ने न केवल अपने पुराने ग्राहकों को बनाए रखा बल्कि नए बाजारों में भी प्रवेश किया। बिस्कुट, नूडल्स और अन्य रोजमर्रा की चीज़ों की बढ़ती डिमांड ने रेवेन्यू में योगदान बढ़ाया।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 558 , निफ्टी 146 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले सकरात्मक संकेतों के बाद भी आईटी शेयरों में बिकवाली के कारण आई है। इससे दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाबा बीएसई सेंसेक्स 558.72 अंक टूटकर 83,674.92 और 50 शेयरों वाला एनएस निफ्टी 146.65 अंक फिसलकर 25,807.20 पर बंद हुआ। इन दौरान निफ्टी आईटी शेयरों में भारी गिरावट रही और ये 5.51 फीसदी टूटकर बंद हुए। निफ्टी रियल्टी , निफ्टी मीडिया , निफ्टी ऑयल एंड गैस , निफ्टी सर्विसेज), निफ्टी एनर्जी और निफ्टी एफएमसीजी में भी गिरावट रही।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में तेजी रही। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बड़ी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 283.70 अंक फिसलकर 60,470.85 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 110.90 अंक नीचे आकर 17,344.10 पर बंद हुआ।सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, बीईएल, एसबीआई, टाइटन, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, भारती एयरटेल और टाटा स्टील के शेयर लाभ में रहे थे जबकि टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक, एमएंडएम, एचयूएल, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई। आईटी कंपनियों में तेज बिकवाली के चलते बाजार पर दबाव बना रहा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 409 अंकों की गिरावट के साथ 83,825 के स्तर पर पहुंच गयावहीं निफ्टी भी 113 अंक फिसलकर 25,841 पर आ गया।। वहीं आज एशियाई बाजारों में मजबूती रही। जापान का निक्केई 225 पहली बार 58,000 के स्तर को पार कर गया। निक्केई 225 में 0.5 फीसदी की बढ़त रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 1.9 फीसदी उछला। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी एएसएक्स 200 सूचकांक 0.6 फीसदी बढ़ा। वहीं अमेरिका में बुधवार को प्रमुख सूचकांक हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 लगभग स्थिर रहा जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.16 फीसदी फिसला और डॉव जोन्स 0.13 फीसदी गिरा।

आईसीआईसीआई समूह को एचडीएफसी बैंक में हिस्सेदारी बढ़ाने आरबीआई से मंजूरी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी और आईसीआईसीआई समूह की अन्य कंपनियों को एचडीएफसी बैंक में अपनी हिस्सेदारी 9.95 फीसदी तक बढ़ाने की अनुमति दे दी है। एचडीएफसी बैंक ने बुधवार देर रात यह जानकारी शेयर बाजार को दी। 6 फरवरी तक आईसीआईसीआई समूह के पास एचडीएफसी बैंक में कुल 4.07 फीसदी हिस्सेदारी थी। आरबीआई की मंजूरी के बाद समूह अब अपनी हिस्सेदारी रणनीतिक रूप से बढ़ा सकता है। आरबीआई ने यह अनुमति एक साल की अवधि के लिए दी है। साथ ही यह स्पष्ट किया गया है कि आईसीआईसीआई समूह की कुल हिस्सेदारी किसी भी समय 9.95 फीसदी से अधिक नहीं होनी चाहिए। यदि किसी वजह से हिस्सेदारी 5 फीसदी से नीचे चली जाती है, तो इसे फिर से 5 फीसदी या उससे अधिक बढ़ाने के लिए आरबीआई से नई मंजूरी लेनी होगी।

इसका मतलब है कि हिस्सेदारी बढ़ाने और बनाए रखने दोनों पर आरबीआई की निगरानी बनी रहेगी। एचडीएफसी बैंक भारत का सबसे बड़ा बैंक है, जिसकी बाजार पूंजीकरण लगभग 157 अरब डॉलर है।

आईसीआईसीआई समूह की हिस्सेदारी बढ़ाना रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बाजार की नजर अब इस बात पर टिकी है कि आईसीआईसीआई समूह कितनी तेजी से अपनी हिस्सेदारी बढ़ाता है और इसका एचडीएफसी बैंक के शेयरों पर क्या प्रभाव पड़ता है।

सैमसंग पेश करेगा नया गैलेक्सी एस26 एआई स्मार्टफोन

सोल । सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इस महीने अमेरिका में होने वाले गैलेक्सी अनपैक्ड 2026 इवेंट में अपना नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन पेश करेगा। कार्यक्रम 25 फरवरी, को सैन फ्रांसिस्को में आयोजित होगा। कंपनी ने अपने आमंत्रण में कहा- द नेक्स्ट एआई फोन मेक्स योर लाइफ ईजियर। नए स्मार्टफोन, संभवतः गैलेक्सी एस26, में उन्नत एआई फीचर्स होंगे। यह फोन रोजमर्रा के काम आसान बनाने, आत्मविश्वास बढ़ाने और गैलेक्सी एआई को सहज रूप से एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। फोन में नया प्राइवेसी फीचर भी शामिल होगा, जिससे यूजर्स स्क्रीन की जानकारी दूसरों से छिपा सकेंगे। इसके लिए किसी अतिरिक्त स्क्रीन गार्ड की आवश्यकता नहीं होगी। यूजर्स विभिन्न सेटिंग्स के माध्यम से स्क्रीन की विज़ीबिलिटी नियंत्रित कर पाएंगे, जिससे शोल्डर सर्फिंग से बचाव होगा। सैमसंग ने इस तकनीक को विकसित करने में पांच साल से अधिक समय लगाया। यह फीचर विशेष रूप से एस26 अल्ट्रा मॉडल में उपलब्ध हो सकता है और एआई के नए दौर की शुरुआत का संकेत देता है।

संस्थागत निवेशकों ने एथर एनर्जी में खरीदी 1.92 फीसदी हिस्सेदारी

- एनआईआईएफ ने यह सौदा अपनी सहयोगी इकाई एनआईआई-2 के माध्यम से किया

नई दिल्ली। नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) ने एथर एनर्जी में अपनी 1.92 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी है। एनआईआईएफ ने यह सौदा अपनी सहयोगी इकाई एनआईआई-2 के माध्यम से किया। दिसंबर तिमाही के अंत तक एनआईआईएफ के पास यह हिस्सेदारी थी, जो अब पूरी तरह बिक चुकी है। खुली बाजार में हुई इस लेनदेन में मॉर्गन स्टेनली, गोल्डमैन सैश, सोसाइटी जनरली, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी सहित प्रमुख संस्थागत निवेशकों ने कुल 73,33,219 शेयर खरीदे। औसत कीमत 710 रुपये प्रति शेयर रही, जिससे कुल सौदे का मूल्य लगभग 521 करोड़ रुपये बना। इस खरीद में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, टाटा म्यूचुअल फंड, इनवेस्को म्यूचुअल फंड, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड, आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्यूचुअल फंड, व्हाइटओक कैपिटल म्यूचुअल फंड और टाटा एआईजी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी शामिल हैं। इस सौदे के बाद एनआईआईएफ एथर एनर्जी में पूरी तरह बाहर हो गया है, जबकि संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़ी है।

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से आईटी पार्क तक, बड़े शहर का सपना होगा साकार

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में कई महत्वाकांक्षी योजनाएं आकार ले रही हैं। ऐसे में बड़े शहर बनने का सपना बहुत जल्द साकार होने वाला है। भारत सरकार स्मार्ट सिटी मिशन, विकसित भारत और धोलेरा जैसे योजनाओं के जरिए कई क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी और सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर फोकस कर रही है।

इसमें क्षेत्र का विकास, डिजिटल स्किल्स और अच्छी सुविधाओं को शामिल किया जा रहा है, लेकिन इसके इतर भी कई योजनाएं चल रही हैं। ऐसे में लक्ष्य समय से पहले ही दरभंगा को बड़ी सिटी का दर्जा मिलने की संभावना बढ़ गई है। इसे लेकर केंद्र और राज्य सरकार की कई महत्वाकांक्षी योजनाएं चल रही हैं। जिसके पूरा होने के साथ ही दरभंगा बड़े शहरों की सूची में शामिल हो जाएगा।

इसमें दरभंगा एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के रूप में बनाने की कवायद शुरू कर दी गई है। जहां लॉजिस्टिक पार्क एवं कार्गो हब होगा। गंगासागर, हराही और दिग्घी पोखर के एकीकरण से राज्य के सबसे बड़े तालाब में दरभंगा का नाम शामिल हो जाएगा। जो झील का रूप होगा। प्राकृतिक जल स्रोतों को जोड़कर एक सुंदर, आकर्षक और सुव्यवस्थित पर्यटन स्थल बनाया जा रहा है। जिससे शहर की सुंदरता ही नहीं बल्कि, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

जिसके तहत स्वच्छ जल, सुंदर घाट और मनमोहक रोशनी की व्यवस्था की जा रही है। तीनों तालाब मिलाकर इसका क्षेत्रफल 156 एकड़ होगा इसे 75.28 करोड़ की राशि से मूर्तरूप दिया जा रहा है। दरभंगा रेलवे स्टेशन से आमस दरभंगा एक्सप्रेस-वे भाया दोनार चौक, कर्पूरी चौक से एकमी वाया लहेरियासराय तक एलिवेटेड सड़क का निर्माण कराने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस-वे भी दरभंगा से गुजरेगी। निर्माणाधीन एम्स वाले मार्ग शोभन-एकमी बाइपास को फोरलेन का रूप दिया जा रहा है। डीएमसीएच अब 17 सौ बेड का हो जाएगा। सकरी-बेनीपुर-बहेड़ी वाया दोनार को फोरलेन कर दिया जाएगा। दरभंगा स्टेशन को वर्ल्ड क्लास का बनाया जा रहा है।

जाम से मुक्ति के लिए छह आरओबी का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। बिहार का दूसरा तारामंडल पहले से ही स्थापित है। रामनगर में राज्य का पहला साफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया नाम का एक आधुनिक आईटी पार्क देश के युवाओं के विकास के लिए दरवाजा खोल दिया है।

उत्तर बिहार सहित नेपाल के लोगों के लिए निर्माणाधीन दरभंगा एम्स स्वास्थ्य के क्षेत्र में वरदान साबित होने वाला है। कल और आज में दरभंगा शहर का काफी बदलाव हुआ है। ऐसे तो दरभंगा शहर काफी पुराना है। एक समय में यह वाणिज्य-व्यापार क्षेत्र की बदौलत दरभंगा प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को रोजगार देती थी।

विदेश से भी लोग रोजगार की खोज में यहां आते थे। अब फिर से अतीत लौटने वाला है। यही कारण है कि यहां खाने-पीने के सामान, कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक सामान आदि दुकान सहित माल की भरमार हो गई है। बाहर रहने वाले लोग यहां निवेश करने लगे हैं। बड़े-बड़े होटल सहित कई रिसॉर्ट खुल गए हैं। ऐसे में इस शहर को अब शहर बनने में देर नहीं लगने वाला है।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामीण परिवारों को मिलेगा 125 दिनों का रोजगार, मजदूरी में देरी पर मुआवजा और काम न मिलने पर भत्ता

भभुआ, एजेंसी। बिहार रूलर डेवलपमेंट सोसाइटी बिहार सरकार व जिला प्रशासन के संयुक्त देखरेख में विकसित भारत गारंटी फार रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण विकसित भारत जीरामजी एक्ट 2025 के बारे में आम लोगों तक जानकारी पहुंचाई जा रही है।

उपविकास आयुक्त दिव्या शक्ति ने बताया कि विकसित भारत -जीरामजी के अंतर्गत 125 दिनों की वैधानिक गारंटी विकसित भारत गारंटी फार रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण, विकसित भारत जीरामजी एक्ट 2025 के प्राविधानों के तहत अकुशल शारीरिक श्रम करने वाले इच्छुक ग्रामीण परिवारों के वयस्क लोगों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों की रोजगार पाने की गारंटी प्राप्त होगी।

उन्होंने बताया कि इस अधिनियम के माध्यम से कराए गए कार्यों की मजदूरी का भुगतान कार्य पूरा होने अथवा मास्टर रोल बंद होने की तिथि से 15 दिनों के भीतर किया जाना निश्चित होगा।

यदि निर्धारित समय के भीतर मजदूरी का भुगतान नहीं किया जाता है, तो संबंधित श्रमिक को विलंब अवधि के लिए विलंबित भुगतान मुआवजा देय होगा।

साथ ही श्रमिकों को बेरोजगारी भत्ता भी दिया जाएगा। जिसमें यदि किसी ग्रामीण परिवार को मांग प्रस्तुत करने के बाद निर्धारित समय में कार्य नहीं प्रदान किया जाता है।

विहित दरों व शर्तो के अनुसार बेरोजगारी भत्ता का भुगतान किया जाता है। ग्राम पंचायत व जिला प्रशासन की देखरेख में डिजिटल और बायोमेट्रिक सिस्टम से ही भुगतान किया जाएगा।

बिहार में रिटायर्ड अभिलेखपाल की पेंशन में 65 प्रतिशत कटौती, फर्जी दस्तावेज मामले में बड़ी कार्रवाई

भागलपुर, एजेंसी। जिला निबंधन कार्यालय में वर्षों पुराने दस्तावेज से छेड़छाड़ कर फर्जी अभिलेख स्थापित करने के मामले में सरकार ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। तत्कालीन अभिलेखपाल संजय कुमार, जो वर्तमान में सेवानिवृत्त हैं, के विरुद्ध विभागीय जांच में कर्तव्यपालन में गंभीर लापरवाही, उदासीनता और नियमों के उल्लंघन का आरोप प्रमाणित पाए जाने पर उनकी पेंशन में 65 प्रतिशत कटौती का दंड अधिरोपित किया गया है।

जांच में सामने आया कि दस्तावेज संख्या-15821, दिनांक 20 दिसंबर 1985 से संबंधित मूल अभिलेख को अभिलेखागार से हटाकर साजिश के तहत फर्जी दस्तावेज को रिकार्ड में स्थापित किया गया। यह कृत्य बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली के नियम 3(1) के प्रतिकूल पाया गया।

हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो सका कि फर्जीवाड़ा प्रत्यक्ष रूप से संजय कुमार द्वारा ही किया गया, लेकिन उनके कार्यकाल में अभिलेखों का नियमित एवं प्रभावी पर्यवेक्षण नहीं किया जाना विभागीय लापरवाही के रूप में स्थापित हुआ।

विभागीय कार्रवाई के दौरान समाहर्ता-सह-जिला निबंधक द्वारा आरोप पत्र गठित किया गया था। स्पष्टीकरण एवं द्वितीय बचाव बयान प्रस्तुत किए जाने के बावजूद अनुशासनिक प्राधिकार ने इन्हें अस्वीकार कर दिया। जांच प्रतिवेदन में यह भी उल्लेख किया गया कि अभिलेखों का डिजिटाइजेशन वर्ष 2022-23 के दौरान हुआ, इसी अवधि में फर्जी दस्तावेज का अधिष्ठापन होने की संभावना जताई गई है।

अनुशासनिक प्राधिकार ने स्पष्ट किया कि किसी सरकारी अभिलेख की सुरक्षा और नियमित निगरानी अभिलेखपाल का मूल दायित्व है। इस दायित्व के निर्वहन में विफलता को गंभीर कदाचार मानते हुए बिहार पेंशन नियमावली 1960 के नियम 43(बी) के तहत यह दंड लगाया गया है।

इस निर्णय को सक्षम प्राधिकार की स्वीकृति भी प्राप्त हो चुकी है। प्रशासनिक हलकों में इस कार्रवाई को अभिलेखों की सुरक्षा और सरकारी कार्यप्रणाली में जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

लखीसराय में 1.20 लाख महिलाओं को मिले 10-10 हजार, कब मिलेगी अगली किस्त

लखीसराय, एजेंसी।ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिए गए निर्देश के आलोक में मंगलवार को उप विकास आयुक्त सुमित कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की समीक्षा बैठक की। बैठक में नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारी, जीविका के सभी प्रखंड परियोजना प्रबंधक सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के क्रियान्वयन की स्थिति, महिला लाभुकों के खाते में भेजी गई 10 हजार रुपये की राशि की उपयोगिता तथा अगले चरण में मिलने वाली दो लाख रुपये तक की सहायता राशि को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

नालंदा में ट्यूशन से लौट रही छात्रा को रौंदकर भागा तेज रफ्तार ट्रक, गुस्साए ग्रामीणों ने लगाया जाम

पटना, एजेंसी। नालंदा में बिहारशरीफ-बरबीघा मुख्य मार्ग पर बुधवार की सुबह सड़क हादसे में स्कूली छात्रा की मौत हो गई। हादसा अस्थावां थाना क्षेत्र के सोईवापर गांव के समीप हुआ। मृतक की पहचान अस्थावां थाना क्षेत्र के चिश्तिपुर गांव की रहने वाली चांदनी कुमारी (15) पिता उपेंद्र बिंद के रूप में की गई है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग पर शव को रखकर जाम लगा दिया, जिससे दोनों छोर पर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई।

बताया जा रहा है कि चांदनी कुमारी अस्थावां बाजार से ट्यूशन पढ़कर घर लौट रही थी, इसी बीच विपरीत दिशा से आ रही ट्रक ने उसे रौंद दिया जिससे मौके पर ही छात्रा की मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक गाड़ी समेत मौके से फरार हो गया। चांदनी 10वीं क्लास में पढ़ाई कर रही थी और 2 भाई और 2 बहनों में सबसे बड़ी थी। मौके पर पहुंचे परिजनों की चित्कार से आसपास का माहौल गमगीन हो गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मुख्य सड़क को जाम कर दिया। परिजन मुआवाजे एवं कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, फिलहाल सड़क जाम की स्थिति बनी हुई है।

अस्थावां थाना अध्यक्ष उत्तम कुमार ने बताया कि सड़क हादसे में मौत की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाने बुझाने के प्रयास में जुट गई है। अज्ञात वाहन की पहचान में पुलिस जुट गई है। सरकारी प्रावधान के अनुसार पीड़ित परिवार को सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

दरभंगा में बढ़ते जा रहे हैं दुष्कर्म के मामले, 15 में से 10 केस लंबित; आरोपियों पर कुर्की की तैयारी

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में दुष्कर्म के मामलों में बढ़ोतरी को लेकर चिंता गहराती जा रही है। हाल ही में विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के सुंदरपुर इलाके में दुष्कर्म के बाद एक बच्ची की हत्या का मामला सामने आया। इसके अलावा बहादुरपुर थाना में एक शिक्षक पर छात्रा से दुष्कर्म का मामला (कांड संख्या 25/2026) दर्ज किया गया। दोनों मामलों में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

वर्ष 2025 के आंकड़ों पर नजर डालें तो महिला थाना में दुष्कर्म के कुल 15 मामले दर्ज हुए थे। इनमें से पांच मामलों का निष्पादन किया जा चुका है, जबकि 10 मामले अब भी लंबित हैं। लंबित मामलों में से पांच केस फॉरेंसिक साइंस लैब की रिपोर्ट नहीं आ पाने के कारण अटके हुए हैं।

महिला थानाध्यक्ष मनीषा कुमारी ने बताया कि सभी लंबित मामलों में तेजी से कार्रवाई की जा रही है। फरार आरोपियों के घरों पर इश्तेहार चिपकाए गए हैं और आत्मसमर्पण नहीं करने की स्थिति में कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पांच मामलों में कुर्की की प्रक्रिया चल रही है। दुष्कर्म के मामलों में देरी से हो रही कार्रवाई को लेकर सामाजिक संगठनों ने

चिंता जताई है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर महिलाओं के प्रति अपराधों पर अंकुश लगाया जाएगा। जिले का एक चर्चित मामला कथावाचक के शिष्य श्रवण दास से जुड़ा है, जिनके खिलाफ महिला थाना में कांड संख्या 182/25 दर्ज हुआ था। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया था। वहीं उनके गुरु मौनी बाबा की जमानत अर्जी पर सुनवाई की तिथि बढ़ाकर 16 फरवरी कर दी गई है, जिस पर लोगों की नजर बनी हुई है। दरभंगा व्यवहार न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण चौधरी ने बताया कि दुष्कर्म और हत्या जैसे मामलों में भारतीय न्याय संहिता की धारा 64 के तहत 10 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। वहीं धारा 103(1) में आजीवन कारावास से लेकर फांसी तक की सजा का प्रावधान किया गया है।

सरपंच ने स्कॉर्पियो से भाजपा नेता समेत दो को कुचला

लंबे से समय से चल रहा था जमीन विवाद, दोस्तों ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल

आरा, भोजपुर, एजेंसी। भोजपुर जिले के गीधा थाना क्षेत्र के शिवनगर के पास मंगलवार को स्कॉर्पियो सवार सरपंच ने पूर्व के विवाद में बाइक सवार बीजेपी नेता समेत 2 लोगों टक्कर मार दी। भाजपा रौंदने की कोशिश की गई, लेकिन अनियंत्रित होकर स्कॉर्पियो पेड़ से टकरा गई। स्कॉर्पियो सवार सरपंच गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गए। हादसे में भाजपा नेता समेत 2 लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें अन्य दोस्तों ने इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल पहुंचाया।

मंदिर में पूजा करने जा रहे थे: घायलों में गीधा थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव निवासी 32 वर्षीय बीजेपी नेता राहुल कुमार सिंह और उसी गांव के निवासी राज किशोर सिंह के 30 वर्षीय बेटे रितेश कुमार शामिल हैं।

दोनों दोस्त बताए जा रहे हैं: इधर, बीजेपी नेता राहुल कुमार सिंह ने बताया कि मैं बाइक से अपने दोस्त रितेश कुमार के साथ कोईलवर थाना क्षेत्र के बागमझौवां गांव पैक्स अध्यक्ष के यहां उनके हनुमान मंदिर पूजा में शामिल होने के लिए जा रहा था और वहां से आरा जाना था। शिवनगर के पास पहुंचे। तभी स्कॉर्पियो सवार खे़सरहियां पंचायत के सरपंच रवि रंजन कुमार सिंह ने रोका और फिर स्कॉर्पियो को तेज कर रॉन्ग साइड से आ कर बाइक में टक्कर मार दी। गांव में जमीन है,उसी जमीन को सरपंच हड़पना चाहता था। जिसे लेकर कई बार मुझे मारने की कोशिश की भी। 2022 में मारपीट मामले में मुझे फंसाने के लिए झूठा केस किया था, लेकिन मैं अपनी जमीन देना नहीं चाहता था, मेरी जमीन से होकर वो अपने घर जाते थे। इसी को लेकर सरपंच चाहता था कि मैं अपना जमीन उसे बेच दूं। राहुल ने कहा कि सरपंच धक्का मारने के बाद गाड़ी से उतरकर देखा कि मैं जिंदा हूं या मर गया। जब मेरे शरीर में कोई हरकत नहीं देखा तो वो मौके से चला गया।

पंडारक में शराब के नशे में कहासुनी के बीच बढ़ा विवाद, अधेड़ को कैंची मारकर फरार हुआ युवक

पटना, एजेंसी। बाढ़ अनुमंडल के पंडारक थाना क्षेत्र के बिहारी बिगहा गांव में मंगलवार दोपहर नशे की हालत में एक युवक ने अधेड़ व्यक्ति पर कैंची से हमला कर दिया। घटना में अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल की पहचान बिहारी बिगहा निवासी रंजीत सिंह के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे रंजीत सिंह गांव के ही एक युवक के साथ स्थानीय ठाकुरबाड़ी के पास बैठे थे। दोनों के बीच पहले से दोस्ती थी और उस समय दोनों ने शराब पी रखी थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

आरोप है कि बहस बढ़ने पर युवक ने आपा खो दिया और पास में रखी कैंची उठाकर रंजीत सिंह पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में उनके सिर और एक हाथ में गंभीर चोटें आईं। खून से लथपथ हालत में परिजनों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया। परिवार ने आरोपी के खिलाफ पंडारक थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराने की बात कही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

बेटे की शादी में शामिल होने जा रहे पिता समेत तीन की मौत, पेड़ से टकराई तेज रफ्तार स्कॉर्पियो

मोतिहारी, एजेंसी। कल देर रात करीब 12 बजे मोतिहारी में हुए एक भीषण सड़क हादसे में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पेड़ से टकरा गई। हादसे में गाड़ी सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों मृतक एक ही गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

घटना पूर्वी चंपारण जिले के घोड़ासहन थाना क्षेत्र की है। घोड़ासहन-ढाका मुख्य मार्ग पर महादेवा मसान चौक के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक के घटनास्थल से फरार होने की बात सामने आई है। चालक के शराब के नशे में होने की भी आशंका जताई जा रही है। मृतकों की पहचान राजेपुर थाना क्षेत्र के एक ही गांव के 55 वर्षीय विनोद प्रसाद, उनके चचेरे भाई 35 वर्षीय अनिल प्रसाद और 40 वर्षीय उपमुखिया गजेंद्र दास के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार वे पकड़ीदयाल में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। बताया गया है कि विनोद प्रसाद के बेटे की शादी पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र के सिरहा गांव में हो रही थी और कार्यक्रम घोड़ासहन के एक विवाह भवन में आयोजित था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन पेड़ से टकराने के बाद उछल गया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही घोड़ासहन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों की शिनाख्त कर उन्हें स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया गया, फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सारण के सरकारी स्कूलों में अब ऑनलाइन होगी छात्रों की हाजिरी

टैबलेट से होगी पढ़ाई की निगरानी

छपरा, एजेंसी। सारण जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में अब छात्र-छात्राओं की ऑनलाइन हाजिरी बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षकों की ऑनलाइन हाजिरी व्यवस्था लागू किए जाने के बाद अब विद्यार्थियों की उपस्थिति भी डिजिटल तरीके से दर्ज की जाएगी।

इसके लिए स्कूलों को नामांकित बच्चों की संख्या के अनुसार तीन से चार टैबलेट उपलब्ध कराए गए हैं। इन्हीं टैबलेट के माध्यम से ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर प्रतिदिन हाजिरी बनाई जाएगी।

जानकारी के अनुसार विभाग ने विद्यालयों में नामांकन के अनुपात को देखते हुए टैबलेट वितरण किया है। जिन स्कूलों में छात्र संख्या अधिक है, वहां अतिरिक्त टैबलेट उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि ऑनलाइन हाजिरी में किसी प्रकार की परेशानी न हो। टैबलेट में शिक्षा विभाग का ई-शिक्षाकोष पोर्टल एवं संबंधित एप पहले से इंस्टाल किया गया है।

शिक्षा परियोजना परिषद के निर्देश पर विद्यालयों के प्रधानाध्यापक के साथ एक शिक्षक को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान ऑनलाइन उपस्थिति बनाने की प्रक्रिया, पोर्टल लॉगिन, फोटो अपलोडिंग और डेटा इंट्री की पूरी जानकारी विस्तार से दी जा रही है।

नई व्यवस्था के तहत वर्ग शिक्षक प्रतिदिन पहली घंटी में टैबलेट के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करेंगे। ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर उपलब्ध छात्र-छात्राओं की विवरणी के आधार पर उपस्थित बच्चों का चयन कर हाजिरी बनाई जाएगी। इसके साथ ही कक्षा में उपस्थित बच्चों का फोटो भी खींचकर पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य किया गया है।

विभागीय निर्देश के अनुसार, टैबलेट के माध्यम से विद्यार्थियों के अर्द्धवार्षिक एवं वार्षिक परीक्षा परिणाम की इंट्री भी की जाएगी। इसके अलावा प्रत्येक माह के अंत में वर्ग शिक्षक विषयवार पढ़ाए गए पाठों का विवरण भी पोर्टल पर दर्ज करेंगे। इससे पढ़ाई की प्रगति और छात्रों की शैक्षणिक स्थिति पर ऑनलाइन निगरानी संभव हो सकेगी।

विद्यालयों में चेतना सत्र को लेकर भी डिजिटल निगरानी की व्यवस्था की जा रही है। वर्ग शिक्षक द्वारा प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान आगे और पीछे से खींची गई तस्वीरें ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर अपलोड की जाएंगी।

इसके तहत चेतना सत्र के दौरान बच्चों की उपस्थिति, अनुशासन और सहभागिता का प्रमाण देने के लिए टैबलेट से फोटो खींची जाएगी। माना जा रहा है कि इससे चेतना सत्र के नियमित आयोजन, बच्चों की सहभागिता और स्कूलों में अनुशासित वातावरण बनाए रखने में मदद मिलेगी।

राजगीर में बनेगा राज्य का पहला डायनासोर पार्क, 22 करोड़ की लागत से 6 महीने में होगा तैयार

राजगीर, एजेंसी। ऐतिहासिक नगरी राजगीर में पर्यटन को नया आयाम देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। बिहार का पहला डायनासोर पार्क जल्द ही साकार होने जा रहा है। प्रदेश सरकार ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है और वन विभाग का लक्ष्य है कि अगले छह माह में यह अत्याधुनिक पार्क पर्यटकों के लिए तैयार हो जाए।

4.5 हैक्टेयर में फैलेगा मेसोजोइक युग का संसार: राजगीर नेचर सफारी परिसर में प्रस्तावित क्लिफ वॉक के समीप लगभग 4.5 हैक्टेयर क्षेत्र में बनने वाले इस पार्क पर करीब 22 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह केवल एक मनोरंजन स्थल नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीक और विज्ञान का अनूठा संगम होगा। यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एनिमेट्रोनिक्स और अत्याधुनिक सेंसर तकनीक के माध्यम से करोड़ों वर्ष पूर्व के मेसोजोइक युग का अनुभव कराया जाएगा।

जीवंत नजर आएंगे डायनासोर: जिला वन पदाधिकारी राजकुमार मनमोहन ने बताया कि पार्क में लगाए जाने वाले डायनासोर केवल स्थिर प्रतिमाएं नहीं होंगे। ब्रशलेस मोटर्स और संवेदनशील सेंसर की मदद से ये प्रतिकृतियां हरकत करेंगी, गर्दन घुमाएंगी, मुंह खोलेंगी और गर्जना भी करेंगी। हाई डेंसिटी स्पंज और सिलिकॉन रबर की कोटिंग से इनकी त्वचा वास्तविक जैसी प्रतीत होगी। पार्क का मुख्य आकर्षण 15 मीटर लंबा और 7 मीटर ऊंचा डिप्लोडोकस होगा। इसके अलावा 13 मीटर लंबा स्पिनोसॉरस और टायरानोसॉरस रेक्स (टी-रेक्स) भी यहां स्थापित किए जाएंगे।

इन 6 लोगों को नहीं खाना चाहिए मखाना, सेहत को फायदे नहीं मिलेंगे सिर्फ नुकसान

मखाना, जिसे हम अक्सर चाय के साथ या हलके स्नैक्स के तौर पर खाते हैं, सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसमें ढेर सारे पोषक तत्व होते हैं, जैसे प्रोटीन, फाइबर, और एंटीऑक्सीडेंट्स, जो हमारे शरीर को मजबूती देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि मखाना सभी के लिए सही नहीं होता? कुछ लोगों के लिए यह हानिकारक भी हो सकता है। अगर आप इनमें से किसी से जुड़ी समस्याओं से परेशान हैं, तो मखाना खाने से पहले एक बार सोच लीजिए। आइए जानते हैं किन 5 लोगों को मखाना खाने से परहेज करना चाहिए।

डायबिटीज के रोगी

मखाना में उच्च मात्रा में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं, जो ब्लड शुगर को बढ़ा सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को डायबिटीज है, तो उसे मखाना का सेवन सीमित मात्रा में और डॉक्टर की सलाह से करना चाहिए। इसके अलावा, मखाना का सेवन ज्यादा करने से शरीर में ग्लूकोज का स्तर असंतुलित हो सकता है, जिससे डायबिटीज की स्थिति खराब हो सकती है।

गैस्ट्राइटिस और पाचन समस्याओं वाले लोग

मखाना के सेवन से कुछ लोगों को पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसमें फाइबर की अधिक मात्रा होती है, जो कभी-कभी पेट में गैस, सूजन, और कब्ज जैसी समस्याएं पैदा कर सकती है। यदि किसी व्यक्ति को गैस्ट्राइटिस, पेट की जलन, या अन्य पाचन समस्याएं हैं, तो उसे मखाना खाने से बचना चाहिए या फिर इसे सीमित मात्रा में खानी चाहिए।

किडनी रोगी

मखाना में पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो किडनी के रोगियों के लिए हानिकारक हो सकता है। किडनी की बीमारी होने पर, शरीर से पोटेशियम की सही मात्रा बाहर नहीं निकल पाती, जिससे पोटेशियम का स्तर बढ़ सकता है और यह हृदय की समस्याएं पैदा कर सकता है। इसलिए, किडनी रोगी को मखाना खाने से बचना चाहिए या फिर इसे बहुत कम मात्रा में लेना चाहिए।

एलर्जी से प्रभावित लोग

कुछ लोगों को मखाना से एलर्जी हो सकती है, जिससे उन्हें त्वचा पर दाने, खुजली, या अन्य एलर्जी के लक्षण हो सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को मखाना खाने के बाद कोई एलर्जी के लक्षण दिखते हैं, तो उसे मखाना से बचना चाहिए। ऐसे लोग मखाना के सेवन से पहले डॉक्टर से परामर्श लें।

हाई ब्लड प्रेशर

हाई ब्लड प्रेशर की दिक्कत से दो चार हो रहे लोगों को मखाना ना खाने के लिए कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि मखाना में सोडियम होता है और इससे हाई ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। इसीलिए हाई ब्लड प्रेशर से परेशान लोगों को मखाना ना खाने या कम खाने की कोशिश करनी चाहिए।

गर्भवती महिलाएं

गर्भवती महिलाओं को मखाना का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए। मखाना में कुछ प्रकार के तत्व होते हैं जो शरीर में गर्मी पैदा कर सकते हैं, और ज्यादा सेवन से यह गर्भावस्था में असहज महसूस करवा सकता है। गर्भवती महिलाएं पहले डॉक्टर से सलाह लें कि मखाना उनका सेवन कर सकती हैं या नहीं, और यदि कर सकती हैं, तो कितनी मात्रा में करें।

मखाना खाने के फायदे : हालांकि, मखाना का सेवन बहुत से लोगों के लिए फायदेमंद होता है। इसमें उच्च मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स, और मिनरल्स होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह हृदय स्वास्थ्य, पाचन, वजन घटाने, और त्वचा की सेहत के लिए भी लाभकारी है।

सुबह उठते ही पिएं लौंग का पानी, ब्लड शुगर से लेकर बॉडी डिटॉक्स तक मिलेंगे ये बेहतरीन फायदे

एंटीऑक्सीडेंट, एंटी इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज और जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर लौंग का पानी आपके स्वास्थ्य, त्वचा और बालों के ग्रोथ के लिए बेहद फायदेमंद है. यह नेचुरल तरीके से आपको इस तरह के लाभ पहुंचाता है. आहार विशेषज्ञ और वेट मैनेजमेंट विशेषज्ञ डॉ. प्रत्यक्ष भारद्वाज इसे फ्रएंटीऑक्सीडेंट का एक पावरहाउसफ्र कहते हैं जो पाचन, प्रतिरक्षा और यहां तक ??कि वेट मैनेजमेंट में भी मदद करता है.

स्वास्थ्य लाभ

पाचन को बढ़ावा देता है और सूजन से लड़ता है : लौंग का पानी आपके पाचन तंत्र के लिए अद्भुत काम करता है।यह सूजन, गैस्ट्रिक समस्याओं और अपच को कम करने में मदद करता है. डॉ. भारद्वाज कहते हैं, फ्रलौंग का पानी सूजन और गैस्ट्रिक समस्याओं के लिए एक प्राकृतिक उपाय है. यह डिटॉक्सिफिकेशन प्रक्रिया का भी समर्थन करता है.

वजन घटाने में मदद करता है : लौंग का पानी आपके मेटाबॉलिज्म को बहुत जरूरी बढ़ावा दे सकता है. इसका एक्टिव कंपाउंड , यूजेनॉल, फ़ैट मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने में मदद करता है, जिससे यह वेट मैनेजमें डेली रूटीन में सहायक होता है. ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है : यदि आप अपने ब्लड शुगर को नेचुरल तरीके से मैनेज करना चाहते हैं, तो लौंग का पानी आजमा कर देश सकते है. लौंग में मौजूद यूजेनॉल ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है और ओवरऑल मेटाबॉलिक हेल्थ का समर्थन करता है.

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है : लौंग के पानी में एंटीऑक्सीडेंट की हाई अमाउंट होने के कारण यह आपके रोग प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत बनाता है, जिससे आप आम संक्रमणों और बीमारियों से सुरक्षित रहते हैं.

आपके दांतों के लिए अच्छा : लौंग के पानी के एंटी बैक्टीरियल प्रॉपर्टी मुंह में सूजन को कम करके मौखिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं. लौंग के पानी से कुल्ला करने से आपकी सांसों को भी तरोताजा करने में मदद मिल सकती है.

सौंदर्य लाभ

मुंहासे और दाग-धब्बों से लड़ता है : लौंग के पानी के सूजनरोधी और रोगाणुरोधी गुण मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने, लालिमा को कम करने और साफ त्वचा को बढ़ावा देने में मदद करते हैं.

आपकी त्वचा को चमकदार बनाता है : लौंग के पानी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट मुक्त कणों से लड़ते हैं, जो सुस्ती और समय से पहले बुढ़ापे का कारण बन सकते हैं. नियमित उपयोग से आपकी त्वचा चमकदार और स्वस्थ दिख सकती है.

चिड़चिड़ी त्वचा को आराम देता है : अगर आपकी त्वचा में खुजली या जलन है, तो लौंग के पानी के शांत करने वाले गुण राहत दे सकते हैं.

बालों के लिए लाभकारी

बालों के रोम को मज़बूत बनाता है : लौंग का पानी स्कैल्प को पोषण देता है और बालों के रोम को मजबूत बनाता है, जिससे बालों का झड़ना कम होता है और विकास को बढ़ावा मिलता है.

रूसी से लड़ता है : लौंग के पानी के रोगाणुरोधी गुण रूसी और खुजली को कम करने में मदद करते हैं, जिससे आपकी स्कैल्प स्वस्थ रहती है.

बालों में चमक लाता है : लौंग के पानी से अपने बालों को धोने से उनमें प्राकृतिक चमक और कोमलता आ सकती है, जिससे आपके बाल ज्यादा जीवंत दिखते और महसूस होते हैं.

सावधानी बेहद जरूरी

माना कि लौंग के पानी के कई लाभ हैं, लेकिन नियंत्रित मात्रा में इसका सेवन करना बेहद जरूरी है, इसके अधिक इस्तेमाल से जलन या संवेदनशीलता हो सकती है. डॉ. भारद्वाज सलाह देते हैं कि अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप पेशेवर मार्गदर्शन के साथ लौंग के पानी को अपनी दिनचर्या में शामिल करें.

लौंग का पानी कैसे बनाएं

लौंग का पानी बनाना आसान और किफायती है. जानें बनाने की विधि

सामग्री

1 चम्मच साबुत लौंग

1 कप पानी

बनाने की विधि

सबसे पहले एक कप पानी उबालें और इसमें लौंग डालें और उन्हें 10-15 मिनट तक भीगने दें. लौंग निकालने के लिए पानी को छान लें। पीने या अपनी त्वचा या बालों पर इस्तेमाल करने से पहले इसे आरामदायक तापमान पर ठंडा होने दें. अतिरिक्त स्वाद और लाभों के लिए, आप इसमें नींबू का एक टुकड़ा या एक चम्मच शहद मिला सकते हैं. सुबह खाली पेट एक कप लौंग का पानी रोजाना पिने से बहुत लाभ मिलता है.

डायबिटीज के मरीज भूलकर भी न करें इन फलों का सेवन, बढ़ सकता है ब्लड शुगर का लेवल

डायबिटीज एक गंभीर बीमारी है. आज के समय में इस बीमारी से करोड़ों लोग पीड़ित है. इस रोग से पीड़ितों को अपने खानपान का खास ख्याल रखना पड़ता है. इसके साथ ही जीवनशैली में भी बदलाव की जरूरत होती है. यह एक ऐसी बीमारी जिसमें डायबिटीज से पीड़ितों का ब्लड शुगर लेवल काफी बढ़ जाता हैं, जिसके चलते उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्या हो सकती है. यहां तक की हाई ब्लड शुगर के चलते कभी-कभी पीड़ितों की जान भी जा सकती है. इसलिए इसको कंट्रोल में रखना बेहद जरूरी होता है. आज हम इस खबर में बताने जा रहे हैं कि डायबिटीज मरीजों को डॉक्टरों के द्वारा चीकू फल खाने से बचने को क्यों कहा जाता है...

डायबिटीज में भूलकर भी ना खाएं चीकू

हम सबको पता है कि चीकू एक ऐसा फल है, जो न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभकारी होता है. खास बात यह है कि इस फल के अलावा बीज और पत्तियां भी काफी गुणकारी हैं. फिर भी डॉक्टरों के मुताबिक, डायबिटीज पेशेंट को चीकू फल खाने से बचना चाहिए, ऐसा इसलिए क्योंकि चीकू में कार्बोहाइड्रेट बहुत हाई अमाउंट में होता है और इस फल में शुगर की मात्रा भी ज्यादा होती है. बता दें, चीकू में मौजूद ज्यादातर कार्बोहाइड्रेट नेचुरल शुगर के रूप में होता है. इसलिए डॉक्टरों के द्वारा हाई ब्लड शुगर से पीड़ित लोगों को चीकू फल नहीं खाने की सलाह दी जाती है. इसके साथ ही डायबिटीज के मरीजों को इन फलों से भी बचना चाहिए. इसमें अनानास, लीची, केला, आम, तरबूज शामिल है.

प्री-डायबिटीज में भूलकर भी ना खाएं चीकू

प्री-डायबिटीज पेशेंट को भी म चीकू नहीं खाने की सलाह दी जाती है. बता दें, चीकू में शुगर की मात्रा अधिक होती है, जिससे मरीज का ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है. चीकू में कैलोरीज भी अधिक होती हैं. बता दें, चीकू का ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होने की वजह से इसका सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल तुरंत बढ़ने लगता है

ध्यान देनें वाली बात

यदि आपको हाई ब्लड शुगर (हाइपरग्लाइसेमिया) है तो आपका फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल 130 एमजी/डीएल से ऊपर रहेगा और रैंडम ब्लड शुगर 180 एमजी/डीएल से अधिक रहेगा. यदि आपका ब्लड शुगर लेवल लगातार इन सीमाओं से ऊपर है, तो आपको प्री-डायबिटीज या डायबिटीज हो सकता है. अगर इसे कंट्रोल नहीं किया गया, तो यह हार्ट डिजीज, तंत्रिका समस्याओं और किडनी की बीमारियों जैसी गंभीर चिकित्सा समस्याओं का कारण बन सकता है.

अगर आपको लो ब्लड शुगर (हाइपोग्लाइसीमिया) की समस्या है, तो आपका फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल 70 एमजी/डीएल से कम रहेगा और रैंडम ब्लड शुगर 60 एमजी/डीएल से कम रहेगा. आपकों लो ब्लड शुगर के कारण चक्कर आना, भ्रम, बेहोशी और दुर्लभ मामलों में दौरे पड़ सकते हैं. यह आमतौर पर इंसुलिन या एंटीडायबिटिक दवा लेने वाले मरीजों में पाया जाता है, या जो बहुत लंबे समय तक फास्टिंग करते हैं या बहुत लंबे समय तक एक्सरसाइज करते हैं.

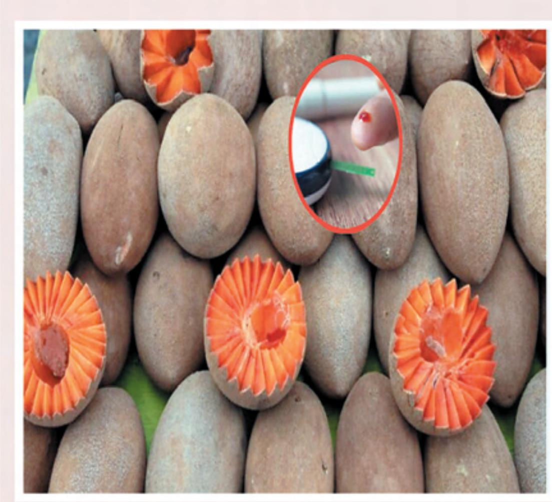

पैरों से पहचानें ब्लड शुगर बढ़ने के संकेत, दिखें तो तुरंत एक्शन की जरूरत

बीमारियों की बात करें तो डायबिटीज का नाम शायद सबसे पहले लिया जाएगा। बिजी और बिगड़ते लाइफस्टाइल, गलत खानपान के चलते शुगर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ती ही जा रही है। डायबिटीज यानि कि मधुमेह एक ऐसी बीमारी है जो मरीज के शरीर को अंदर ही अंदर खोखला कर देती है। यह शरीर के बाकी अंगों को प्रभावित करती है। जब बॉडी में शुगर की मात्रा बढ़ती है तो शरीर कई तरह के संकेत देने लगता है। डायबिटीज के कुछ खास लक्षण पैरों में भी दिखने लगते हैं। चलिए आपको उन्हीं लक्षणों के बारे में बताते हैं जिन्हें पहचान कर आपको फौरन अलर्ट हो जाना चाहिए

डायबिटीज के कारण पैरों में दिखने वाले संकेत

डायबिटीज एक गंभीर रोग है जिसके लक्षण खासतौर पर पैरों में दिख सकते हैं जो हाई ब्लड शुगर के कारण उत्पन्न होते हैं। अगर डायबिटीज को समय रहते नियंत्रित नहीं किया जाए तो यह पैरों की नसों और रक्त संचार को प्रभावित कर सकता है।

पैरों में सूजन : हाई ब्लड शुगर के कारण शरीर में लिक्विड संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे पैरों में सूजन आ सकती है। यह आमतौर पर खराब ब्लड सर्कुलेशन और किडनी की समस्याओं के कारण होता है।

नसों का नुकसान : डायबिटीज के कारण डायबिटिक न्यूरोपैथी हो सकती है, जिससे पैरों में झुनझुनी, जलन या सुन्न होने की समस्या होती है। यह समस्या पैरों में घावों को महसूस करने की क्षमता को भी प्रभावित कर सकती है, जिससे चोट लगने पर देर से पता चलता है। पैरों की त्वचा शुष्क और फटी हुई दिख सकती है क्योंकि हाई ब्लड शुगर के चलते त्वचा की नमी कम हो सकती है। त्वचा में दरारें आने से बैक्टीरिया और फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है।

नाखूनों में फंगल संक्रमण : डायबिटीज के मरीजों में नाखूनों पर फंगल संक्रमण आम होता है, जिससे वे मोटे, पीले और कमजोर हो सकते हैं। इंफेक्शन बढ़ने पर नाखूनों में दर्द और असहजता हो सकती है।

पैरों में घाव या अल्सर : शुगर मरीज के पैर में चोट या कट लगने के बाद घाव जल्दी नहीं भरता, जिससे अल्सर बनने का खतरा रहता है क्योंकि पैरों में रक्त संचार की कमी होने लगती है और अगर ध्यान न दिया जाए तो यह गैंग्रीन जैसी गंभीर समस्या में बदल सकता है।

पैरों में बहुत ज्यादा दर्द और ऐंठन : ब्लड सर्कुलेशन खराब होने से पैरों में तेज दर्द, ऐंठन या भारीपन महसूस हो सकता है। यह संकेत रक्त वाहिकाओं में रुकावट की ओर भी इशारा कर सकते हैं।

डायबिटीज के मरीजों को पैरों की देखभाल कैसे करनी चाहिए?

पैरों की नियमित जांच करें, किसी भी कट, सूजन, लाल धब्बे या संक्रमण के संकेतों पर नजर रखें।

पैरों को मॉइश्चराइज करें। फटी त्वचा और रूखेपन से बचने के लिए मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें।

आरामदायक जूते पहनें । टाइट या अनफिटेड जूतों से बचें, जो पैरों में चोट पहुंचा सकते हैं।

नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें। नियमित रूप से नाखून काटें और संक्रमण से बचने के लिए साफ-सफाई रखें।

ब्लड शुगर कंट्रोल करें। नियमित रूप से ब्लड शुगर लेवल मॉनिटर करें और डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवाएं लें।

टी20 विश्वकप : कप्तान दासुन शनाका की रिकॉर्ड तोड़ पारी, टी20 विश्व कप में श्रीलंका ने ओमान को बुरी तरह हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सह-मेजबान श्रीलंका ने पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 16वें मैच में ओमान पर 105 रनों की शानदार जीत दर्ज की। कप्तान दासुन शनाका के रिकॉर्ड तोड़ अर्धशतक और शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर टी20 विश्व कप 2026 की अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। कुसल मेंडिस (45 गेंदों में 61 रन), पवन रत्नायके (28 गेंदों में 60 रन) और दासुन शनाका (20 गेंदों में 50 रन) ने बल्ले से दबदबा बनाया, जबकि महेश थीक्षाना (4 ओवर में 2/11) और दुशमंथा चमीरा (20 ओवर में 2/19) ने गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया।

ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह द्वारा पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहे जाने के बाद, श्रीलंका ने पावरप्ले के दौरान शुरुआती झटके झेले, जिसमें कामिल मिश्रा (8) और पथुम निस्संका (13) आउट हो गए। हालांकि, ओमान द्वारा उलटफेर करने की कोई भी उम्मीद कुसल मेंडिस और पवन रत्नायके के बीच महज 50 गेंदों में खेली गई 94 रनों की तूफानी साझेदारी के सामने जल्द ही खत्म हो गई। रत्नायके ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए महज 28 गेंदों में 60 रन बनाए, जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल था। 14वें ओवर में उनके आउट होने के बाद दासुन शनाका के आने से ओमान की टीम ने और भी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की।

शनाका ने रिकॉर्ड तोड़ते हुए सिर्फ 19 गेंदों में श्रीलंकाई बल्लेबाज द्वारा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक बनाने का सबसे तेज रिकॉर्ड कायम किया। पांच छक्के और दो चौकों सहित उनकी नाबाद पारी ने श्रीलंका को 20 ओवरों में 225/5 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया - जो टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर और पुरुष टी20 विश्व कप के इतिहास का चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। 226 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए ओमान की बल्लेबाजी शुरू होने से पहले ही लड़खड़ा गई। दुशमंथा चमीरा ने पहले छह ओवरों में दो विकेट लेकर जतिंदर सिंह को एक रन पर और हम्माद मिर्जा को नौ रन पर आउट कर दिया।

अनुभवी मोहम्मद नदीम ने भले ही कुछ हद तक संघर्ष की उम्मीद जगाई हो, लेकिन चोटिल वानिंदु हसरंगा की अनुपस्थिति में श्रीलंका के स्पिन-प्रधान आक्रमण के सामने ओमान की टीम पूरी तरह से पस्त हो गई। नदीम की 56 गेंदों पर खेली गई 53 रनों की जुझारू पारी ने उन्हें टी20 विश्व कप इतिहास में अर्धशतक बनाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी का खिताब दिलाया, लेकिन यह ओमान के लिए काफी नहीं था। बढ़ते आवश्यक रन रेट के आगे मध्य क्रम बिखर गया, हालांकि महेश थीक्शाना और दुनीथ वेल्लालगे ने दबाव बनाए रखा। अंततः ओमान ने अपने 20 ओवरों में 120/9 का स्कोर बनाया, जो लक्ष्य से काफी कम था।

फ्रांसिस्को सेरुंडोलो अर्जेंटीना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। लोकल फेवरेट और टॉप सीड फ्रांसिस्को सेरुंडोलो बुधवार को बोलीविया के ह्यूगो डेलियन को 6-0, 7-6 (6) से हराकर अर्जेंटीना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। वर्ल्ड नंबर 19 सेरुंडोलो ने शुरुआती सेट में दम दिखाया और दूसरे सेट में आठ सेट पॉइंट बचाकर ब्यूनस आयर्स लॉन टेनिस क्लब के आउटडोर क्ले कोर्ट पर एक घंटे 24 मिनट में मैच अपने नाम कर लिया।

27 साल के सेरुंडोलो ने कहा, 'शुरुआत में चीजें जिस तरह से हुईं, उससे मैं खुश था लेकिन फिर उसने अग्रेसिव खेलना शुरू कर दिया और यह मुश्किल हो गया। मैंने कुछ सेट पॉइंट बचाए और मैं बस आगे बढ़कर खुश हूं।' सेरुंडोलो एटीपी 250 इवेंट के अगले राउंड में चेक रिपब्लिक के विट कोप्रिवा से भिड़ेंगे।

कोप्रिवा ने दिन में पहले इटली के आठवें सीड मातियो बेरेटिनी को 6-4, 6-3 से हराकर आगे बढ़े। बुधवार को दूसरे मैचों में, टॉमस एचेवेरी ने अर्जेंटीना के साथी रोमन बुरुचागा को 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराया और चिली के एलेजांद्रो टेबिलो ने ब्राजील के तीसरे सीड जोआओ फोंसेका को 6-3, 3-6, 7-5 से हराया।

टी20 वर्ल्ड कप : मोस्का भाईयों की धमाकेदार बल्लेबाजी से इटली ने नेपाल को दस विकेट से हराया

मुंबई (एजेंसी)। मोस्का भाईयों की आक्रामक बल्लेबाजी से इटली ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 में नेपाल को दस विकेट से हराकर पहली जीत दर्ज की है। इटली की टीम की जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट में भाग ले रही है। उसे पहले मैच में स्कॉटलैंड ने आसानी से हरा दिया था पर इस मैच से उसने धमाकेदार वापसी की है। इस मैच में टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने 19.3 ओवर में 123 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को इटली ने केवल 12.4 ओवर में ही 124 रन बनाकर हासिल कर लिया। टीम की ओर से जस्टिन मोस्का ने 44 गेंद में नाबाद 60 रन जबकि एंथनी मोस्का ने 32 गेंद में नाबाद 62 रन बनाये।

इस मैच में जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए मोस्का भाइयों ने तेज शुरुआत की ओर दोनो ने ही अर्धशतक लगाये। पहले चार ओवर में ही दोनों ने मिलकर 50 रनों से अधिक बना दिये। इसके बाद जब पावर प्ले में भी अच्छी बल्लेबाजी की। जस्टिन ने 44 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के लगाकर नाबाद 60 रन जबकि एंथनी मोस्का ने 32 गेंद में 6 छक्के और 3 चौके लगाकर नाबाद 62 रन बनाये।

टी20 वर्ल्ड कप: ईशान किशन ने खेली धमाकेदार अर्धशतकीय पारी, रोहित-अभिषेक की बराबरी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के सलामी बल्लेबाज़ ईशान किशन ने नामीबिया के खिलाफ ऐसी तूफानी पारी खेली, जिसने पावरप्ले बल्लेबाज़ी की नई मिसाल पेश कर दी। महज़ 20 गेंदों में अर्धशतक पूरा करते हुए किशन ने मैच की दिशा शुरुआती छह ओवरों में ही तय कर दी। 24 गेंदों पर 61 रन की उनकी आक्रामक पारी में चौकों-छक्कों की बारिश देखने को मिली। इस प्रदर्शन के साथ ईशान ने टी20 इंटरनेशनल में पावरप्ले में भारत के लिए 50 रन बनाने वाले चुनिंदा बल्लेबाज़ों की सूची में अपनी जगह और मजबूत कर ली।

पावरप्ले में 50 रन: खास क्लब में भारतीय बल्लेबाज

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहले छह ओवर यानी पावरप्ले सबसे अहम माने जाते हैं। इसी दौरान मैच की रफ्तार तय होती है। भारत की ओर से 1-6 ओवर के भीतर 50 रन बनाने का कारनामा बहुत कम बल्लेबाज कर पाए हैं। इस खास सूची में सबसे ऊपर अभिषेक शर्मा हैं, जिन्होंने यह उपलब्धि तीन बार हासिल की है। उनके बाद रोहित शर्मा और ईशान किशन का नाम आता है, जिन्होंने दो-दो बार पावरप्ले में 50 रन पूरे किए। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल भी एक-एक बार यह कमाल कर चुके हैं।

टी20आई में भारत के लिए 1-6 ओवर में फिफ्टी

अभिषेक शर्मा (तीन बार)
रोहित शर्मा (दो बार)
ईशान किशन (दो बार)
केएल राहुल (एक बार)
यशस्वी जायसवाल (एक बार)

नामीबिया के खिलाफ ईशान का तूफान

दिल्ली में खेले गए मुकाबले में ईशान किशन ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। नामीबिया के गेंदबाज़ों पर दबाव बनाते हुए उन्होंने मैदान के हर कोने में शॉट लगाए। ईशान ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह उनकी पारी का सबसे खास पल रहा। उन्होंने कुल 24 गेंदों पर 61 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 शानदार छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 250 से अधिक रहा, जो टी20 क्रिकेट में बेहद प्रभावशाली माना जाता है। पावरप्ले के दौरान उनकी बल्लेबाजी ने भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

भारतीय ओपनिंग रणनीति का नया चेहरा

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में पावरप्ले का अधिकतम फायदा उठाने की रणनीति अपनाई है। रोहित शर्मा और केएल राहुल जैसे अनुभवी बल्लेबाज़ों ने इसकी नींव रखी, जबकि अभिषेक शर्मा और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों ने इसे आगे बढ़ाया। ईशान किशन का नाम इस सूची में शामिल होना

यह दर्शाता है कि वह बड़े मंच पर भी आक्रामक खेल दिखाने में सक्षम हैं। उनकी बल्लेबाज़ी शैली आधुनिक टी20 क्रिकेट की मांग के अनुरूप है–तेज रन, कम जोखिम और मैच पर शुरुआती नियंत्रण।

संजू सैमसन टी20 विश्व कप में डेब्यू करने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज भारतीय बने, देखें टॉप 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली ।आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप ए मुकाबले में दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारत और नामीबिया आमने–सामने हैं।इस मैच में विकेटकीपर–बल्लेबाज संजू सैमसन ने आखिरकार टी20 वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच खेला और खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।31 साल 93 दिन की उम्र में डेब्यू करते ही वह भारत की ओर से टी20 वर्ल्ड कप में पहली बार खेलने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।

भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप में डेब्यू करने वाले उम्रदराज खिलाड़ी– संजू सैमसन का यह डेब्यू सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि एक आंकड़ों वाला मुकाम भी है।भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप में पहली बार खेलने के समय सबसे अधिक उम्र का रिकॉर्ड अमित मिश्रा के नाम है, जिन्होंने 2014 में पाकिस्तान के खिलाफ मीरपुर में 31 साल 117 दिन की उम्र में पहला मैच खेला था।सैमसन अब इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं।उनसे नीचे सूर्यकुमार यादव (31 साल 40 दिन, 2021 बनाम पाकिस्तान), आशीष नेहरा (31 साल 2 दिन, 2010 बनाम अफगानिस्तान) और लक्ष्मीपति बालाजी (30 साल 358 दिन, 2012 बनाम अफगानिस्तान) आते हैं।यह आंकड़े बताते हैं कि भारतीय टीम में टी20 वर्ल्ड कप डेब्यू का मौका कई बार अनुभवी खिलाड़ियों को भी देर से मिलता है।

बटलर ने सबसे ऊंचा कैच पकड़ने का विश्व रिकार्ड बनाया

मुम्बई ।इंग्लैंड की टीम के विकेटकीपर जोस बटलर ने भारत में जारी टी20 विश्कप के दौरान सबसे ऊंचा कैच पकड़ने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया है।इससे पहले ये रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया के टिमोथी शैनन जेबेसीलन के नाम दर्ज था।टिमोथी ने सिडनी में 19 नवंबर 2021 को 119.86 मीटर करीब 393 फीट 2.897 इंच ऊंचाई वाला कैच पकड़ा था।बटलर ने ये रिकार्ड इंग्लैंड के ही पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन की देखरेख में बनाया है।बटलर के लिए

सबसे ऊंचा कैच पकड़ना आसान नहीं था। उन्होंने करीब 60 मिनट तक इसके लिए तैयारी की थी और अंत में इसे पूरा किया। बटलर ने इसके बाद 122 मीटर ऊपर से ड्रोन से गिराए गए इस कैच को पकड़ा, ये तब लगभग 400 फीट जमीन से ऊपर था।गौरतलब है कि अभी तक किसी ने भी 120 मीटर से ऊपर का कैच नहीं पकड़ा है।बटलर को 60 मिनट इस रिकॉर्ड कैच के लिए मिले थे।50 मीटर के कैच से उन्होंने शुरुआत की थी।पहले कुछ प्रयासों में तो उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि उनके साथ क्या हो रहा है।दगए वीडियो में बटलर केविन पीटरसन से ये कहते हुए भी नजर आए कि ये करना मुश्किल है, जबकि वर्ल्ड कप जीतना आसान है।बटलर ने ये भी कहा कि महेन्द्र सिंह धोनी और एडम गिलक्रिस्ट ने भी अब तक कभी इस प्रकार से कैच नहीं पकड़ा है।बटलर के लिए पहले गुलाबी गेंद हवा में ड्रोन से गिराई जा रही थी, जिसे वह पकड़ नहीं पा रहे थे तो उन्होंने सफेद गेंद से कैच पकड़ने के लिए कहा। सफेद गेंद से परेशानी पैदा कर रही थी तो उन्होंने फिर से लाल गेंद ली।इसके बाद 122 मीटर की दूरी वाला कैच पकड़ लिया और नया विश्व रिकॉर्ड कायम कर दिया।

टी20 विश्व कप : भारत के लिए चिंताजनक खबर, पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेगा ये धमाकेदार बल्लेबाज!

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के तूफानी सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में नामीबिया के खिलाफ खेले गए मैच के लिए प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा गया है। अमेरिका के खिलाफ पिछले मैच के दौरान उन्हें वायरल बुखार था, लेकिन फिर भी उन्होंने खेलने का फैसला किया। दिल्ली पहुंचने के बाद उनकी हालत बिगड़ गई और पेट में संक्रमण का पता चला, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मेडिकल जांच के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

टॉस के समय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पुष्टि की कि अभिषेक ठीक हो रहे हैं, लेकिन उन्हें पूरी तरह से मैच फिटनेस हासिल करने में समय लगेगा। हालांकि वे टीम के साथ स्टेडियम पहुंचे, लेकिन उन्होंने अभ्यास नहीं किया और सिर्फ मैदान पर घूमते हुए नजर आए। कप्तान ने यह भी संकेत दिया कि सलामी बल्लेबाज पाकिस्तान के खिलाफ आगामी मैच में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि उन्हें वापसी के लिए एक या दो और मैच खेलने की जरूरत पड़ सकती है। सूर्यकुमार ने टॉस के बाद कहा कि अभिषेक अभी पूरी तरह ठीक नहीं हैं, वे एक-दो मैच नहीं खेल पाएंगे। संजू टीम में आए हैं, वे भी अभिषेक जैसे ही विस्फोटक बल्लेबाज हैं। बुमराह सिराज की जगह आए हैं। बीसीसीआई ने भारतीय सलामी बल्लेबाज की सेहत के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेडिकल टीम फिलहाल अभिषेक की सेहत पर नजर रख रही है। बीसीसीआई ने ट्वीट किया कि अभिषेक शर्मा अभी भी अपनी बीमारी से उबर रहे हैं और चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी सेहत पर कड़ी नजर रख रही है।

लियोनेल मेस्सी चोटिल, इंटर मियामी के पहले मैच में खेलना संदिग्ध

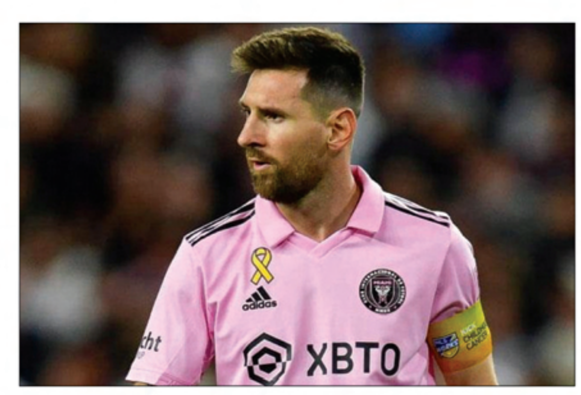

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)।स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की बायीं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया है जिसके कारण उनका इंटर मियामी की तरफ से एमएलएस कप में 21 फरवरी को एलएएफसी के खिलाफ होने वाले सत्र के पहले मैच में खेलना संदिग्ध है। इंटर मियामी की टीम ने बुधवार को मेस्सी के चोटिल होने के बारे में जानकारी दी। एमएलएस के लगातार दो बार के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मेस्सी ने पिछले सप्ताहांत इक्वाडोर में सत्र से पहले खेले गए मैच में एक गोल किया, लेकिन दूसरे हाफ के लगभग 12 मिनट बाद उन्हें संभवत: हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था।इंटर मियामी ने एक बयान में कहा, 'अभ्यास में उनकी वापसी आने वाले दिनों में उनकी फिटनेस की प्रगति पर निर्भर करेगी।'

भारत के खिलाफ मुकाबले को लेकर हमपर कोई दबाव नहीं : फरहान

कोलंबो ।पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने कहा है कि 15 फरवरी को भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबले के लिए उनकी टीम तैयार है।फरहान ने कहा है कि इस महामुकाबले को लेकर उनकी टीम पर कोई दबाव नहीं है।पाक ने अपनी ग्रुप स्तर के शुरुआती मुकाबलों में नीदरलैंड और अमेरिका को हराया है।इसमें फरहान ने काफी अच्छी बल्लेबाजी भी की है जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।इसी को देखते हुए फरहान ने कहा कि दबाव भारतीय टीम पर अधिक होगा।इस बल्लेबाज ने कहा, जब आप दो लगातार मैच जीतते हैं, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है।आने वाला मैच कोई बड़ी बात नहीं है, हम भारतीय टीम के खिलाफ पहली बार नहीं खेल रहे हैं।पहले भी खेल चुके हैं।इस बार उनके खिलाफ हम अलग प्रकार की रणनीति के साथ खेलेंगे। उन्होंने कहा, आपने हमें पहले कठिन हालातों में और संघर्ष करते हुए देखा है पर अब जबकि शादाब और नवाज रन बना रहे हैं।इसलिए उम्मीद है कि ये मुकाबला रोमांचक होगा और इसका सभी को आनंद आएगा।भारत और पाकिस्तान के बीच कुछ साल में हुए कई मैच एकतरफा रहे हैं और भारत ने आसानी से जीत हासिल की है।इसको लेकर फरहान ने कहा कि मुझे लगता है कि एशिया कप के दौरान हमारा मैच एकतरफा नहीं था।हम अंत तक खेले और लड़े।उम्मीद है कि इस बार हम और बेहतर खेल दिखाएंगे।फरहान ने कहा, मुझे लगता है कि जब आप रन बनाते हैं तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है।पिछली दो पारियों के बाद मेरा मनोबल भी बढ़ा है।भारत के खिलाफ मैच को हम एक आम मैच की तरह लेंगे और इसमें शांत दिमाग के साथ उतरेंगे।फरहान ने नीदरलैंड के खिलाफ पहले मैच में 47 रन जबकि अमेरिका के खिलाफ 73 रन बनाये थे।

आईसीसी ने नबी पर जुर्माना लगाया

अहमदाबाद ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज मोहम्मद नबी पर आचार संहित उल्लंघन के मामले में जुर्माना लगाया है।नबी पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मैच में आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के निर्देश को न मानने से जुड़ा है।जुर्माने के अलावा नबी के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है।पिछले 24 महीने में उनकी यह पहली गलती थी।यह मामला अफगानिस्तान की पारी के 14वें ओवर का है जब नबी की अंपायरों के साथ गेंदबाज लुंगी एनगिडी के कलाई बैंड को लेकर बहस हो गयी। नबी ने अपनी गलती मान ली है और एमिरेट्स आईसीसी अंतर्राष्ट्रीय पैनल ऑफ मैच रेफरी के डेविड गिल्बर्ट की सजा को भी स्वीकार कर लिया है।ऐसे में आईसीसी की ओर से किसी औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं लगी है। इससे पहले मैदानी अंपायर जयरामन मदनगोपाल और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, थर्ड अंपायर नितिन मेनन और चौथे अंपायर के.एन. अनंथापद्मनाभन ने नबी पर आरोप लगाए थे।लेवल 1 के उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार के अलावा खिलाड़ी की मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना और एक या दो नकारात्मक अंक दिये जाते हैं। अफगानिस्तान की टीम को इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा था।

पीएसएल 2026 सीज़न : स्टीव स्मिथ बने इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी, सियालकोट स्टैलियंस से जुड़े

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) के 11वें सीज़न से पहले हुए मेगा ऑक्शन ने क्रिकेट जगत में सनसनी फैला दी है। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को सियालकोट स्टैलियंस ने डायरेक्ट साइनिंग के तहत PKR 14 करोड़ (करीब 5 लाख अमेरिकी डॉलर) में अनुबंधित किया, जिससे वह क्करु इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। लीग के प्रारूप में बड़े बदलाव, दो नई फ्रेंचाइजी की एंट्री और ड्राफ्ट की जगह पहली बार ऑक्शन सिस्टम ने इस बार के सीज़न को और भी हाई-प्रोफाइल बना दिया है।

स्टीव स्मिथ की रिकॉर्डतोड़ डील

अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ स्टीव स्मिथ को नई टीम सियालकोट स्टैलियंस ने सीधे साइन किया। यह रकम PSL के इतिहास में किसी भी खिलाड़ी को मिली सबसे बड़ी राशि है। स्मिथ, जो टी20 फॉर्मेट में अपनी स्थिरता और मैच कंट्रोल के लिए जाने जाते हैं, 11वें एडिशन में टीम के ब्रांड एंबेसडर और मुख्य बल्लेबाजी स्तंभ की भूमिका निभाएंगे। स्मिथ हाल ही में ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम में चोटिल मिशेल मार्श की जगह लेने के कारण भी चर्चा में रहे। ऐसे में उनका PSL में आना लीग की ग्लोबल अपील को और मजबूत करता है।

ड्राफ्ट से ऑक्शन तक : PSL का बड़ा बदलाव

PSL ने इस सीज़न से ऐतिहासिक बदलाव करते हुए ड्राफ्ट सिस्टम की जगह प्लेयर्स ऑक्शन मॉडल लागू किया है। पिछले दस वर्षों से ड्राफ्ट फॉर्मेट में चल रही लीग अब इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की तरह बोली-प्रक्रिया के जरिए खिलाड़ियों को चुन रही है। लीग का विस्तार भी हुआ है–अब टीमों की संख्या छह से बढ़कर आठ हो गई है। सियालकोट और हैदराबाद दो नई फ्रेंचाइजी के रूप में शामिल हुई हैं। इससे प्रतियोगिता और व्यावसायिक आकर्षण दोनों में इजाफा होने की उम्मीद है।

ऑक्शन में विदेशी सितारों की चमक

लाहौर में आयोजित ऑक्शन में कई बड़े अंतरराष्ट्रीय नाम शामिल रहे। डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा, डेरिल मिशेल, मार्क चैपमैन, मुस्तफिजुर रहमान, डेवोन कॉनवे, रिली रोसौ, तबरेज शमशी, दासुन शनाका, कुसल मेंडिस और मार्नस लाबुशेन जैसे खिलाड़ियों पर फ्रेंचाइजियों ने दिलचस्पी दिखाई। कुल मिलाकर आठों टीमों ने 103 खिलाड़ियों को अपने स्क्वॉड में शामिल किया, जिससे आगामी सीज़न के लिए संतुलित और प्रतिस्पर्धी टीमें तैयार हुई हैं।

नसीम शाह सबसे महंगे पाकिस्तानी खिलाड़ी

तेज़ गेंदबाज़ नसीम शाह इस ऑक्शन में सबसे महंगे पाकिस्तानी खिलाड़ी बने। उन्हें इस्लामाबाद यूनाइटेड ने PKR 8.65 करोड़ में खरीदा। उनके साथ ऑलराउंडर फहीम अशरफ भी उसी टीम में PKR 8.5 करोड़ में शामिल हुए। रिटेंशन में पेशावर जाल्मी ने बाबर आजम को PKR 7 करोड़ में बरकरार रखा, जबकि सबसे महंगा रिटेंशन सैम अयूब रहे, जिन्हें 12.2 करोड़ रुपये में रिटेन किया गया।

नई फेंचाइजी और बड़े निवेश

सियालकोट और हैदराबाद फेंचाइजी के राइट्स विदेशी पाकिस्तानी निवेशकों ने क्रमशः PKR 185,000 करोड़ और PKR 175,000 करोड़ में हासिल किए। नए स्वामित्व ढांचे के बाद मुल्तान सुल्तांस का भी पुनर्गठन हुआ और टीम का नाम बदलकर रावलपिंडी कर दिया गया। यह निवेश दिखाता है कि PSL अब वैश्विक क्रिकेट लीग्स में अपनी मजबूत आर्थिक स्थिति बना रहा है।

हर क्षेत्र में निर्णय उसी क्षेत्र के विशेषज्ञों को लेने चाहिए : मोहन भागवत

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक अलग और सशक्त वेटरिनरी काउंसिल के गठन की पैरवी कर दी। उन्होंने कहा कि जानवरों और जनसुरक्षा से जुड़े फैसले वेटरिनरी डॉक्टरों और विषय-विशेषज्ञों के निर्देश पर तय होने चाहिए। संघ प्रमुख भागवत नागपुर में इंडियन सोसायटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ कैनाइन प्रैक्टिस (आईएसएसीपी) के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। अपने संबोधन की शुरुआत में आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा, मैंने इसी कॉलेज में पढ़ाई की है। हालांकि मुझे वेटरिनरी क्षेत्र छोड़े 50 साल हो चुके हैं। ऐसा नहीं कि मुझे कुछ याद नहीं, लेकिन आप लोगों जितना ज्ञान अब मेरे पास नहीं है। फिर भी पूर्व छात्र के रूप में आपने मुझे बुलाया, इसके लिए मैं उनका बहुत आभारी हूं।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि-आधारित देश को तब तक लाभ मिलता रहा, जब तक किसान खेती के साथ पशुपालन और मत्स्य पालन भी करते रहे। भागवत ने वेटरिनरी पेशे के दायरे को सीमित मनाने की सोच को गलत बताकर कहा, पहले माना जाता था कि वेटरिनरी डॉक्टरों की भूमिका सीमित है, लेकिन यह सोच सही नहीं है। समाज, जनस्वास्थ्य और नीति निर्माण में उनकी बड़ी भूमिका हो सकती है।

दिल्ली में हाल ही में लावारिस कुत्तों को लेकर हुए विवाद का जिक्र कर भागवत ने कहा कि बहस दो चरम सीमाओं में बंट गई थी, एक पक्ष कह रहा था कि सभी कुत्तों को मार दो, दूसरा कह रहा था कि उन्हें छुओ भी मत। लेकिन अगर इंसानों को कुत्तों के साथ रहना है, तब यह सोचना होगा कि कैसे साथ रहें।

उन्होंने वैज्ञानिक और व्यावहारिक समाधान पर जोर देकर कहा, कुत्तों की संख्या नसबंदी के जरिए नियंत्रित की जा सकती है। इंसानों के लिए जोखिम कम करने के कई उपाय हैं। ये भावनाओं से नहीं, ज्ञान से निकले समाधान हैं। भागवत ने बताया कि उनके विचार उनकी वेटरिनरी पृष्ठभूमि से प्रभावित हैं।

लैम्बोर्गिनी कार हादसा : आरोपी शिवम मिश्रा गिरफ्तार, कानपुर पुलिस ने कोर्ट में किया पेश

कानपुर (एजेंसी)। शहर की सड़कों पर फर्राटा भरती रफ्तार आखिरकार कानून के स्पीड ब्रेकर से टकरा ही गई। ग्वालटोली की वीआईपी रोड पर हुए लैंबोर्गिनी हादसे के आरोपी शिवम मिश्रा को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया। तेज रफ्तार कार से छह लोगों को घायल करने वाली यह घटना अब 'हाई-प्रोफाइल रफ्तार बनाम आम सड़क' की कहानी बन गई है। हादसे के बाद आरोपी के पिता ने बेटे के दिल्ली में इलाज का दावा किया, लेकिन पुलिस की 'लोकेशन सर्विस' कुछ और ही बता रही थी। करीब 90 घंटे की तलाश के बाद स्पेशल टीम ने शिवम को कानपुर से ही पकड़ लिया। इस बीच शहर में चर्चा यही रही कि रफ्तार भले ही सुपरकार की हो, गिरफ्तारी लोकल ही होती है। चश्मदीदों के मुताबिक, कार ने पहले ऑटो को टक्कर मारी, फिर मोटरसाइकिल से जा भिड़ी और एक सवार हवा में उछल गया। हादसे ने एक बार फिर सवाल उठाया है क्या, महंगी गाड़ी के साथ सड़क पर 'अतिरिक्त अधिकार' भी मिल जाते हैं? जवाब साफ है- ट्रैफिक नियमों में ब्रांड का कोई कॉलम नहीं होता। पुलिस कमिश्नर के नेतृत्व में कार्रवाई तेज रही। मेडिकल परीक्षण के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया।

महाशिवरात्रि पर दरगाह में पूजा रोकने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कर्नाटक की लाडले मशक दरगाह परिसर में पूजा की रोक वाली याचिका पर सुनवाई से इंकार किया। याचिका में महाशिवरात्री पर होने वाली पूजा पर रोक लगाने की मांग की हुई थी। यह दरगाह 14वीं सदी के सूफी संत और 15वीं सदी के हिंदू संत राघव चैतन्य से जुड़ी मानी जाती है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा कि मामला कर्नाटक हाईकोर्ट में लंबित है इसलिए संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर नहीं की जा सकती। इससे पहले फरवरी 2025 में कर्नाटक हाईकोर्ट ने 15 हिंदू श्रद्धालुओं को महाशिवरात्रि के अवसर पर राघव चैतन्य शिवलिंग पर पूजा की अनुमति दी थी। 2022 में इस स्थल को लेकर विवाद हुआ था।

मध्य प्रदेश के सिंगरौली में जादू-टोना के शक में दो की हत्या, हिरासत में आरोपी

सिंगरौली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले से रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर आई है। जहां जादू-टोने के शक में दो लोगों की हत्या की गई है। वहीं, दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने हत्याकांड को अंजाम देने वाले आरोपी को हिरासत में लिया है। पुलिस ने घटनास्थल पर चबूतरे पर एक साथ कई नारियल और कुल्हाड़ी बरामद की है। पुलिस के अनुसार अंतरवा गांव में छत्रपति सिंह की शादी के बाद संतान नहीं थी और पत्नी को गर्भपात हो गया था। इसके लिए वह पड़ोसी केवल सिंह और फूलमती को जिम्मेदार मानता था। उसका कहना था कि इन दोनों के जादू-टोना करने के चलते वह पिता नहीं बन पा रहा है। इस बात को लेकर छत्रपति ने केवल सिंह और फूलमती पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला किया। इस दौरान दो लोग बीच बचाव के लिए आए, तब उन पर भी छत्रपति ने हमला किया। परिणाम स्वरूप केवल सिंह और फूलमती की मौत हो गई है, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। वहीं, गांव के लोगों का कहना है कि छत्रपति शादी के बाद जब पिता नहीं बना और पत्नी को गर्भपात हो गया। वह इसके लिए पड़ोसियों पर आरोप लगाता था। छत्रपति को शक था कि पड़ोसियों ने जादू-टोना किया है। इस वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी छत्रपति सिंह ने अपने को एक मकान में कैद कर लिया। पुलिस को जब इस बात की सूचना मिली तो मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद उसे हिरासत में लिया गया।

3 बहनों की खुदकुशी के मामले में आया नया मोड़, पुलिस ने बरामद किया पिता का फोन

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद के इंदिरापुरम इलाके में तीन सगी बहनों द्वारा 9वीं मंजिल से कूदकर जान देने के मामले में पुलिस की जांच अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई है। पुलिस ने वह मोबाइल फोन बरामद किया है, जो कि लड़कियों के पिता चेतन कुमार ने घटना से करीब 15 दिन पहले दिल्ली के शालीमार गार्डन में एक दुकानदार को बेच दिया था। पुलिस उपायुक्त (ट्रांस हिंडन) निमिष पाटिल के अनुसार, मोबाइल का डेटा रिकवर करना जांच के लिए सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। शुरुआती बयानों से संकेत मिले हैं कि 16 वर्षीय निशिका, 14 वर्षीय प्राची और 12 वर्षीय पाखी किसी ऑनलाइन कोरियन गेम की आदी थीं। पिता का दावा है कि ये लड़कियां पिछले 3 साल से इस गेम में इस कदर डूबी हुई थीं कि उन्होंने स्कूल जाना भी छोड़ दिया था। पुलिस अब फॉरेंसिक जांच के जरिए यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या यह कोई टास्क-आधारित गेम था जिसने उन्हें इस आत्मघाती कदम के लिए उकसाया। घटनास्थल से मिली 9 पन्नों की एक डायरी ने इस त्रासदी के पीछे के पारिवारिक तनाव और सांस्कृतिक टकराव को उजागर किया है। डायरी से मिली मुख्य बातें निम्नलिखित हैं कि लड़कियों ने बार-बार लिखा कि वे कोरियन संस्कृति से प्यार करती हैं और इस अपनी जिंदगी मानती थीं। डायरी के अनुसार, परिवार उन पर कोरियन प्रभाव छोड़ने और भारतीय रीति-रिवाजों को अपनाने का दबाव बना रहा था। पिता द्वारा फोन बेचे जाने के बाद लड़कियां गहरी निराशा में थीं। उनका अपने ऑनलाइन कोरियन दोस्तों से संपर्क टूट गया था। डायरी में मारपीट और सख्त सजा का भी जिक्र है। लड़कियों ने आखिरी संदेश में लिखा, आपकी मार से हमारे लिए मौत बेहतर है... सॉरी पापा।

फिलहाल पुलिस मोबाइल डेटा और डायरी के पन्नों का मिलान कर रही है। हालांकि शुरुआती जांच में किसी विशिष्ट सुसाइड ऐप के ठोस सबूत नहीं मिले हैं, लेकिन फोन की फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि इस दर्दनाक कदम के पीछे असली वजह ऑनलाइन गेमिंग थी या घरेलू परिस्थितियां। 4 फरवरी को हुई इस घटना ने डिजिटल युग में बच्चों की मानसिक स्थिति और माता-पिता के साथ उनके संवाद की कमी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के आश्रम में बच्चों के साथ यौन शोषण का आरोप, स्वामी ने बताया षडयंत्र

प्रयागराज (एजेंसी)। माघ मेले में विवादों में रहे ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को लेकर नया विवाद उठ खड़ा हुआ है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष और शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी ने उनकी सेवा में लगे आश्रम के बच्चों के साथ यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों को लेकर उन्होंने प्रयागराज जिला कोर्ट में 28 जनवरी को 173(4) के तहत कंप्लेंट रजिस्टर करने के लिए अर्जी दाखिल की है। इस अर्जी पर अब तक दो तारीखों पर एडीजे रेप एंड पोक्सो स्पेशल कोर्ट में सुनवाई भी हो चुकी है। इस मामले में वादी आशुतोष ब्रह्मचारी के कोर्ट में बयान दर्ज हो चुके हैं। कोर्ट के आदेश पर प्रयागराज पुलिस भी मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

गौरतलब है श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष और शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी ने आरोप लगाया है कि माघ मेले के दौरान एक नाबालिग और एक बालिग बच्चा उनके पास आया था। जिसने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर कुकर्म का गंभीर आरोप लगाया था। हालांकि जो बच्चा बालिग हो गया है उसके साथ कुकर्म की घटना उस समय हुई थी, जबकि वह नाबालिग था। आरोप लगाया गया है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के शिष्य ही इन बच्चों पर गुरु सेवा के नाम पर संबंध बनाने का दबाव बनाते थे। बच्चों को यह समझाते थे कि इससे उन्हें आशीर्वाद मिलेगा। आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहा है कि कोर्ट ने इस मामले में झूंसी थाना पुलिस से रिपोर्ट भी मांगी थी। लेकिन कोर्ट पुलिस की रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं हुई और कोर्ट ने अगली तारीख 13 फरवरी की लगाई है।

वहीं इस मामले में वाराणसी में मौजूद ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भी मीडिया से बात कर अपना पक्ष रखा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने और गौ हत्या बंद करने को लेकर उनके अभियान के चलते उन्हें जानबूझकर फंसाया जा रहा है और उन पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं जिनकी सभ्य समाज में कल्पना नहीं की जा सकती है। लेकिन हम लोगों ने सभी प्रमाण कोर्ट के सामने रख दिए हैं।

पुणे में बंगाल के मजदूर की पीट-पीटकर हत्या, सीएम ममता हुईं दुखी व आक्रोशित

-बोलीं- एक युवक को उसकी भाषा, पहचान और जड़ों की वजह से निशाना बनाया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने पुणे में हुई बंगाल के मजदूर की हत्या की निंदा की। उन्होंने इस घटना को हेट क्राइम बताते हुए कहा कि किसी राज्य में बाहरी लोगों के प्रति नफरत को हथियार और निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। सीएम ममता ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर घटना का वीडियो पोस्ट करते हुए गहरा दुख और आक्रोश जताया। उन्होंने पोस्ट में लिखा- मैं शब्दों से परे विचलित हो गई हूं, क्रोधित हूं और आहत हूं। पुरुलिया के बंडवान का 24 साल का प्रवासी मजदूर सुखेन महतो, जो अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला था, उसकी पुणे, महाराष्ट्र में बर्बर हत्या कर दी गई। ममता ने कहा कि यह सीधा-सीधा हेट क्राइम है। एक युवा को उसकी भाषा, पहचान और जड़ों की वजह से निशाना बनाया गया, उसे प्रताड़ित किया गया और मार डाला। यह उसी माहौल का नतीजा है, जहां जेनोफोबिया को हथियार बनाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम ममता ने दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी और कड़ी से कड़ी सजा की मांग की। सुखेन के परिवार से कहना चाहती हूं कि इस असीम दुख की घड़ी में पूरा बंगाल आपके साथ खड़ा है। न्याय दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। बता दें यह पहली बार नहीं है जब ममता बनर्जी ने दूसरे राज्यों, खासकर बीजेपी शासित राज्यों में बंगाल के प्रवासी मजदूरों पर हमलों के मुद्दे पर आवाज उठाई है। वह पहले भी देशभर में बंगाली भाषी लोगों के साथ उत्पीड़न के खिलाफ केंद्र सरकार को घेरती रही हैं।

पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम सुखेन महतो है और वह पुरुलिया के बंडवान का रहने वाला था। बुधवार दोपहर पुणे के शिकारपुर पुलिस थाने के अंतर्गत कोरेगांव भीमा क्षेत्र से उसका शव मिला था। आरोप है कि उसे बंगाली में बात करने के कारण पीट-पीटकर मार डाला। इस मामले में उसके बड़े भाई तुलसीराम महतो ने शिकारपुर थाने में हत्या की शिकायत दर्ज कराई है। बताया जा रहा है कि सुखेन 2021 से पुणे में प्रवासी मजदूर के रूप में काम कर रहा था। वह कोरेगांव भीमा के पास सनतबाड़ी इलाके में एक कार पार्ट्स निर्माण कंपनी में काम करता था। उसका शव उसी इलाके से बरामद हुआ।

सरमा एक दिन भी मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के योग्य नहीं, उनके चुनाव लड़ने पर रोक लगे

एआईयूडीएफ के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने लगाया आरोप

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के एक कथित शूटिंग वीडियो को लेकर राज्य की राजनीति में विवाद बढ़ता जा रहा है। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने सीएम सरमा की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर कहा कि वे एक दिन भी मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के योग्य नहीं हैं। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि सरमा को चुनाव लड़ने से भी रोका जाए। अजमल का आरोप है कि पिछले छह महीनों से एक समुदाय विशेष के खिलाफ नफरत भरे भाषण दे रहे हैं। 7 फरवरी को साझा किए गए वीडियो में मुख्यमंत्री दो मुस्लिम व्यक्तियों की ओर राइफल ताने हुए दिखाई दे रहे थे। यह वीडियो बाद में हटा लिया गया, लेकिन विवाद बढ़ गया।

असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) ने भी मामले में दिसपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। कांग्रेस का आरोप है कि असम बीजेपी के आधिकारिक 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) हैंडल से साझा किया गया वीडियो भड़काऊ और सांप्रदायिक है। वीडियो में कथित रूप से 'विदेशियों से मुक्त असम, कोई रहम नहीं' और 'तुम पाकिस्तान क्यों नहीं चले गए?' जैसे वाक्य लिखे थे। कांग्रेस का कहना है कि इसतरह के शब्द राज्य के बंगाली मूल के मुसलमानों को निशाना बनाते हैं, जिन्हें अक्सर 'मिया' या 'बांग्लादेशी' कहकर संबोधित किया जाता है। कांग्रेस नेताओं ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। इस मुद्दे पर सीपीआई(एम) नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मुख्यमंत्री के खिलाफ निर्देश जारी करने की मांग की है। वरिष्ठ वकील ने मामले की त्वरित सुनवाई का अनुरोध किया, जिस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि सुनवाई की तारीख दी जाएगी। वहीं एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी हैदराबाद में शिकायत दर्ज कर वीडियो को नफरत फैलाने वाला बताया और आपराधिक कार्रवाई की मांग की। वहीं, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने आरोपों से इंकार कर कहा कि उन्हें वीडियो की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ है, तब उन्हें

गिरफ्तार किया जा सकता है, उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ अपने रुख पर कायम रहने की बात दोहराई।

एआईएमआईएम नेता का हिंदू संगठनों पर तंज.... हिंदू भाई 4 नहीं बल्कि 14 बच्चे पैदा करें

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। एआईएमआईएम (एआईएमएआईएम) के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली मुजफ्फरनगर पहुंचे, जहां उन्होंने दो नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण के मुद्दे पर कहा कि देश की आबादी बढ़ने से राष्ट्र मजबूत होता है। शौकत अली ने हिंदू संगठनों के चार बच्चे पैदा करने वाले बयानों पर तंज कसते हुए कहा कि हिंदू भाइयों को 4 नहीं बल्कि 14 बच्चे पैदा करने चाहिए। उन्होंने चीन का उदाहरण देकर तर्क दिया कि चीन अपनी विशाल आबादी के कारण ही हमसे अधिक मजबूत है, इसलिए भारत को भी अपनी जनसंख्या बढ़ानी चाहिए। मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के नाम से हो रहे निर्माण पर शौकत अली ने कहा कि संविधान किसी भी नाम से धार्मिक स्थल बनाने की अनुमति देता है। उन्होंने सवाल किया कि यदि कोई अपने बेटे का नाम बाबर रखकर काम शुरू करे, तब क्या उस लाइसेंस नहीं मिलेगा? शौकत ने आरोप लगाया कि देश में दाढ़ी, टोपी और गौश्त के नाम पर मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है और मॉब लिंचिंग की घटनाएं बढ़ रही हैं। उनके अनुसार, यदि सरकार को जनसंख्या से आपत्ति है, तब वह हम दो हमारे दो का कानून लेकर आए।

असम में मुस्लिम बहुल जिलों में बढ़े वोटर, आदिवासी क्षेत्रों में घटे, 2.43 लाख नाम हटाए गए

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के समापन के बाद मंगलवार को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। इस नई सूची में बड़े पैमाने पर फेरबदल देखने को मिला है, जहां मसौदा सूची की तुलना में कुल 2.43 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। यह कमी मसौदा सूची के कुल नामों का लगभग 0.97 प्रतिशत है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, असम के 35 जिलों में से 24 जिलों में मतदाताओं की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि 11 जिलों में मतदाताओं की संख्या बढ़ी है।

आंकड़ों का विश्लेषण करने पर एक विशिष्ट जनसांख्यिकीय पैटर्न सामने आया है। राज्य के अधिकांश मुस्लिम-बहुल जिलों में मसौदा सूची की तुलना में अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या में वृद्धि देखी गई है। इसके विपरीत, बहुसंख्यक आदिवासी आबादी वाले तीन पहाड़ी जिलों और बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पांच जिलों में मतदाताओं की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट आई है। इसके साथ ही कामरूप और गुवाहाटी शहर वाले कामरूप (मेट्रोपॉलिटन) जिलों में भी मतदाताओं की संख्या कम हुई है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल ने स्पष्ट किया कि अधिकारियों ने एक त्रुटि मुक्त मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए गहनता से काम किया है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि जब भी किसी राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण होता है, तो अक्सर इसी तरह की कमी देखने को मिलती है। इस पूरे घटनाक्रम पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि यह तो केवल शुरुआत है और आने वाले समय में विशेष पुनरीक्षण के दौरान और भी संदिग्ध मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाएंगे। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि तमाम डराने-धमकाने और धमकियों के बावजूद उन्होंने संदिग्ध नामों के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराईं, जिसका परिणाम इस सूची में दिखाई दे रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि स्वयं मुख्यमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र जलुकबाड़ी में भी मतदाताओं की संख्या में बड़ी कमी आई है। जलुकबाड़ी, जहां से सरमा पांच बार विधायक रहे हैं, वहां करीब 2.11 लाख मतदाताओं में से 4,310 नाम हटा दिए गए हैं। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पिछले साल दिसंबर में प्रकाशित मसौदा सूची में यहां 2,10,624 नाम थे, जो अब घटकर 2,06,314 रह गए हैं। इस क्षेत्र में कुल 2.05 प्रतिशत नाम हटाए गए हैं, जिनमें 2,754 पुरुष, 1,555 महिलाएं और एक तृतीय लिंग मतदाता शामिल है। अंतिम सूची के अनुसार अब इस क्षेत्र में 97,653 पुरुष और 1,08,654 महिला मतदाता पंजीकृत हैं। चुनाव आयोग का मानना है कि इस प्रक्रिया से राज्य की लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी, हालांकि आदिवासी और मैदानी इलाकों के बीच आंकड़ों का यह असंतुलन आने वाले समय में राजनीतिक चर्चा का विषय बन सकता है।

पूर्व सेना प्रमुख की किताब लीक मामले में आपराधिक साजिश की एफआईआर दर्ज, विदेशों तक पहुंची जांच

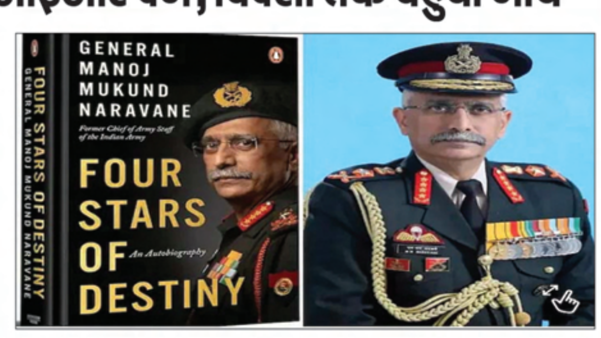

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल (रिटायर्ड) एमएम नरवणे की संस्मरण पुस्तक फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी के लीक होने का मामला अब एक गंभीर अंतरराष्ट्रीय साजिश के रूप में उभर रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शुरुआती जांच में यह संकेत मिले हैं कि इस पुस्तक को रक्षा मंत्रालय की अनिवार्य क्लीयरेंस के बिना एक सोची-समझी रणनीति के तहत सार्वजनिक किया गया। इस घटना की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आपराधिक साजिश की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि किताब का डिजिटल संस्करण भारत से पहले कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और अमेरिका जैसे देशों में सर्कुलेट हुआ और वहां की ऑनलाइन वेबसाइटों पर बिक्री के लिए उपलब्ध करा दिया गया। तकनीकी विश्लेषण से पता चला है कि लीक हुई कॉपी को सबसे पहले डोमेन एक्सटेंशन वाले एक प्लेटफॉर्म पर अपलोड किया गया था, जो ब्रिटिश इंडियन ओशन टेरिटरी से संबंधित है। इसके बाद यह अन्य कई होस्टिंग साइट्स पर वायरल हो गई। स्पेशल सेल अब किताब के 13 अंकों वाले इंटरनेशनल स्टैंडर्ड बुक नंबर (आईएसबीएन) की गहनता से जांच कर रही है। विदेशी वेबसाइटों पर जो आईएसबीएन कोड मिला है, वह प्रकाशक पेंगुइन इंडिया द्वारा इसी किताब के लिए जारी किए गए कोड से मेल खाता पाया गया है। इस संबंध में प्रकाशक से भी पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि बिना आधिकारिक अनुमति के यह विवरण विदेशी बाजार तक कैसे पहुंचा। इसी बीच, संसदीय गलियारों में भी इस मामले और अन्य बयानों को लेकर हलचल तेज है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संकेत दिए हैं कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाया जा सकता है। सरकार का आरोप है कि उन्होंने सदन में निराधार बयान देकर सदस्यों को गुमराह किया है। हालांकि, यह प्रस्ताव कब पेश होगा, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियों का पूरा ध्यान पूर्व आर्मी चीफकी किताब से जुड़े डेटा लीक के पीछे के विदेशी कनेक्शन को बेनकाब करने पर है।

वंदे मातरम को सभी 6 छंदों के साथ गाना अनिवार्य... मदनी का आरोप, ये आदेश हमारी धार्मिक आजादी पर हमला

-वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही सम्मान देना अनिवार्य, सिख संगठन ने भी जताया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने वंदे मातरम के सभी छंद गाने का विरोध किया है। मुसलमान संगठन ने कहा कि केंद्र सरकार का ये आदेश हमारी धार्मिक आजादी पर हमला है।

उलेमा-ए-हिंद ने मोदी सरकार के आदेश को एकतरफा और मनमाना बता दिया है। जमीयत के प्रेसिडेंट मौलाना अरशद मदनी ने पोस्ट में कहा कि मुसलमान किसी को भी वंदे मातरम गाने या बजाने से नहीं रोकते, लेकिन गाने के कुछ छंद मातृभूमि को एक देवता के रूप में दिखाते हैं। ये हमारी धार्मिक मान्यताओं के खिलाफ हैं।

केंद्र सरकार ने गुरुवार को आदेश जारी कर राष्ट्रगीत वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही सम्मान देना अनिवार्य होगा। आदेश के मुताबिक राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे, जिनकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकेंड है। अब तक मूल गीत के पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे।

इस पर नाराज मदनी ने कहा कि एक मुसलमान सिर्फ एक अल्लाह की पूजा करता है, इसलिए मुसलमान को यह गाना गाने के लिए मजबूर करना संविधान के आर्टिकल 25 और सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का साफ उल्लंघन है। इस गाने को जरूरी बनाना और नागरिकों पर थोपने की कोशिश देशभक्ति का इजहार नहीं है, बल्कि यह चुनावी राजनीति, एक सांप्रदायिक एजेंडा और बुनियादी मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने की कोशिश है। देश के लिए प्यार का असली पैमाना नारों में नहीं, बल्कि किरदार और कुर्बानी में है। इसकी शानदार मिसालें मुसलमानों और जमीयत उलेमा-ए-हिंद के ऐतिहासिक संघर्ष में खास तौर पर देखी जा सकती हैं।

वहीं सिख संगठन दल खालसा ने वंदे मातरम अनिवार्य करने के फैसले पर कड़ा ऐतराज जाहिर किया है। उन्होंने इस आदेश को सिख पहचान व धार्मिक भावनाओं के खिलाफ बताया है। दल खालसा के नेता कंवरपाल सिंह बिट्टू ने कहा कि यह फैसला भारतीयता के नाम पर हिंदुत्व विचारधारा को सिख समुदाय पर थोपने का प्रयास है। सिख होने के नाते हम इस फैसले को स्वीकार नहीं करने वाले है। यह निर्णय सिख समुदाय की भावनाओं और उनकी धार्मिक पहचान के विपरीत है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**